रजिस्टर्ड नं०–ए०डी०–4
लाइसेन्स सं०–डब्ल्यू०पी०–41
(लाइसेन्स टू पोस्ट बिदाउट प्रीपेमेन्ट)

सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

इलाहाबाद, शनिवार, 23 जुलाई, 2011 ई० (श्रावण 1, 1933 शक संवत्)

भाग 4

निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश

कार्यालय, सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद

विज्ञप्ति

22 जुलाई, 2011 ई0

सं0 परिषद–9/266–सर्वसाधारण की जानकारी हेतु एतद्द्वारा विज्ञापित एवं प्रसारित है कि माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश इलाहाबाद की कक्षा–9 तथा 10 में शैक्षिक सत्र–2011–12 से सतत् एवं व्यापक मूल्यॉकन प्रणाली लागू किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसके अन्तर्गत निर्धारित विभिन्न विषयों के लिखित तथा प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यॉकन हेतु पाठ्यक्रमों को निम्नवत् निर्धारित किया गया हैः–

हाईस्कूल परीक्षा

माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश ने सत्र 2011–12 से सतत एवं व्यापक मूल्यांकन प्रणाली को हाईस्कूल स्तर पर लागू करने का निर्णय लिया है, जिसके तहत 70 अंको की लिखित परीक्षा तथा 30 अंको का प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यांकन होगा जो वर्तमान सत्र से लागू है। आन्तरिक मूल्यांकन हेतु विद्यालय स्तर पर शैक्षणिक सत्र में प्रत्येक दो माह में (प्रथम मासिक परीक्षा अगस्त माह के अन्तिम सप्ताह में, द्वितीय मासिक परीक्षा अक्टूबर माह के अन्तिम सप्ताह में एवं तृतीय दिसम्बर माह के अन्तिम सप्ताह तक में) तीन मासिक परीक्षण किये जायेंगे।

सभी भाषाओं में 70 अंक की लिखित परीक्षा एक प्रश्नपत्र के आधार पर होगी तथा 30 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन तीन मासिक परीक्षाओं के आधार पर विद्यालय स्तर पर किया जायेगा। भाषा सम्बन्धी विषय निम्नवत् है। हिन्दी, प्रारम्भिक हिन्दी, गुजराती, उर्दू, पंजाबी, बंगला, मराठी, आसामी, उड़िया, कन्नड़, कश्मीरी, सिन्धी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, नेपाली, अंग्रेजी, संस्कृत, पालि, अरबी, तथा फारसी। प्रथम मासिक परीक्षा में वाचन शैली–वाद–विवाद प्रतियोगिता, विचारों की अभिव्यक्ति, भाषण, शब्द ज्ञान एवं उसका प्रयोग, द्वितीय मासिक परीक्षा में व्याकरण सम्बन्धी ज्ञान तथा तृतीय मासिक परीक्षा में छात्रों से उनके सृजनात्मक लेखन शैली–निबन्ध/कहानी/जीवन परिचय/नाटक, पत्रलेखन एवं अपठित पर आधारित ज्ञान का परीक्षण किया जायेगा। प्रत्येक मासिक परीक्षण 10 अंक का होगा।

प्रयोगात्मक विषयों–गृहविज्ञान, विज्ञान, संगीत गायन, संगीत वादन, कृषि, सिलाई, कम्प्यूटर में आन्तरिक मूल्यांकन निम्नवत् होगा।

प्रयोगात्मक परीक्षा–15 अंक (3 प्रयोग प्रत्येक 05 अंक)

प्रोजेक्ट कार्य–15 अंक (3 प्रोजेक्ट प्रत्येक 05 अंक)

प्रत्येक मासिक परीक्षा में एक प्रयोग तथा एक प्रोजेक्ट का मूल्यांकन किया जायेगा।

शेष अन्य विषयों–गणित, सामाजिक विज्ञान, प्रारम्भिक गणित, वाणिज्य, चित्रकला, रंजनकला तथा मानव विज्ञान में आन्तरिक मूल्यांकन की व्यवस्था निम्नवत् है।

प्रोजेक्ट कार्य–15 अंक (तीन प्रोजेक्ट प्रत्येक 05 अंक)

मासिक परीक्षा–15 अंक (तीन मासिक परीक्षा प्रत्येक 05 अंक)

गृहविज्ञान (बालकों के लिए तथा उन बालिकाओं के लिए जिन्होंने इसे अनिवार्य विषय के रूप में नहीं लिया है) का पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकों की स्थिति वही रहेगी जो इस विवरण पत्रिका में गृहविज्ञान (केवल बालिकाओं के लिए) अनिवार्य विषय के लिए निर्धारित है। नैतिक, खेल एवं शारीरिक शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन की व्यवस्था पूर्ववत रहेगी।

कक्षा 9 में सभी मासिक परीक्षाओं, प्रोजेक्ट एवं प्रयोगात्मक के प्राप्तांक वार्षिक परीक्षा के योग में सम्मिलित किये जायेंगे तथा कक्षा–10 के लिए मासिक परीक्षाओं, प्रोजेक्ट एवं प्रयोगात्मक के कुल प्राप्तांक जनवरी माह में परिषद के क्षेत्रीय कार्यालय को उपलब्ध करा दिये जायें। प्रत्येक मासिक परीक्षण में परीक्षार्थियों को निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर पढ़ाये गये पाठों में से उनके द्वारा किये जाने वाले क्रिया–कलापों एवं कौशल तथा बुद्धि का परीक्षण किया जाय। परीक्षार्थियों द्वारा समयान्तर्गत किये जाने वाले सृजनात्मक कार्य भी इसमें सम्मिलित किये जाएँ।

हाईस्कूल परीक्षा कक्षा–9 (वर्ष 2012)

विषय–हिन्दी

70 अंकों का एक प्रश्नपत्र होगा–समय तीन घण्टे निर्धारित

1(क) हिन्दी गद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय (भारतेन्दु युग तथा द्विवेदी युग)। 5

(ख) हिन्दी पद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय 5
आदिकाल, मध्यकाल (केवल भक्तिकाल)।

2– गद्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु से – 2+4+2=8
सन्दर्भ –
रेखांकित अंश की व्याख्या –
तथ्यपरक प्रश्न का उत्तर –
(पाठ–बात, मंत्र, गुरूनानक, देव, गिल्लू, स्मृति, निष्ठामूर्ति कस्तूरबा, ठेले पर हिमालय)

3– काव्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु से 2+4+2=8
सन्दर्भ–
व्याख्या–
काव्य सौन्दर्य
(कबीर, मीरा, रहीम, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, मैथलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी ''निराला'', सोहन लाल द्विवेदी, हरिवंश राय बच्चन, नागार्जुन, केदार नाथ अग्रवाल)

4– संस्कृत के निर्धारित पाठ्य वस्तु से – 1+4=5
(गद्यांश अथवा श्लोक का सन्दर्भ सहित अनुवाद)
सन्दर्भ –
अनुवाद –
(पाठ–वन्दना, सदाचार, पुरूषोत्तमः रामः, सिद्धिमन्त्रः, सुभाषितानि, परमहंस–रामकृष्णः, कृष्णः गोपालनन्दनः)।

5– निर्धारित एकांकी से – (कथानक, चरित्र–चित्रण एवं तथ्याधारित प्रश्न)। 3
(एकांकी–दीपदान, नये मेहमान, व्यवहार, लक्ष्मी का स्वागत, सीमा रेखा)।

6– निर्धारित पाठों के लेखकों तथा कवियों का जीवन परिचय एवं रचनाएं – 3+3=6

7– 1– पाठ्य पुस्तक से एक श्लोक– 2
(जो प्रश्नपत्र में न आया हो)
2– संस्कृत के निर्धारित पाठों से पाठों पर आधारित 2
दो प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में (अति लघु उत्तरीय)

8– काव्य सौन्दर्य के तत्व – 2+2+2=6
1– रस–श्रृंगार एवं वीर (स्थायीभाव, परिभाषा, उदाहरण,पहचान)
2– छन्द–चौपाई एवं दोहा–लक्षण, उदाहरण।
3– अलंकार –शब्दालंकार, अनुप्रास, यमक, श्लेष–परिभाषा,उदाहरण,पहचान)।

9– हिन्दी व्याकरण तथा शब्द रचना – 2+2+2+2=8
क–वर्तनी तथा विराम चिन्ह
ख–शब्द रचना–तद्भव, तत्सम्, विलोम, पर्यायवाची।
ग–समास–अव्ययीभाव, तत्पुरूष, (परिभाषा, उदाहरण)
घ–मुहावरे एवं लोकोत्तियाँ–अर्थ एवं वाक्य प्रयोग

10– संस्कृत व्याकरण – 2+2+2=6
क–सन्धि–दीर्घ, गुण (परिभाषा, उदाहरण, पहचान)
ख–शब्द रूप–राम, हरि, भानु, अस्मद्
ग– धातुरूप – गम्, भू, कृ (लृट, लोट, विधिलिड., लड. तथा लृट् लकार)।

11– क– हिन्दी के दो सरल वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद – 2
ख– पत्र लेखन (प्रार्थना पत्र) 4

<u>निर्धारित पाठ्य वस्तु–(गद्य)</u>

पाठ –	लेखक
बात –	प्रताप नारायण मिश्र
मंत्र –	प्रेमचन्द्र
गुरूनानक देव –	हजारी प्रसाद द्विवेदी
गिल्लू –	महादेवी वर्मा
स्मृति –	श्री राम शर्मा
निष्ठामूर्ति कस्तूरबा –	काका कालेलकर
ठेले पर हिमालय –	धर्मवीर भारती

निर्धारित पाठ्य वस्तु – (काव्य)

कबीर –	साखी
मीराबाई –	पदावली
रहीम –	दोहा
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	प्रेम माधुरी
मैथिलीशरण गुप्त –	पंचवटी
जयशंकर प्रसाद –	पुनर्मिलन
सूर्यकान्त त्रिपाठी ''निराला''	दान
सोहन लाल द्विवेदी –	उन्हें प्रणाम
हरिवंश राय बच्चन –	पथ की पहचान
नागार्जुन –	बादल को घिरते देखा
केदार नाथ अग्रवाल –	अच्छा होता, सितार–संगीत की रात

निर्धारित पाठ्य वस्तु – (संस्कृत)

वन्दना, सदाचारः, पुरूषोत्तमः, रामः, सिद्धिमन्त्रः, सुभाषितानि, परमहंस–रामकृष्णः, कृष्णः गोपाल नन्दनः

निर्धारित एकांकी –

दीपदान –	राम कुमार वर्मा
नये मेहमान –	उदय शंकर भट्ट
व्यवहार –	सेठ गोविन्द दास
लक्ष्मी का स्वागत –	उपेन्द्र नाथ ''अश्क''
सीमा रेखा –	विष्णु प्रभाकर

हाईस्कूल परीक्षा – कक्षा 9
विषय – प्रारम्भिक हिन्दी
(हिन्दी से छूट पाने वाले छात्रों के लिए)

प्रारम्भिक हिन्दी में 70 अंकों का केवल एक प्रश्नपत्र होगा– समय तीन घण्टे निर्धारित :–

1(क) – हिन्दी गद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय – 5
(भारतेन्दु युग और द्विवेदी युग)

(ख) हिन्दी के पद्य का विकास संक्षिप्त परिचय – 5
(आदिकाल, मध्यकाल (भक्तिकाल)

2– गद्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु से – 2+6+2=10
सन्दर्भ –
रेखांकित अंश का अर्थ –
तथ्यात्मक प्रश्न –
(पाठ – बात, मंत्र, गुरुनानक देव, गिल्लू, निष्ठामूर्ति कस्तूरबा)

3– काव्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु से – 2+8=10
सन्दर्भ –
अर्थ–
(पाठ–कबीरदास–साखी, मीराबाई–पदावली, रहीम–दोहा,
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र–प्रेम माधुरी, मैथलीशरण गुप्त–पंचवटी)

4– संस्कृत के गद्यांश अथवा पद्यांश का सन्दर्भ सहित अर्थ – 1+4=5

पाठ–1–सदाचारः, 2–पुरूषोत्तमः रामः, 3–सिद्धिमन्त्रः, 4– सुभाषितानि, 5–परमहंस–रामकृष्णः

5– निर्धारित लेखकों एवं कवियों के जीवन परिचय एवं रचना संबंधी 3+3=6
लघु उत्तरीय प्रश्न–

6– पाठ्य पुस्तक से कण्ठस्थ एक श्लोक (जो प्रश्नपत्र में न आया हो) 3

7– काव्य सौन्दर्य के तत्व–रस एवं अलंकार 2+2=4
क– रस–श्रृँगार एवं वीर रस (परिभाषा, उदाहरण, पहचान)
ख– अलंकार – यमक, अनुप्रास, श्लेष–परिभाषा, उदाहरण, पहचान)।

8– हिन्दी व्याकरण – 2+2+1+1+2+2=10
क– समास–द्वन्द्व, द्विगु (परिभाषा, उदाहरण पहचान)
ख– मुहावरे एवं लोकोक्तियों का अर्थ एवं वाक्य प्रयोग –
ग– पर्यायवाची शब्द
घ– विलोम शब्द
ड.– श्रुतिभिन्नार्थक शब्द –
च– वाक्यों के लिए एक शब्द का निर्माण

9– **संस्कृत व्याकरण –** 2+1+1+2=6
क– स्वर सन्धि – (दीर्घ, गुण सन्धि) परिभाषा, उदाहरण, पहचान)
ख– शब्द रूप – बालक, नदी, वधु
ग– धातुरूप – गम्, पठ्, भू, पा (लट, लोट, विधिलिड., लड., लृट लकार)
घ– हिन्दी के दो सरल वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद

10– **पत्रलेखन (प्रार्थना पत्र)** 6

आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक

<u>शैक्षणिक सत्र में प्रत्येक दो माह में –</u>

प्रथम– अगस्त माह में – 10 अंक – वाचन (वाद–विवाद,भाषण,विचाराभिव्यक्ति आदि)
द्वितीय– अक्टूबर माह में –10 अंक – (व्याकरण सम्बन्धी)
तृतीय–दिसम्बर माह मे–10 अंक–सृजनात्मक–(नाटक, कहानी, कविता, पत्र लेखन, आदि)

<u>अंक योग–30</u>

गुजराती

(कक्षा–9)

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न–पत्र तीन घंटे का होगा।

भाग–(अ) 35 अंक

1–व्याकरण **15**

(क) शब्द भेद की पहचान 05

(ख) शब्द का पर्याय एवं विपरीत अर्थ 05

(ग) सन्धि 05

2–रचना– 15

(अ) दिये हुए विषय पर एक वाक्य खण्ड का लेखन 10

या

दिये हुए बिन्दुओं से एक कहानी निरूपित करना

(ब) पत्र–लेखन (व्यक्तिगत) 05

3–अपठित गद्य खंड का ज्ञान

(विवरणात्मक और वर्णानात्मक) 05

भाग–(ब) 35 अंक

1–गद्य(पाठ्य पुस्तक पर आधारित लघु प्रश्न) 15

2–पद्य संदर्भ सहित 10

(व्याख्या तथा कविता का भाव

3–सहायक पुस्तक (स्वाध्ययन) 10

(सामान्य प्रकार के प्रश्न पूंछे जायेंगे)

निर्धारित पुस्तक

1–गुजराती वाचन माला स्टैन्डर्ड 9, 1992 संस्करण, प्रकाशक–गुजराती राज्यशाला पाठ्य–पुस्तक मण्डल, पुराना विधान सभा गृह, सेक्टर 17, गांधीनगर, गुजरात।

गद्य–निम्नांकित पाठ पढ़ने होंगे–

पाठ संख्याः–

2–कुण्डी–जी0 ब्रेकर

4–सुवर्मापूनों अतिथि–जी0 त्रिपाठी

6–आवा रे आमे आवा–बकुले त्रिवेदी

10–प्रिटोरिया जतन–गांधी जी

14–वचन–मणी लाल द्विवेदी

16–स्वर्ग अने पृथ्वी–स्नेही रश्मी

18–नाना भाई–दर्शक

22–अखा न उन्डन–आर बी0 देसाई

23–खातू दोषी–दिलीप रनपुरा

25–अविराम में युद्ध–धूमकेतु

पद्य–निम्नांकित पाठ पढ़ने होंगे–

1–प्रथम परनाम मोरा–आर0 बी0 पाठक

5–नानुन सरमुख गोकालियम–नारिन्हा मेहता

7–अटारिया– बाल मुकुन्द देव

9–बंशीवाला/आणों मारा देश–मीराबाई

15–बनो फोटोग्राफ–सुन्दरम्

19–यारी बाला–हरिन्द दूबे

31–दुही मुकतक हैकू–दलपत राम इत्यादि

सहायक पुस्तक (स्वाध्ययन)

4–आबू चाचा(गद्य)–माधव रामानुज

11–धुवांधार (गद्य)–काका कालेलकर

12–स्वतंत्रता(पद्य)–हशित बच

आन्तरिक मूल्यांकन – अंक 30

शैक्षणिक सत्र में प्रत्येक दो माह में – (अन्तिम सप्ताह में)

प्रथम– अगस्त माह में – अंक 10 – वाचन(वाद–विवाद,भाषण,विचाराभ्यिक्ति आदि)

द्वितीय– अक्टूबर माह में – अंक 10 – (व्याकरण सम्बन्धी)

तृतीय–दिसम्बर माह में–अंक 10–सृजनात्मक–(नाटक, कहानी, व्यक्ति पत्र लेखन, अपठित आदि)

हाईस्कूल 2012

कक्षा–9

विषय–उर्दू

उर्दू विषय में 70 अंक का लिखित प्रश्न पत्र होगा। तथा 30 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

उर्दू विषय में 70 अंक का एक प्रश्न–पत्र तीन घण्टे का होगा।

खण्ड (अ) पूर्णांक–35

1–व्याकरण और प्रयोग **9 अंक**

व्याकरण के केवल उसी तत्व पर बल दिया जायेगा जो भाषा के प्रयोगात्मक ज्ञान और उसके सम्भाषण एंव लेखन में प्रयोग हो। व्याकरण का अध्ययन एक विषय के रूप में अनिवार्य नही है परन्तु छात्रों को कक्षा में पाठों को पढ़ाते समय भाषा में व्याकरण के महत्व तथा उसके सही प्रयोग का ज्ञान साथ ही छात्रों को इसके अनुवाद तथा उसके संगठन का सही अध्ययन कराना चाहिए।

2– **पद्य** **9 अंक**

(ग़ज़ल, मसनवी, रूबाई)

3– **रचना**

(अ) निबन्ध लेखन (सामान्य रूचि के विषयों पर) **5 अंक**

(ब) पत्र लेखन (व्यक्तिगत और आवेदन पत्र 150 शब्दों तक।) **5 अंक**

4– अपठित ज्ञान (150 शब्द) **7 अंक**

खण्ड (ब) पूर्णांक–35

1– **गद्य**

(अ) उर्दू की नई किताब (नवीं जमाअत के लिए) प्रकाशक एन0सी0ई0आर0टी0, नई दिल्ली निर्धारित पुस्तक से निम्नांकित लेखकों तथा उनकी कृतियों का अध्ययन किया जाना हैः– **14 अंक**

(1) मीर अम्मन– सैर चौथे दरवेश की

(2) ग़ालिब (ख़ुतूत)–(1) मिर्ज़ा अलाउद्दीन अहमद ख़ान अलाई के नाम
(2) मीर महदी मजरूह के नाम
(3) मुंशी हरगोपाल तफ़्ता के नाम

(3) सर सैयद अहमद ख़ान–बहस–ओ तकरार

(4) मुहम्मद हुसैन आज़ाद (1) मिर्ज़ा मज़हर जाने जानॉ
(2) सैयद मुहम्मद मीर सोज़

(5) डिप्टी नज़ीर अहमद– फ़हमीदा और बड़ी बेटी नईमा की लड़ाई

(6) अलताफ़ हुसैन हाली– मिर्ज़ा ग़ालिब के हालात

(7) रतन नाथ सरशार– (1) मेहरी का सरापा

(2 रेल का सफ़र

(ब) निर्धारित गद्य पुस्तक के लेखकों की जीवनी तथा साहित्य में उनके योगदान के बारे में ज्ञान। **4 अंक**

2– **पद्य**

(अ) उर्दू की नई किताब (नवीं जमाअत के लिए) (प्रकाशक एन0सी0ई0आर0टी0 नई दिल्ली) निर्धारित पुस्तक से निम्नांकित कवियों एंव उनकी कृतियो का अध्ययन किया जाना हैः– **12 अंक**

ग़ज़लः–

1– वली दकिनी– आज दिस्ता है हाल कुछ का कुछ

2– सौदा –जो गुज़री मुझ पे मत उसे से कहो, हुआ से हुआ

3– मीर तक़ी मीर–(1) उल्टी हो गईं सब तदबीरें कुछ न दवा ने काम किया

(2) हस्ती अपनी हबाब की सी है

4– दर्द– (1) जी में है सैरे अदम कीजिएगा

(2) तू अपने दिल से ग़ैर की उलफ़त न खो सका

5– आतिश– बदन सा शहर नही दिल सा बादशाह नही

6– ज़ौक़– उसे हमने बहुत ढूढॅा न पाया

7– ग़ालिब–(1) यह न थी हमारी क़िस्मत कि विसाले यार होता

(2) हज़ारो ख़्वाहिशें ऐसी कि हर ख़्वाहिश पे दम निकले

8– मोमिन– वोह जो हममे तुममे क़रार था तुम्हें याद हो कि न याद हो

9– दाग़– ख़ातिर से या लिहाज़ से मै मान तो गया

मसनवी– मीर हसन

रूबाई– मीर अनीस व हाली

(ब) निर्धारित पद्य पुस्तक के कवियों की जीवनी तथा साहित्य में उनके योगदान के बारे में ज्ञान। **5 अंक**

निर्धारित पुस्तक

उर्दू की नई किताब (नवीं जमाअत के लिए)

प्रकाशक एन0सी0आर0टी0 नई दिल्ली

सहायक पुस्तक–उर्दू अदब की तारीख– लेखक अज़ीमुल हक़ जुनैदी प्रकाशक–एजुकेशन बुक हाउस, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी मार्केट अलीगढ़ 202002

पंजाबी

कक्षा–9

इसमें 70 अंकों का केवल एक प्रश्न–पत्र तीन घंटे का होगा।

भाग (एक) **पूर्णांक 35 अंक**

पद्य पाठ– 20 अंक

1–प्रसंग–अर्थ एवं भाव अर्थ

2–कविता का सारांश

3–किसी कवि से सम्बन्धित प्रश्न

गद्य पाठ– 15 अंक

1–कहानी, एकांकी, जीवनी, सफरनामा, निबन्ध

2–विषय वस्तु, प्रश्न

भाग (दो)

व्याकरण– 35 अंक

1–मुहावरे और लोकोक्तियां	03
2–शुद्ध–अशुद्ध	02
3–वाक दण्ड	03
4–समानार्थक शब्द	03
5–विलोम शब्द	02
6–विराम चिन्ह	02
7–अनुवाद–(क) हिन्दी से पंजाबी	04
(ख) पंजाबी से हिन्दी	04
8–निबन्ध प्रचलित विषयों पर	08
9–पत्र लेखन (व्यक्तिगत–पत्र, आवेदन–पत्र एवं प्रार्थना–पत्र)	04

निर्धारित पाठ्य–पुस्तकें–

1–गद्य–पद्य (भाग–एक)	गुरूवचन सिंह
2–कहानी (एकांकी)	हरिसरण कौर
3–पंजाबी व्याकरण लेख रचना	ज्ञानी लाल सिंह

बंगला

(कक्षा 9)

इस भाषा में 70 अंकों की लिखित परीक्षा होगी तथा 30 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

भाग''अ'' 35 अंक

व्याकरण–

(1) बंगला भाषा का स्पष्ट उच्चारण– स्वर एवं उसके प्रकार– 4 अंक

मुख्य शब्दों के भेद– 4 अंक

स्वर सन्धि– 4 अंक

समास(तत्पुरूष,द्वन्द्व और द्विगु)– 6 अंक

प्रत्यय,मुहावरे तथा लोकोक्ति– 5 अंक

सरल वाक्य परिवर्तन(स्वीकारात्मक,नकारात्मक प्रश्नवाचक,विधिसूचकवाक्य)– 5 अंक

(2) रचना

(1)– विभिन्न प्रकार के पत्र लेखन (औपचारिक तथा अनौपचारिक)– 4 अंक

(2)– विचारों का संक्षिप्तीकरण अथवा विस्तार– 3 अंक

भाग "ब" **35 अंक**

1– गद्य(विस्तृत अध्ययन)

(क) पठित खण्ड पर सामान्य प्रश्न– 5 अंक

(ख) दिये गये खण्ड की व्याख्या– 5 अंक

(ग) संक्षिप्त विवरण (उद्देश्य एवं लाक्षणिक और भाव के संदर्भ में)– 3 अंक

निर्धारित पुस्तकें– पाठ संकलन(गद्य भाग केवल)संस्करण सन् 1987 प्रकाशक बोर्ड आफ सेकेण्डरी एजूकेशन वेस्ट बंगाल कलकत्ता

निम्नलिखित पाठ पढ़ने होगें

(i) भरत और दुष्यन्त मिलन

(ii) पालमोर पथे

(iii) राज सिंह और मानिक लाल

(iv) विद्या सागर

(v) पल्ली समाज

(vi) अपुर कल्पना

(vii) यात्रा पथे

(viii)भारत वर्तमान और भविष्य,

(2) उपन्यास

अम अन्तीर भेपू– विभूतिभूषण बनर्जी ,बनर्जी प्रकाशन सिंगनेटा प्रेस पाप एक बालपुर कलकत्ता–23

(क) सामान्य प्रश्न– 5 अंक

व्याख्या– 5 अंक

संक्षिप्त विवरण– 2 अंक

जनसंख्या पर्यावरण स्वास्थ्य शिक्षा एवं ट्रैफिक रूल्स की जानकारी हेतु प्रश्न निबन्ध रूप में पूछे जायेगें।

(3) पद्य

(1) रामेर विलाप

(2) दिनादिन

(3) छात्र दलेर गान

(4) भोरई

(5) छात्र धारा

(6) नकसी कोथार माठ

(7) लोहार व्यथा

सार संक्षेप और प्रश्न– 5 अंक

व्याख्या– 3+2=5 अंक

तथा संक्षिप्त विवरण

निर्धारित पुस्तकें– पाठ संकलन(पद्य भाग केवल)–1987 संस्करण,बोर्ड आफ सेकेण्डरी एजूकेशन,पश्चिम बंगाल,कलकत्ता द्वारा प्रकाशित

कक्षा :–: 09

विषय :–: मराठी

केवल प्रश्नपत्र

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्नपत्र तीन घण्टे का होगा।

भाग–(अ) **35 अंक**

1– **व्याकरण–:** 15 अंक

(क) शब्द भेद का ज्ञान।

(ख) पर्यायवाची तथा विपरीतार्थक

2– **रचना–:** 15 अंक

(क) सामान्य विषयों पर पैराग्राफ लेखन

(ख) सामान्य विषयों पर पत्र लेखन

3– **अपठित गद्य खंड का ज्ञान–:** 05 अंक

भाग–(ब) **35 अंक**

1– गद्य–: 15 अंक

(क) पाठ्य–पुस्तक पर आधारित संक्षिप्त प्रश्न

(ख) व्याख्या

निर्धारित पुस्तके

कुमार भारती–1994

निम्नलिखित पाठों का अध्ययन करना होगा––:

	पाठ	लेखक का नाम
(2)	सेती साथी पानी	महात्मा फूले
(4)	कालेकेश	एन0एस0 फडके
(5)	एक अपूर्ण संध्या	एन0बी0गाडगिल
(6)	एक एकचावेद	पी0के0 अत्रे
(9)	निरवार	कुसुमावती देष पाण्डेय
(11)	कर्मवीररांच्या अठवानी	पी0जी0 पाटिल
(13)	मषी वेडमेनटेन्ची साधना	नन्दू नाटेकर
(14)	बंगाला	प्रकाश गोरे
(17)	सौर ऊर्जा	निरन्जन घाटे

2– **पद्य–:** 10 अंक

(क) सन्दर्भ व्याख्या

(ख) पद्य का भाव

पाठ्य पुस्तक

भारतीय (1994) में से निम्नलिखित कविताओं का अध्ययन करना है––:

	पाठ	कवि का नाम
1–	नमंदेवानची अभंगवानी	नामदेव
4–	तुकारामची अभंग	तुकाराम
5–	षक्ति गौरव	रामदास
8–	वात चक्र	केशव सूत
9–	निजाल्या तीन हावरी	बी0आर0 ताम्बे दत्ता
10–	प्रतिभाविहंग	

3– <u>लघु कहानियां–</u>: 10 अंक

(निर्धारित कहानी में से पांच लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर)

निम्नलिखित कहानी का अध्ययन करना है––

	<u>कहानी</u>	<u>कवि का नाम</u>
7–	जिस्यातिल जुन्जा	दामू धोत्रे
15–	धूने	आर0 आर0 बोराउ
16–	संतराची प्रति सरकार	कुमार केतकर

<u>निर्धारित पाठ्य–पुस्तक गद्य,पद्य और कहानियां</u>

कुमार भारती (कक्षा 9 के लिए) 1994 संस्करण

प्रकाशक– महाराष्ट्र स्टेट सेकेन्डरी एजूकेशन बोर्ड, पुणे।

असामी

कक्षा–9

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्नपत्र होगा तथा समयावधि तीन घंटे होगी।

भाग (अ) – 35 अंक

1– व्याकरण– **15 अंक**

क– मुख्य शब्द भेद

ख– वाक्य संरचना में प्रयुक्त अशुद्धियों को चिन्हित करना

ग– लोकोक्तियों एवं मुहावरों का प्रयोग

घ– विराम चिन्हों का प्रयोग

<u>2– रचना–</u> **20 अंक**

क– सामान्य विषयों पर निबन्ध लेखन **12 अंक**

ख– सामान्य विषयों पर पत्र लेखन **8 अंक**

<u>संदर्भ पुस्तक</u>

1– वहल व्याकरण–ले0सत्यनाथ वोरा, बरूआ एजेंसी गुवाहाटी 78100

2– असमियां भाषा बीदिका– ले0प्रियदास तालुकदार, प्रकाशक – एल0बी0एस0 प्रकाशन, अम्बारी गुवाहाटी– 78100

3– असमियां रचना विधि– ले0 प्रधानाचार्य गिरधर शर्मा, प्राप्ति स्थान, आसाम बुक डिपो गुवाहाटी

<u>भाग– (ब)–35 अंक</u>

<u>1–पद्य</u> **15 अंक**

क– निर्धारित खण्ड की व्याख्या **6 अंक**

ख– निर्धारित पुस्तक से सामान्य प्रश्न **9 अंक**

<u>गद्य एवं पद्य के लिए निर्धारित पुस्तक</u>

माध्यमिक साहित्य चयन प्रकाशक आसाम स्टेट टेक्स्ट बुक, प्रोडक्शन ऐन्ड पब्लिकेशन लिमिटेड गुवाहाटी 78002।

निम्नलिखित पद्य का अध्ययन करना होगा–

1– ककुती **2**– बाबाजुग **3**– मंगलारगीत **4**– जिकिट अख्जारी

2– गद्य **15 अंक**

1– पठित खण्ड की व्याख्या **6 अंक**

2– संक्षिप्त विवरण (निर्धारित पुस्तक से पौराणिक, ऐतिहासिक, लाक्षणिक तकनीकी या भावात्मक संदर्भ में।) **3 अंक**

3– पठित खण्ड से सामान्य प्रश्न **6 अंक**

निम्नलिखित गद्य पाठों का अध्ययन करना होगा–

1– भोकेन्द्र बरूआ

2– वैज्ञानिक दृष्टिभगी और जन संयोग

3– आसामारा जानाखातिर गढ़ानी और संस्कृति

4– गौरव

3– अविस्तृत अध्ययन– **5 अंक**

निर्धारित पुस्तकें

पारिजात हरन खौर चीरधरा, पिम्पारा गोछवां नट द्वारा संकलित श्री जोगेशदास (लायर्स बुक स्टोर, गुवाहाटी)। केवल पारिजान हरन द्वारा श्री शंकर देव का अध्ययन किया जाना है।

उड़िया

(कक्षा–9)

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न–पत्र तीन घंटे का होगा।

भाग–(अ) **35 अंक**

1– व्याकरण– 20 अंक

(क) उड़िया भाषा का स्पष्ट उच्चारण–स्वर और उसके वर्गीकरण।

(ख) मुख्य शब्द भेद, स्वर, सन्धि, समास (तत्पुरूष, द्वन्द्व, और द्विगु)कृदन्त

(ग) वाक्य परिवर्तन(स्वीकारात्मक,प्रश्नवाचक, नकारात्मक)।

2– रचना– 15 अंक

(क) पत्र लेखन(औपचारिक एव अनौपचारिक) 8 अंक

(ख) अपठित गद्य खण्ड का संक्षिप्त लेखन 7 अंक

भाग–(ब) **35 अंक**

1– गद्य (विस्तृत अध्ययन हेतु) 18 अंक

(क) पाठ्य पुस्तक पर सामान्य प्रश्न 10 अंक 10 अंक

(ख) निर्धारित पाठ्य से चुने हुए खण्डों की सहायता 4 अंक

(ग) संक्षिप्त विवरण (उद्देश्य लाक्षणिक,तकनीकी एवं भाव सन्दर्भ में) 4 अंक

निर्धारित पुस्तक–

साहित्य(1992 संस्करण)प्रकाशक–उड़ीसा बोर्ड आफ सेकेन्डरी एजूकेशन,उड़ीसा।

नोट– सभी पाठों का अध्ययन करना है।

2– संक्षिप्त कहानी और एकांकी (अविस्तृत अध्ययन हेतु) 6 अंक

त्रिधारा–1992 संस्करण, प्रकाशक–उड़ीसा बोर्ड आफ सेकेण्डरी एजूकेशन, उड़ीसा।

नोट–कक्षा–9 के लिए निर्धारित पुस्तक में विभाजित पाठों को पढ़ना होगा।

3– पद्य – 11 अंक

(क) निर्धारित पद्य पर सामान्यप्रश्न 6 अंक

(ख) व्याख्या 5 अंक

निर्धारित पुस्तक–

साहित्य (1992संस्करण) प्रकाशक–उड़ीसा बोर्ड आफ सेकेन्डरी एजूकेशन,उडीसा।

नोट– सभी पद्य का अध्ययन करना है।

कन्नड

कक्षा–9

इस विषय में 70 अंको का केवल एक प्रश्नपत्र तीन घन्टे का होगा।

भाग–अ **35 अंक**

1–व्याकरण– 17 अंक

(क) निर्धारित पुस्तक के आधार पर वाक्य परिवर्तन

(ख) विराम चिन्हों का संशोधन

(ग) पर्यायवाची तथा विपरीतार्थक

व्याकरण का औपचारिक ज्ञान देते समय व्याकरण के कार्यकारी प्रयोग पर विशेष बल दिया जाना चाहिए ताकि छात्रों में भाषा व्याकरण की उपयोगिता का ज्ञान हो सके तथा भाषीय चातुर्य को बढ़ावा मिल सके।

2– रचना–

(क) व्यावहारिक एवं दैनिक जीवन एवं व्यावहारिक अनुभवों से सम्बन्धित टापिक पर पैराग्राफ लेखन 4 अंक

(ख) पत्र लेखन (व्यक्तिगत,व्यापारिक तथा कार्यालयीय सम्बन्ध में दैनिक जीवन के सन्दर्भ में) (15 पंक्ति से अधिक न हो)। 5 अंक

3– संक्षिप्त लेखन 5 अंक

4– लोकोक्तियां एवं मुहावरे 4 अंक

भाग–ब **35 अंक**

निर्धारित पुस्तक–

कन्नडभारतीय–9,प्रकाशक–राव कर्नाटक पब्लिकेशन,पो0ओ0 बाक्स 5159 बंगलोर–1

(अ) गद्य (विस्तृत अध्ययन) 14 अंक

निम्नलिखित पाठ पढना होगा–

(1) पाण्डुमलमाली

(2) श्री कृष्ण साधना

(3) आईस्टीन चित्र गलु

(4) मागू कालीसिदा पाठा

(5) कोडइया विचार

(6) बूट पालिश

(7) बन्दुरीना हवलादा डन्डेगलू

(8) बेली युवा श्री मोलाकेयाली

(9) माया

(10) मरियाला गादा साम्राज्य

(11) वन्या जीबोगालू भट्टू परिसारा

(12) महारात्रि

(13) पंजारा पारोक्शी

(14) गम्भीरे

(ब) पद्य–

निम्नलिखित पाठों का अध्ययन किया जाना होगा– 14 अंक

(1) हचेबू कन्नडद दीपा

(2) चुटुकागल

(3) नन्नाहाडू

(4) बोडो बह्मे

(5) काला

(6) नन्ना हा अगेय

(7) बचन गालू

(8) डेन्कू बलाडा नायकारे

(9) बीसतु सुखस्प्रू सत्वम्

(10) नूनाखरावलेख

(स) अविस्तृत के अध्ययन– 7 अंक

श्री शंकराचायारू–प्रकाशक,नेशनल बुक ट्रस्ट,ग्रीन पार्क,नई दिल्ली

निम्न अध्याय का अध्ययन किया जाना है–

(1) जनाना माटूटू बलया

(2) कलातियन्डा काशीगे

(3) विजयायात्रे

कक्षा :–: 09

विषय :–: कश्मीरी

केवल प्रश्न-पत्र

इस विशय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्नपत्र तीन घण्टे का होगा।

भाग– (अ) **35 अंक**

1– व्याकरण –:

निम्नलिखित का अध्ययन किया जाना है :– 5+5+5+3+2=20 अंक

(1) वचन

(2) लिंग

(3) समानार्थक एवं विपरीतार्थक

(4) पाठ्य पुस्तक में वर्णित शब्दों का प्रयोग

(5) काल

2– पैराग्राफ लेखन –: 10 अंक

दिये हुये तीन विषयों पर 50 शब्दों का पैराग्राफ लेखन :–

3– लिपि एवं वर्तनी –: 05 अंक

दिये हुये लगभग 30 शब्दों के पाठ्यांश में उल्लिखित विशिष्ट चिन्हों वाले शब्दों तथा वर्तनी को शुद्ध करना–:

भाग–(ब) **35 अंक**

1– गद्य–: **20 अंक**

निम्नलिखित पाठ पढ़ने होंगे –:

(1) काशीर
(2) काशीर–जुबान व अदब
(3) बादशाह
(4) काशीर तालमी

निम्न प्रकार से प्रश्न पूँछे जाये –:

(क) पाठ्य पुस्तक से दिये गये पाठ्यांश का अंग्रेजी/उर्दू/हिन्दी में अनुवाद 05 अंक
(ख) गद्य पाठ का संक्षिप्तीकरण 05 अंक
(ग) पाठ्य पुस्तक से प्रश्न 10 अंक

2– पद्य–: 15 अंक

निम्नलिखित पद्यों का अध्ययन किया जाय–:

(1) बख–त–सुरकी
(2) पम्पेरीनामा
(3) बाहर आओ
(4) काशीर जुबान
(5) इसान कम
(6) रूबाई (जी0आर0नजस्की)

निम्न प्रकार से प्रश्न पूँछे जायेगे–:

(अ) दिये गये पाद्यांश को गद्यांश में बदलना। 10 अंक
(ब) पद्य का संक्षिप्तीकरण 05 अंक

निर्धारित पाठ्य पुस्तक–:

(1) कशूर निषाद (कक्षा–09 तथा 10 के लिये)
प्रकाशक–जे ऐण्ड के स्टेट बोर्ड ऑफ हाईस्कूल एण्ड इण्टरमीडिएट बोर्ड

सिन्धी

(कक्षा 9)

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न–पत्र तीन घंटे का होगा।

भाग (अ) **35 अंक**

(1) व्याकरण **12 अंक**

(क) काल और उसके प्रकार **04 अंक**
(ख) वचन **04 अंक**
(ग) लिंग **04 अंक**

(2) कहावतें एवं मुहावरे **3+3=06 अंक**

(3) **निबन्ध–** निम्नलिखित विषयों में से 200 शब्दों तक एक निबन्ध **10 अंक**

(1) राष्ट्रीय पर्व

(2) सिन्धी त्योहार

(3) सिन्धी महापुरूष

(4) सिन्धी साहित्यकार

(4) **पत्रलेखन–** **07 अंक**

दैनिक जीवन पर आधारित 10 से 15 पंक्तियों का एक पत्र

भाग (ब) **35 अंक**

(1) **गद्य** **13 अंक**

(क) निर्धारित पाठयपुस्तक के निर्धारित पाठों में से एक प्रश्न **05 अंक**

(ख) निर्धारित पाठ्यपुस्तक के निर्धारित पाठों में से एक गद्यांश का प्रसंग संदर्भ, साहित्यिक सौन्दर्य सहित व्याख्या। **1+1+2+4=08 अंक**

(2) **पद्य–** **13 अंक**

(क) निर्धारित पाठयपुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित दो या तीन प्रश्न **06 अंक**

(ख) निर्धारित पाठ्यपुस्तक के निर्धारित पाठों में से एक पद्यांश का संदर्भ काव्यगत सौन्दर्य सहित व्याख्या। **1+2+4=07 अंक**

(1) **आत्मकथा–** **4+5=09 अंक**

आत्मकथा की विशेषता तथा उसके तत्व, तत्व तथा घटनायें,चरित्र चित्रण भाषा तथा आत्मकथा की दृष्टि से समीक्षा व सारांश पर आधारित एक प्रश्न एवं पॉच लघु उत्तरीय प्रश्न।

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें–

(1) व्याकरण, कहावतें, पदबन्ध, मुहावरे, निबन्ध तथा पत्र लेखन के लिए

मथ्यो सिन्धी व्याकरण (देवनागरी) ले0 दयाराम बंसणमल मीरचन्दानी, प्रकाशक सिन्धू ब्रह्मू शिक्षा सम्मेलन एवं देवनागरी सिन्धी सभा, मुम्बई।

प्राप्ति स्थान– (1) कमला हाईस्कूल–खार–मुम्बई–400052

(2) हिन्दुस्तान किताबघर–19–21 हमाम स्ट्रीट, मुम्बई

मथ्यो सिन्धी व्याकरण पुस्तक से फहाका 1 से 20 तक इस्तलाह एक से 20 तक तथा अदबीगुलदस्तों के पाठों के अन्त में अभ्यास के लिए दिए अंशों का अध्ययन भी किया जाना होगा।

(2) सहायक पुस्तक– संदर्भ के लिए–

सिन्धी भाषा (व्याकरण एवं प्रयोग) लेखन, प्रकाशक,विक्रेता– डा0 मुरलीघर जैतली, डी0 127 विवेक विहार, नई दिल्ली–95

(3) गद्य एवं पद्य के लिए–

अदवी गुलदस्तो–लेखक डा0 कन्हैया लाल लेखवाणी।

प्रकाशक एवं विक्रेता–निदेशक, भारतीय भाषा संस्थान मानस गंगोत्री, विनोवा रोड़, मैसूर।

''अदवी गुलदस्तो'' के गद्य भाग में 1 से 10 तक के पाठ एवं पद्य भाग 1 से 5 तक के पाठों का अध्ययन किया जाना होगा।

(4) आत्मकथा के लिए–

साधु हीरानन्द (देवनागरी)।

प्राप्ति स्थान– कमला हाईस्कूल, खार, मुम्बई–400052

तमिल

कक्षा 9 के लिए

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्नपत्र तीन घंटे का होगा।

खण्ड–अ **35 अंक**

(1) व्याकरण **15 अंक**

निम्नलिखित क्षेत्रों के पहचान हेतु प्रारम्भिक ज्ञान–

(i) EZHUTHU,Mathal and saarbu,Chattu and Vinnaamaatirai,Ezhuthu poli

(ii)PADAM, pabupadam, Pahaappadam and pabupede Urruppuhal Iyarsol, Tririsol and Tisaichol.

(iii)PUNARCHI, Vetrumai and Alvazhi punsrehi, Chattu and vina punarchi, Achsara, Punarchi and Kutriyaluhare, Pumarchi

(2) मुहावरें तथा लोकोक्तियॉ– **05 अंक**

परिभाषा एवं प्रयोग–––

(निम्नलिखित पुस्तक के पृष्ठ 135 और 154 तक में उल्लिखित मुहावरों का अध्ययन किया जाना है)

उपर्युक्त क्रम 1 और 2 हेतु सन्दर्भ पुस्तक–

तमिल इलाक्कानाम TAMIL **(Ilakkanam)** कक्षा–9 के लिए (संशोधित संस्करण 1992) प्रकाशक, तमिलनाडु Text Book सोसाइटी, मद्रास–6

(3) रचना– **10 अंक**

निबन्ध लेखन–दिए हुए बिन्दुओं पर (लगभग 100 शब्दों में)

या

दिए हुए विषय पर स्वतन्त्र रचना

(4) अपठित गद्य खण्ड का ज्ञान **05 अंक**

खण्ड (ब) **35 अंक**

(5) पद्य **15 अंक**

तमिल टेक्स्ट बुक– कक्षा–9 के लिए (1994 संस्करण) प्रकाशक–तमिलनाडू टेक्स्ट बुक सोसाइटी, मद्रास–6

निम्नलिखित पद्य पढ़ना है–

Sec I- Irai Vaszhthu

Sec II- 1. Thirnkkural

2. Pazhamozhi

Sec III- 1. Silppathika aram

Sec VI- Marumalarchi Paadalgal

(6) गद्य– **10 अंक**

तमिल Text Book– कक्षा–9 के लिए (गद्य भाग) (1994 संस्करण) प्रकाशक–तमिलनाडू टेक्स्ट बुक सोसाइटी, मद्रास–6

(पाठ 1 से 7 तक केवल पढ़ना है)

(7) <u>अविस्तृत अध्ययन–</u> **10 अंक**

Thiru VI-KA, Yuzhuum Theudum (1994 संस्करण) ले0 शक्ति वासन सुब्रमणियम प्रकाशक मेसर्स पारोनिलयस,184 ब्राडवे, मद्रास–60000

(पाठ 1 से 10 पाठ कक्षा–9 में अध्ययन करना है)

पुस्तक की विषय वस्तु से प्रश्न पूछे जायेंगें–

(1) निबन्धात्मक **06 अंक**

(2) दो लघुस्तरीय **2+2= 04 अंक**

तेलुगू

कक्षा–9

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्नपत्र होगा तथा समयावधि तीन घंटे होगी।

भाग (अ) – 35 अंक

1– व्याकरण– **18 अंक**

निम्नलिखित का विस्तृत अध्ययन–

क– समसकृता सनघुलू स्वर्ण दीर्घ, सन्धि–गुंण–सन्धि, वृद्धि सन्धि, यनादेशा सन्धि **6 अंक**

ख– तेलुगू संघुलू अकारा, उकारा संघुलू **4 अंक**

ग– Nannar Dhaiu:Pakritivikriti,Vyutpatyardhaltu, Earyayapagalu. **8 अंक**

2– लोकोक्ति और मुहावरे और उनका प्रयोग (अत्यधिक प्रचलित) **6 अंक**

3– अपठित गद्य खण्ड (लगभग 100 शब्द) का ज्ञान **6 अंक**

4– निबन्ध पैराग्राफ लेखन– 100 शब्द **5 अंक**

भाग (ब)

1–गद्य **15 अंक**

तेलुगू वाचाकामू (Telugu Vachakammu) (कक्षा–9) प्रकाशक आन्ध्र प्रदेश सरकार (नया संस्करण 1987) निम्नलिखित का अध्ययन करना होगा।

1– स्वभाषा 2– सोभानाद्री 3– शकुना पारीपानानाम

4– समसकृति 5– गुरूदेयडडू रवीन्द्रूडू

6– जनपद गयाकुलू 7– देवालपालू 8– इवारू गोप्पा

2– पद्य **10 अंक**

व तेलगू वाचकामू (The Telugu Vachakammu) (कक्षा–9) प्रकाशक आन्ध्र प्रदेश सरकार (नया संस्करण 1987) निम्नलिखित पाठों का अध्ययन करना होगा।

1–राजाधर्माम 2– पार्वतीतपासू 3– भाष्करा

4–इन्दी व्यारक्ससूती वृतान्तम् 5– शिवाजी सौसाल्यामू

6–वृद्ध देवूनी पुनराहवानामू 7– समुद्र मन्थानाम्र।

3– अविस्तृत अध्ययन हेतु– **10 अंक**

तेलुगू उपवाचकामू (Telugu Upvachakammu) (कक्षा–9) आन्ध्र केशरी आन्ध्र प्रदेश सरकार (नया संस्करण 1987) दो निबन्धात्मक प्रश्न पाठ्य पुस्तक से पूंछे जायेंगे।

कक्षा :–: 09

विषय :–: मलयालम

केवल प्रश्नपत्र

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्नपत्र तीन घण्टे का होगा।

भाग– (अ) **35 अंक**

1– **व्याकरण** –: 15 अंक

(1) कतृवाच्य और कर्मवाच्य परिवर्तन

(2) वाक्य संशोधन

(3) शब्द अध्ययन

(4) विपरीतार्थक एंव पर्यायवाची शब्द

व्याकरण का औपचारिक ज्ञान देते समय व्याकरण के कार्यकारी प्रयोग पर विशेष बल दिया जाना चाहिए ताकि छात्रों में भाषा व्याकरण की उपयोगिता का ज्ञान हो सके तथा भाषा की चातुर्य को बढ़ावा मिल सके।

2– **रचना–:** 20 अंक

(क) मुहावरे तथा लोकोक्तियॉ 04 अंक

(ख) पत्र लेखन 05 अंक

(दैनिक जीवन से सम्बन्धित व्यक्तिगत् तथा कार्यालयी प्रकरणों पर)

(ग) पैराग्राफ राइटिंग (दैनिक जीवन से सम्बन्धित) 07 अंक

(घ) सार लेखन 04 अंक

भाग– (ब) **35 अंक**

1– **गद्य** –: 13 अंक

केरला पाठावली – वाल्यूम संख्या (09) 1992 संस्करण (केवल गद्य भाग)

प्रकाशक – शिक्षा विभाग, केरल सरकार, त्रिवेन्द्रम।

निम्नांकित पॉच पाठों का अध्ययन करना–––:

(1) मथरू देवो भव

(2) पाटाचोनची चोरू

(3) इका लोकम

(4) यशुदेवन

(5) स्वातिपुत सम्निधीइल

2– **पद्य** –: 13 अंक

केरला पाठावली – वाल्यूम संख्या (09) 1992 संस्करण (केवल पद्य भाग)

प्रकाशक – शिक्षा विभाग, केरल सरकार, त्रिवेन्द्रम।

निम्नांकित पॉच पद्यों का अध्ययन किया जाना है–––:

(1) काव्यनार्णाकी

(2) शिष्यानम मकनम

(3) अवानीपघम

(4) अपहस्थान्या सुयोधनम्

(5) वालूथवानम

3– अविस्तृत अध्ययन हेतु (संक्षिप्त कहॉनियों का संकलन)–: 09 अंक

:––: निर्धारित पुस्तक :––:

उर्मिला (1987 संस्करण)

प्रकाशक–शिक्षा विभाग, केरल सरकार, त्रिवेन्द्रम।

नैपाली

कक्षा–9

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न पत्र तीन घण्टे का होगा।

भाग–(अ) 35 अंक

1– व्याकरण – 14 अंक

(क) शब्द उच्चारण और ध्वनि के अनुरूप परिवर्तन (स्वर, लय आदि)

(ख) शब्द भेद (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया और अव्यय)

(ग) सरल वाक्यों की रचना

2– संदर्भ पुस्तक–

सरल नैपाली व्याकरण– ले0 राजनारायण प्रधान और जगत, क्षेत्रीय प्रकाशक श्याम ब्रदर्स ,चौक बाजार, दार्जिलिंग

(2) अपठित गद्यांश का ज्ञान जो खेल कूद, सामाजिक घटनाओं और पारिवारिक वातावरण पर आधारित होंगे। 07 अंक

3– रचना–

(क) पत्र लेखन– 07 अंक

(1) मित्र /संबंधी को पारिवारिक विषय पर ।

(2) अवकाश प्रार्थना पत्र, शुल्क मुक्ति प्रार्थना पत्र तथा निर्धन छात्रवृत्ति के संबंध में

(ख) निबन्ध लेखन– 07 अंक

सामाजिक समस्यायें, खेल–कूद, पारिवारिक वातावरण, राष्ट्रीय एकता, नैतिकता और पारिस्थितिक आदि के संदर्भ में ।

भाग– ब

1– गद्य – 14 अंक

नैपाली साहित्य, सौरभ– प्रकाशक शिक्षा निदेशालय, पाठ्य पुस्तक अनुभाग, सिक्किम, गंगटोक

अध्ययन के लिये पाठः–

निम्नलिखित पाठ का अध्ययन किया जाना हैः–

1– अभागी – गुरूप्रसाद मैनाली

2– दीबी चश्मा– बी0पी0 कोइराला

3– फ्रान्टियर – शिव कुमार राय

4– चिटठी – बद्रीनाथ भट्ट राई

5– म्यांगा कोचिहान – लेनसिंग बंगडेल

6– चामू थापा – भीम निधि तिवारी

2– पद्य – 12 अंक

नैपाली साहित्य, सौरभ– प्रकाशक शिक्षा निदेशालय, पाठ्य पुस्तक अनुभाग, सिक्किम गंगटोक

निम्नलिखित पाठों का अध्ययन किया जाना :–

1– बसन्त कोकिल– लेंखनाथ पौडियाल
2– सदीक्षा – धरनीधर शर्मा
3– कर्मा – बालकृष्ण साय
4– औहेवर्षा – माधव प्रसाद घिमसी
5– योजिन्दगी खोके जिन्दगी– कौतुवाल
6– कटाई योसिर झुकच्छा भाने – सोहन ठाकुरी

3– रैपिड रीडिंग – 09 अंक

कथा बिम्ब – प्रकाशन शिक्षा निदेशालय गंगटोक (सिक्किम)

निम्नलिखित पाठों का अध्ययन किया जाना है :–

1– निर्णय– पूर्णाराय
2– जादूगर – एनटोली फान्स
3– जीवन यात्राया– एम0एन0 गुरूग
4– नूरआलम – शिवकुमार राय

नोट– निर्धारित पाठ्य पुस्तक के लघुस्तरीय एवं निबन्धात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।

CLASS-IX

ENGLISH- 2012 हेतु

इसमें एक प्रश्न पत्र 70 अंकों का तथा समय 03 घन्टे होगा। प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यांकन हेतु 30 अंक निर्धारित जिसका आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर होगा।

अंग्रेजी विषय की पाठ्य वस्तु निम्नवत निर्धारित है :-

1. <u>Prose-</u> **16 marks**

1. Tom Sawyer	by-Mark Twain(Adapted)
2. Macro Polo	by-Nir Najabat Ali (Adapted)
3. Playing The Game	by-Arthur Mee(Adapted)
4. Golden Bowl	from- Jataktales
5. Plants also Breathe and Feel	by-Sir J.C.Bose(Adapted)
6. The Rules Of The Road	

2. <u>Poetry-</u> **07 marks**

1. The Mountain and The Squirrel	by-R.W.Emerson
2. Sympathy	by-Charles Mackay
3. Faithful Friends	by-William Shakespeare
4. Indian Weavers	by-Sarojini Naidu
5. I vow to thee, My country	by-Sir Cecil Spring Rice

3. Supplementary Reader- **12 marks**

1. Gandhi Ji And a Coffee Drinker. by-C. Ramchandran
2. The Swan and the Princes. (A Play)
3. Letter to the Children of India. by- Chacha Nehru
4. On a Winter`s Night by- Based on Munshi Prem Chand`s Story (Poos Ki Raat)

Grammar, Translation and Composition

Introduction

I English Grammar- **15 marks**

1.Parts of Sentence.
2.The Sentence Type.
3.The verb.
4.Primary auxiliaries.(Be,Have,Do).
5.Modal auxiliaries.
6. negative Sentence.
7. Interrogative Sentence.
8. Tense: Form and Use.
9. The Passive Voice.
10. The Parts of Speech.
11.Indirect or Reported Speech.
12. Word Formation.
13.Punctuation and Spelling.

II Translation: (From Hindi to English) **04 marks**

III (A) **Composition**: **06 marks**

(a) Long Composition .
(b) Controlled Composition.

(B) Letter Writing/Application Writing. **04 marks**

(C) Comprehension (Unseen). **06 marks**

Appendices

1. Words often Confused.
2. Synonyms and Antonyms.
3. Cries of Birds and Animals.
4. Glossary.

विषय–संस्कृत

कक्षा–IX

एक प्रश्न-पत्र 70 अंको तथा समय 3 घण्टे होगा।

इस विषय में 70 अंकों की लिखित परीक्षा होगी तथा 30 अंको का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर प्रश्न पत्र में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का भी उल्लेख होगा तथा उसके उत्तर के रूप में तीन या चार उत्तर प्रश्नपत्र में अंकित होंगे। उनमें से एक शुद्ध उत्तर होगा। उसका उल्लेख पुस्तिका में छात्र को अंकित करना होगा तथा उनका अंक विभाजन निम्नवत् होगा–

1–आशुपाठ	1 अंक
2–सन्धि	1 अंक
3–शब्दरूप	1 अंक
4–धातुरूप	1 अंक
5–समास	1 अंक
6–कारक	1 अंक
7–उपसर्ग का सामान्य परिचय	1 अंक
	योग– 7 अंक
खण्ड 'क' (गद्य, पद्य तथा आशुपाठ)–	35 अंक

गद्य

1–गद्य का हिन्दी में ससन्दर्भ अनुवाद	2+5=7 अंक
2–पाठ सारांश	4 अंक

पद्य

1–पद्यांश की सन्दर्भ सहित हिन्दी में व्याख्या	2+5=7 अंक
2–सूक्तियों की व्याख्या	1+2=3 अंक
3– श्लोक का संस्कृत में अर्थ	5 अंक

आशुपाठ–

1–पात्रों का चरित्र–चित्रण (हिन्दी में)	4 अंक
2–लघु उत्तरीय प्रश्न (संस्कृत में)	5 अंक

खण्ड 'ख' (व्याकरण, अनुवाद, रचना) 35 अंक

व्याकरण–

1–माहेश्वर सूत्रों के आधार पर स्वर एवं व्यंजन का सामान्य ज्ञान तथा स्वर, ,व्यंजन एवं विसर्ग संधियों का सामान्य परिचय। 4 अंक

2–शब्द रूप 3 अंक

पुल्लिङ्ग –राम, हरि, गुरू।

स्त्रीलिङ्ग–रमा, मति, वाच्।

नपुंसकलिङ्ग –सर्व, तद युष्मद अस्मद्।

1 से 10 तक के संख्या शब्दों का ज्ञान।

3–धातुरूप–(लट्, लृट, लोट्, लड्, तथा विधिलिङ्, लकारो में)– 3 अंक

1–परस्मैपद–पठ्, गम्, अस्, शक्, प्रच्छ्।

2–आत्मनेपद–लभ्

3–उभयपद–याच्, ग्रह, कथ्।

4–समास–समास की सामान्य परिभाषा एवं विग्रह सहित उदाहरण– 3 अंक
तत्पुरूष, द्वन्द्व, कर्मधारय।
5–कारक–समस्त कारकों एवं विभक्तियों का सामान्य परिचय। 3 अंक
6–उपसर्ग का सामान्य परिचय 2 अंक
अनुवाद– 8 अंक
हिन्दी वाक्यों का संस्कृत मे अनुवाद
रचना–
1–पत्र लेखन 5 अंक
2–संस्कृत शब्दों का संस्कृत वाक्यों में प्रयोग 4 अंक

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें

निम्नलिखित पाठ्य–पुस्तकों के सम्मुख अंकित पाठ्यवस्तु (माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा निर्धारित अंश का अध्ययन करना होगा)–

संस्कृत गद्य भारती

संस्कृत गद्य साहित्य का विकास
1–माङ्गलिकम्
2–अस्मांक राष्ट्रियप्रतीकानि
3–आदिकविः बाल्मीकिः
4–राष्ट्रपिता महात्मा गांधी
5–गुणाढ्यवृत्तान्तः
6–श्रम एव विजयते
7–गणतन्त्रदिवसः
8–बन्धुत्वस्य सन्देष्टा रविदासः
9–आजादः चन्द्रशेखरः
10–भारतवर्षम्
11–परमवीरः अब्दुलहमीदः
12–प्राचीना भारतीयशिक्षाव्यवस्था
13–महात्मा बुद्धः
14–पुण्यसलिला गङ्गा
15–पर्यावरण शुद्धिः
16–अन्तरिक्षं विज्ञानम्

संस्कृत पद्य पीयूषम्

1–मङ्गलाचरणम्
2–रामस्य पितृभक्ति
3–सुभाषितानि
4–दीनबन्धुर्गान्धी
5–अन्योक्ति–मौक्तिकानि
6–कपिलोपारव्यानम्
7–भारतदेशः
8–नारी–महिमा
9–पण्डितमूढयोर्लक्षणम्
10–क्रियाकारक कुतूहलम्
11–नीति नवनीतम्
12–यक्ष युधिष्ठिर संलापः
13–आरोग्य साधनानि

परिशिष्ट (टिप्पणी एवं पाठ सारांश)

कथा नाटक कौमुदी

1–गार्गी याज्ञवल्क्यसंवादः

2–वत्सराजनिग्रहः

3–न गङ्गदत्तः पुनरेति कूपम्

4–शकुन्तलायाः पतिगृहगमनम्

5–क्षीयते खलसंसर्गात्

6–श्रम एव विजयते

7–जडभारतः

8–भीमसेन प्रतिज्ञा

9–प्राचीनाः पञ्चवैज्ञानिकाः

10–त्याग एव परोधर्मः

11–बुद्धिर्यस्य बलं तस्य

12–यज्ञरक्षा

13–विद्यादानम्

14–षड्रिपुविजयः

संस्कृत व्याकरण–

1–क–माहेश्वर सूत्र एवं वर्णो का उच्चारण स्थान

ख–सन्धि–स्वर, व्यंजन, विसर्ग सन्धियों का परिचय।

2–समास–

तत्पुरूष कर्मधारय, द्वन्द्व।

3–कारक एवं विभक्ति

4–अनुवाद

1–सामान्य नियमों सहित अभ्यास

2–कारक एवं विभक्ति ज्ञान

3–अनुवाद अभ्यास

5–अव्यय

6–उपसर्ग

7–शब्दरूप

संज्ञा, सर्वनाम तथा संख्यावाचक शब्दों के तीनों लिगों में रूप

8–धातु रूप

परस्मैपद, आत्मनेपद, तथा उभयपद में धातुओं के रूप।

9–संस्कृत पदों का वाक्यों में प्रयोग

10–संस्कृत वाक्य शुद्धि

11–संस्कृत में आवेदन पत्र तथा निमन्त्रण पत्र।

पालि

कक्षा–9

इस विषय में 70 अंको का केवल एक प्रश्न–पत्र तीन घंटे का होगा।

1– गद्य–पालि–जातकावलि पाठ 1 से 7 तक 15

(क) दो अवतरणों में से किसी एक अवतरण का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद। 2+8=10

(ख) किन्ही दो जातकों में से किसी एक जातक की कथा हिन्दी अथवा अंग्रेजी में। 05

2– पद्य–धम्मपद–यमक बग्गों से बाल बग्गों तक (पाठ 1 से 5 तक)– 15

(क) दो गाथाओं में से किसी एक गाथा का हिन्दी अनुवाद 05

(ख) दो बग्गों में से किसी एक बग्गों का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में सारांश 05

(ग) धम्मपद के पाठ 1 से 5 के अन्तवर्ती गाथा का उल्लेख 05

3– अपठित–गद्य– निर्धारित पाठ (सोलामिसस जातक, जम्मसारक जातक, उच्छङ जातक) 05

4– सहायक पुस्तक वोधिचर्या विधि– 10

परित्राण परिच्छेद से आवाहन, महामंगल सुख, महामंगल गाथा

(किसी एक गाथा की हिन्दी व्याख्या अथवा पूजा विधि का वर्णन)

5– व्याकरण 3+2+5+5 15

(क) शब्द रूप–पुलिंग= बुद्ध पिक

स्त्री लिंग–लता, रति

नुपुंसक लिंग–फल अट्ठि

(ख) धातु रूप–वर्तमान काल

पठ,गम, चुर, रूध सक, हिंस के रूप

(ग) संधि– स्वर संधि

सरोलोपी सरे, परोक्वचि, जव्देव, यव सरे,ए ओ न

(घ) समास

तत्पुरूष एवं बहुब्रीहि का सामान्य परिभाषा तथा उदाहरण

6– अनुवाद– 05

हिन्दी के पांच वाक्यों का वर्तमान कालिक क्रिया में अनुवाद अथवा

निबन्ध–

पालि भाषा में पांच वाक्य लिखना।

चगवा, बुद्धों, धम्मपद, मभविज्जालयों, जम्बू दीपों, सारनाथ चत्तारि अरिब–सच्चानि।

7– पालि साहित्य के इतिहास का संक्षिप्त परिचय 05

प्रथम संगीत, सुतपिटक–दीघ निकाय, मन्झिम निकायं, संयुक्त निकाय, अंगुत्तर निकाय खुद्दक निकाय।

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें

(क) पालिजातका बलि–	पं0 बटुक नाथ शर्मा
	प्रकाशक–मास्टर खेलाड़ी लाल एण्ड सन्स, वाराणसी।
(2) पद्य–धम्मपद–	सम्पादित–भिक्षु धर्म रक्षित,
	प्रकाशक–महाबोधि सभा, सारनाथ, वाराणसी।
(3) बोधचर्या विधि–	सम्पादक–भिक्षु धर्म रक्षित,
	महाबोधि सभा, वाराणसी।

(4) व्याकरण–

(।) पालि प्रबोधि– अद्यादत्त ठाकुर एम0ए0–प्रकाशक–पुस्तक माला, लखनऊ।

(।।) मैनुअल आफ पालि– सी0सी0जोशी, एम0ए0
ओरियन्टल बुक एजेन्सी, पूना।

(।।।) पालि महा व्याकरण– भिक्षु जगदीश कश्यप, एम0ए0
प्रकाशक–महाबोधि सभा, सारनाथ, वाराणसी।

(।V) पालि व्याकरण एवं पालि साहित्य का इतिहास– ले0राज किशोर सिंह,
प्रकाशक–विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।

अरबी

कक्षा–9

इस विषय में 70 अंक का लिखित प्रश्नपत्र होगा। तथा 30 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

इस विषय में 70 अंकों का एक प्रश्नपत्र तीन घंटे का होगा।

खण्ड (अ) 35 अंक

व्याकरण– **10–अंक**

क– 1– आसान जुमलों की बनावट (मुब्तेदा और खबर)
2– इस्म की बनावट और उसके अकसाम
3– फेल माजी की तारीफ और उसके अकसाम
4– मोरक्कब जारी (जार और मजरूर)
5– मोरक्कब इशारी (इस्मे इसारा और मशारून अलैह)
6– इस्में फाइल और इस्मेमफउल की बनावट
7– मुरक्कब तौसीफी (सिफत और मौसूफ)
8– मुरक्कबइज़ाफ़ी (मुज़ाफ़ और मुज़ाफ़ अलैह)

ख– अल्फाज के मानी और उनका इस्तेमाल **5–अंक**

2– क– अरबी के साधारण वाक्यों का अंग्रेजी अथवा उर्दू अथवा हिन्दी में अनुवाद– **5–अंक**

ख– अंग्रेजी अथवा उर्दू अथवा हिन्दी के साधारण वाक्यों का अरबी में अनुवाद– **5–अंक**

3– आसान अरबी जुमलों का इस्तेमाल

जनसंख्या, पर्यावरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, तथा ट्रैफिक रूल्स की जानकारी हेतु सवालात मजमून की शक्ल में पूँछे जायेंगे। – **10–अंक**

(खण्ड–ब) 35 अंक

1– गद्य **25–अंक**

अलकिरात उर रशीदह भाग–1, लेखक– अब्दुलफत्ताह और अलीउमर (मतबूआ मिश्र) पब्लिकेशन– एम0रशीद एण्ड सन्स, उर्दू बाजार, जामा मस्जिद दिल्ली–1100461

असबाक जो निसाब में शामिल हैं–

शीर्षक	**पाठसंख्या**
1– कलबी	3
2– अस्सौर	4
3– अलज़मन	8
4– अलमतर	9
5– अस्सबीय व अलफील	13
6– अलअसद व अलफार	18
7– अर्राईवज्जेब	24
8– अतलाकुत्तयूर	28
9– अलहद्वाद	36
10– वल्दुननज़ीबुन	44
11– अश्शर्रो बिश्शर्रे	49
12– फस्लुर्रबीअ	50
13– हलावतुलकस्ब	53
14– महत्तता सिक्कतुलहदीद	58
15– तारीख–उल–कुर्सी	59

2– <u>पद्य</u> **10–अंक**

16– अत्ताइरो	10
17– तरनीमतुलवलदे फिस्सबाहे	27
18– तरनीमतुलउस्में लिस्साबीये फिलमसाये	33
19– अलफारो	42

फारसी

(कक्षा'9)

इस विषय में 70 अंक का लिखित प्रश्न पत्र होगा तथा 30 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

<u>इस विषय में 70 अंको का केवल एक प्रश्न पत्र तीन घण्टों का होगा।</u>

<u>भाग (अ) 35 अंक</u>

(1) <u>व्याकरणः</u> 10 अंक

(क) संज्ञा

(ख) सर्वनाम

(ग) अव्यय

(घ) क्रिया

(ड) व्युत्पत्ति

नोटः– निर्धारित पाठों पर आधारित।

(2) अनुवादः– 8+8=16 अंक

(क) फारसी के सरल वाक्यों का अंग्रेजी अथ्वा हिन्दी अथ्वा उर्दू में अनुवाद

(ख) अंग्रेजी, हिन्दी अथ्वा उर्दू के सरल वाक्यों का फारसी अनुवार

(3) फारसी के सरल शब्दों का वाक्यों में प्रयोग 5 अंक

(4) रिक्तियों की पूर्ति 4 अंक

जनसंख्या, पर्यावरण, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं टाफिक रूल्स की जानकारी हेतु प्रश्न निबन्ध के रूप में पूछे जायेंगे।

भाग (ब) 35 अंक

पाठ्य पुस्तक (गद्य तथा पद्य) **20+15= 35 अंक**

निर्धारित पुस्तक–Following Lesson Poems from the book I entitled

FARSI-DASTOOR (KITABI-I-AW WALA Part-1 for class IX (1977) by Dr. S.Z. Khanlari by M/S.I. Jarah-a-Adablyyat-a-Delhi, Jayyad Press Ballimaram, Delhi-110006 .

Lession to be studied:

1- Be – name – e-Ezad Bakhshainda
2- Dastan-e- Khar-O- Shar (Part-1)
3- Dastoor-e- Zaban –e- Farsi
4- Pisarak- fida-kar
5- Mehman-nawazi
6- Umar-khayyam
7- Manazora-e-nakashse-soozan poem
8- Arish kamanzir
9- Isfahan-e-Nisf- Jahan-1
10- Dastoor-e- Zaban –e- Farsi . S fool zaman
11- Isfahan-e-Nisf- Jahan-2
12- Karana-e-Daorfar
13- Dastoor-e- Zaban –e- Farsi . (Farsi shukas)
14- Suzman-e-Mutahid
15- Dastoor-e- Zaban –e- Farsi
16- Chashma-e-Sang (Poem)

विषय–गृह विज्ञान

कक्षा–9

(केवल बालिकाओं के लिए)

एक प्रश्नपत्र 70 अंकों का तथा समय 3 घंटे का होगा।

क्रम संख्या	इकाई	अंक
1–	गृह प्रबन्ध	15
2–	स्वास्थ्य रक्षा	15
3–	वस्त्र और सूत विज्ञान	10
4–	भोजन तथा पोषण विज्ञान	15
5–	प्राथमिक चिकित्सा और गृह परिचर्या	15

कुल 70 अंक

प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

योग–100 अंक

1– <u>गृह प्रबन्ध–</u> 15 अंक

(1) गृह विज्ञान के तत्व और क्षेत्र।

(2) व्यवस्था की परिभाषा,गृह और परिवार के संबंध में।

(3) कार्य व्यवस्था,प्रभाव डालने वाले कारक,साधन पारिवारिक आय, परिवार कल्याण,परिवार के सदस्यों की संख्या और उनका व्यवहार एवं अभिरूचि

(4) अर्थ व्यवस्था–परिवार की मूलभूत आवश्यकताएं।

2– <u>स्वास्थ्य रक्षा–</u> 15 अंक

(1) स्वास्थ्य की परिभाषा,व्यक्तिगत स्वास्थ्य की देखरेख और रक्षा।

(2) स्थानीय स्वास्थ्य संस्थाओं का प्रशासन और सेवाएं उनसे सहायता प्राप्त करना।

(3) वायु–शुद्ध वायु का महत्व तथा संचालन,पर्यावरण एवं प्रदूषण का जन–जीवन पर प्रभाव।

(4) अशुद्ध वायु से होने वाले रोग।

3– <u>वस्त्र और सूत विज्ञान</u> 10 अंक

(1) कपड़ों के तन्तु,कपड़ों के प्रकार,जीवन में उनका प्रयोग।

(2) व्यक्तिगत सज्जा–उचित वेष–भूषा (मौसम और अवसर के अनुकूल),व्यक्तिगत वेश–भूषा

4– <u>भोजन तथा पोषण विज्ञान</u> 15 अंक

(1) भोजन का पाचन और संबंधित शरीर क्रिया विज्ञान।

(2) निम्नलिखित खाद्य पदार्थों का संगठन,वर्गीकरण,उनके कार्य, अनाज,दालों और मेवें,सब्जी और फल,दूध और दूध से बने पदार्थ, वसा और तेल,मॉस मछली अंडे।

(3) संतुलित आहार।

5–प्राथमिक चिकित्सा और गृह परिचर्या 15 अंक

(1) प्राथमिक चिकित्सा के मुख्य सिद्धान्त।
(2) सामान्य घरेलू दुर्घटनाएं और उनसे बचाव।
(3) सामान्य घरेलू देशज औषधियॉ।
(4) तिकोनी एवं लम्बी पट्टियॉ और उनका प्रयोग।
(5) गृह परिचर्या की परिभाषा– परिचारिका के गुण।
(6) रोगी का कमरा–चुनाव तैयारी,सफाई और प्रकाश का प्रबन्ध।
(7) बिस्तर,बिस्तर लगाना,चादर बदलना।

प्रयोगात्मक

प्रयोगात्मक परीक्षा का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आंतरिक होगा। 15 अंक

(खण्ड क) वस्त्र और सूत विज्ञान

1– कपड़ो के पांच विभिन्न प्रकार के नमूनों की पहचान एंव संग्रह।
2– किन्ही छः विभिन्न फैन्सी टांकों से किसी एक वस्तु की कढ़ाई करना।
3– बची खुची एवं निष्प्रयोज्य सामग्री द्वारा सजावट की कोई एक वस्तु तैयार करना।

खण्ड–(ख) भोजन तथा पोषण विज्ञान

1– पाचन अंगो का चित्राकंन।
2– प्रत्येक खाद्य तत्वों का संकलन चार्ट द्वारा।
3– छात्रा (किशोरी) के एक दिन के संतुलित आहार की तालिका बनाना चार्ट द्वारा।

खण्ड–(ग) (प्राथमिक चिकित्सा और गृह परिचर्या)

1– तिकोनी पट्टी का प्रयोग (सिर, हथेली, कोहनी, एड़ी एंव घुटने की पट्टी) खपच्चियों का प्रयोग।
2– बिस्तर लगाना और चादर बदलना।

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें–

कोई भी पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यार्थियों के प्रधान विषय के अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

प्रोजेक्ट कार्यो की सूची **पूर्णांक–15**

नोटः– दिये गये प्रोजेक्ट सूची में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से कराएं। प्रोजेक्ट कार्यो की फाइल तैयार कराना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रोजेक्ट पांच अंक का है।

शिक्षक पाठ्यक्रम से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट कार्य अपने स्तर से भी दे सकते है। प्रोजेक्ट कार्य का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर होगा।

1– गृह विज्ञान में समावेश होने वाले विषयों की सूची बनाइयें।
2– स्वास्थ्य कार्यो में विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं की भूमिका।
3– वायु प्रदूषण–प्रदूषण के कारण, प्रभाव तथा रोकथाम के उपाय में आपकी भूमिका।
4– दर्जी से कपड़े एकत्र करना एंव वानस्पतिक जन्तु, जान्तव जन्तु एंव कृतिम तन्तु को तालिका बद्व करना।
5– किशोरावस्था (13से18वर्ष) के लिए एक दिन का संतुंलित आहार का चार्ट तैयार करना।
6– एक चार्ट पेपर पर पाचन तंत्र का नामांकित चित्र बनाइए।
7– वाटर फिल्टर एंव एक्वागार्ड का उपयोग।
8– प्राथमिक उपचार बाक्स तैयार करना।
9– एक चार्ट पेपर पर तन्तुओं के वर्गीकरण को दर्शाइए एवं पाठ्यक्रमानुसार तन्तुओं को चिपकाइए।
10– बच्चों से उनके एक दिन के आहार की सूची तैयार करना एंव उसमें विद्यमान पोषक तत्वों को सूची बद्ध करना।
11– दूध एक पूर्ण आहार है, चार्ट द्वारा प्रस्तुत करना।
12– गृह परिचारिका के गुणों की सूची बनाना।

विज्ञान

कक्षा–IX

एक प्रश्नपत्र 70 अंकों का तथा समय 3 घण्टे होगा।

		अंक	कालांश
इकाई–1	मापन, यांत्रिकी तथा ध्वनि	15	55
इकाई–2	ऊष्मा	10	20
इकाई–3	द्रव्य का संगठन एवं परमाणु संरचना	10	45
इकाई–4	रसायन की भाषा एवं रासायनिक बन्ध	10	20
इकाई–5	सजीव जगत में संगठन	15	45
इकाई–6	हमारा पर्यावरण	10	35
		योग– 70 अंक	220
	प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यांकन–	30 अंक	
		कुल योग– 100 अंक	

इकाई–1 **मापन, यांत्रिकी तथा ध्वनि** 15 अंक

- **मापन**

  मूल मात्रक, मूल राशियां, मूल मात्रकों की S.1 प्रणाली, व्युत्पन्न मात्रक, माइक्रॉन, ऍंग्स्ट्राम, प्रकाश वर्ष, सार्थक अंक, कोटिमान, अल्पतमांक, शून्यांकत्रुटि एवं अनुप्रयोग।

- **गति** – गति की सापेक्षता, विस्थापन, समान तथा असमान गति, चाल,वेग,त्वरण,दूरी समय व वेग समय ग्राफ (समान व असमान गति के लिए) गति के समीकरण (गणितीय विधि)।

- **बल–** गति एवं बल,न्यूटन के गति के नियम,पिण्ड का जड़त्व व द्रव्यमान, संवेग व बल में सम्बन्ध, संवेग संरक्षण का सिद्धान्त,क्रिया और प्रतिक्रिया बल।

- **गुरूत्वाकर्षण–** न्यूटन के गुरूत्वाकर्षण के नियम, पृथ्वी का गुरूत्व बल,गुरूत्वाजनित त्वरण, द्रव्यमान और भार।

- **कार्य, ऊर्जा एवं सामर्थ्य –** बल द्वारा किया गया कार्य, ऊर्जा, सामर्थ्य,कार्य एवं सामर्थ्य में सम्बन्ध, गतिज एवं स्थितिज ऊर्जा, ऊर्जा रूपान्तरण के व्यावहारिक उपयोग, ऊर्जा संरक्षण।

- **ध्वनि–** ध्वनि की प्रकृति, विभिन्न माध्यम में ध्वनि का संचरण, ध्वनि तरंग, अनुदैर्ध्यतरंग, आवृति,आयाम,तरंगदैर्ध्य,आवर्तकाल, तरंग वेग, पिच (pitch) ध्वनि का वेग, श्रवण–परास, ध्वनि का परावर्तन, प्रतिध्वनि।

इकाई–2 **ऊष्मा** **10 अंक**

- ताप की अभिधारणा, तापमान, पारे का तापमापी, ताप के पैमाने।

- ठोस पद्वार्थों में ऊष्मीय प्रसार रेखीय, क्षेत्रीय व आयतन प्रसार गुणाँक में सम्बन्ध, ऊष्मीय प्रसार का दैनिक जीवन में महत्व, द्रवों का ऊष्मीय प्रसार, जल का असामान्य प्रसार।

- ऊष्मीय विकिरण,प्रकाश ऊष्मीय विकिरण के गुण, उत्सर्जन, अवशोषण, श्याम पिण्ड, विकिरण ऊर्जा का दैनिक जीवन में महत्व।

- ऊष्मीय ऊर्जा, मात्रक कैलोरी, किलोकैलोरी, जूल,विशिष्ट ऊष्मा, ऊष्मा धारिता, कैलोरीमिति का सिद्धान्त अवस्था परिवर्तन (गुप्त ऊष्मा) आपेक्षिक आर्द्रता एवं उससे सम्बन्धित घटनायें, ऊष्मा को कार्य एवं कार्य को ऊष्मा में बदलना एवं जूल नियतांक।

इकाई–3 द्रव्य का संगठन एवं परमाणु सरंचना– 10 अंक

- **द्रव्य–**

(ए) **द्रव्य कणों से मिलकर बना है –**

–अणु परमाणु की संकल्पना

–अन्तराण्विक आकाश एवं अन्तराण्विक बल

–द्रव्य की ठोस, द्रव व गैसीय अवस्था की व्याख्या।

–द्रव्य की अवस्था परिवर्तन–गलनांक, क्वथनांक, हिमांक, ऊर्ध्वपातन, वाष्पन, वाष्पीकरण तथा संघनन।

(बी) **तत्व, यौगिक एवं मिश्रण –**

विलयन–समांगी,विषमांगी, निलम्बन,कोलॉयड की प्रारम्भिक अवधारणा।

- **परमाणु एवं परमाणु संरचना –**

– डाल्टन का परमाणु सिद्धान्त तथा आधुनिक परमाणु सिद्धान्त।

– परमाणु के अवयव–इलेक्ट्रान,प्रोट्रान व न्यूट्रान की विशेषतायें (आविष्कारक, आवेश व द्रव्यमान)

– थामसन का परमाणु मॉडल,रदरफोर्ड का एल्फा प्रकीर्णन प्रयोग तथा परमाणु मॉडल,बोहर का परमाणु मॉडल (प्रारम्भिक अवधारणा)

– परमाणु में इलेक्ट्रान, प्रोटॉन तथा न्यूट्रान का वितरण तथा बोर बरी का नियम

– इलेक्ट्रानिक विन्यास (1–20 परमाणु क्रमांक वाले तत्व)

– परमाणु क्रमांक, द्रव्यमान संख्या, समस्थानिक, समभारिक।

– रेडियोधर्मिता (परिचय केवल परिभाषा) तथा एल्फा, बीटा व गामा किरणों के गुण, रेडियोधर्मी आइसोटोप्स व उनकी उपयोगिता।

इकाई–4 रसायन की भाषा व रासायनिक बन्ध 10 अंक

- रसायन की भाषा–

– तत्वों के संकेत, तत्वों तथा यौगिकों के अणुसूत्र (आयन तथा मूलकों के आधार पर)

– परमाणु भार, अणुभार,तुल्यांकी भार (केवल अम्ल,क्षार,लवण तथा आयन का तु0भार ज्ञात करना।)

– मोल अवधारणा–ग्राम परमाणु व ग्राम अणुभार, एवोगाद्रों संख्या, आंकिक प्रश्न।

- **रासायनिक बन्ध–**

– संयोजकता का इलेक्ट्रानिक सिद्धान्त

– आयनिक बन्ध (आयनिक यौगिकों के उदाहरण तथा सामान्य गुण)

– सह संयोजक बन्ध (यौगिकों के उदाहरण व सामान्य गुण)

- **रासायनिक अभिक्रियायें–**

– रासायनिक अभिक्रियायें क्यों होती हैं?

– रासायनिक संयोग के नियम

– अभिकारक व उत्पाद

– रासायनिक अभिक्रियायें लिखना तथा रासायनिक समीकरणों को सन्तुलित करना (जांच व त्रुटि विधि)

– रासायनिक अभिक्रिया के प्रकार– योगात्मक, प्रतिस्थापन, वियोजन,अपघटन,उभय अपघटन, ऊष्माक्षेपी, ऊष्माशोषी अभिक्रियायें ।

– आक्सीकरण व अपचयन अभिक्रिया (इलेक्ट्रानिक अवधारणा)

इकाई–5 सजीव जगत में संगठन 15 अंक

- जीवों में विविधता – वर्गीकरण की आवश्यकता, जीवों का नामकरण, द्विनाम पद्धति, वनस्पति जगत का वर्गीकरण (संघ तक) जन्तु जगत का वर्गीकरण–अकशेरूकी (संघ तक) एवं कशेरूकी (वर्ग तक) मुख्य लक्षण उदाहरण सहित।
- कोशिका जीवन की इकाई–कोशिका जीवन की आधारभूत इकाई,कोशिका के प्रकार,प्रोकैरियोटिक एवं यूकैरियोटिक कोशिका,कोशिका संरचना–कोशिका भित्ति एवं कोशिका कला, कोशिकांग लवक, माइटोकान्ड्रिया, रिक्तिका,एण्डोप्लाज्मिक रैटीक्युलम,राइबोसोम,गॉल्जीकाय,केन्द्रक–गुणसूत्र,आर0एन0ए0 एवं डी0एन0ए0।
- जन्तु एवं वनस्पति ऊतक– संरचना एवं कार्य–वनस्पति ऊतक–विभज्योतकी एवं स्थायी ऊतक, जन्तु ऊतक, एपीथीलियम, संयोजी, पेशी एवं तन्त्रिका ऊतक।
- स्वास्थ्य एवं रोग– सूक्ष्मजीव (विषाणु,जीवाणु,कवक),सूक्ष्मजीव एवं रोग–कारण रोकथाम एवं उपचार (टायफाइड, हिपेटाइटिस, रेबीज, ट्यूबरकुलोसिस,पोलियो,दाद)

इकाई–6 हमारा पर्यावरण 10 अंक

- मानव का समन्वयन एवं पारितन्त्र –
- पर्यावरण के साथ मानव का समन्वयन, पारितन्त्र (खाद्य श्रृंखला एवं खाद्य जाल) एवं जीवमण्डल पारिस्थितिक संकट, प्राकृतिक सम्पदाओं का संरक्षण प्रकृति संरक्षण के राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रयास।
- **<u>प्रदूषण –</u>**

  वायु,जल,मृदा एवं ध्वनि प्रदूषण,ओजोन पर्त एवं क्षय,ग्रीन हाउस प्रभाव,ग्लोबल वार्मिंग (वैश्विक तपन)।
- **<u>जैव रासायनिक चक्र–</u>**

  वातावरणीय गैसें,जल चक्र,नाइट्रोजन,कार्बन डाईऑक्साइड एवं ऑक्सीजन चक्र।

<u>प्रयोगात्मक</u>

प्रयोगात्मक परीक्षा का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा। प्रयोगात्मक कार्य का अंक विभाजन निम्नवत् है :–

1– तीन प्रयोग (प्रत्येक खण्ड से एक) – 3X3=09 अंक
2– मौखिक कार्य – – 03 अंक
3– सत्रीय कार्य – 03 अंक

————————

कुल – 15 अंक

————————

1– दिये हुए ऑकड़ों से दूरी–समय ग्राफ खींचना तथा इससे चाल की गणना करना।
2– वर्नियर की सहायता से दिये गये बेलन की लम्बाई ज्ञात करना।
3– स्क्रूगेज की सहायता से दिये गये तार की त्रिज्या ज्ञात करना।
4– ध्वनि के परावर्तन के नियम का सत्यापन करना।
5– ऊष्मा के सुचालक एवं कुचालक का तुलनात्मक अध्ययन करना।

6– निम्नलिखित के आधार पर यौगिक की पहचान करना–

(i) घुलनशीलता

(ii) विद्युत चालकता

(iii) द्रवणांक

(iv) क्वथनांक

7– नमक, चीनी तथा फिटकरी का वास्तविक विलयन बनाना।

8– मिट्टी, खड़िया और महीन बालू का पानी में निलम्बन तैयार करना।

9– पानी में मण्ड और पानी में अण्डे की सफेदी की कोलाइड का निम्न के आधार पर अन्तर स्पष्ट करना–

(i) पारदर्शिता

(ii) छानना

(iii) स्थायित्व

10– प्रयोगात्मक कार्य के उपयोग में आने वाले सामान्य उपकरणों का ज्ञान।

11– तालाब के जल का सूक्ष्मदर्शीय अध्ययन, वर्गीकरण के सम्बन्ध में।

12– निम्नांकित जन्तुओं का टिप्पणी सहित संग्रहालय अध्ययन– वर्गीकरण।

पैरामीशियम, हाइड्रा, एस्केरिस, केचुँआ, तिलचट्टा, बिच्छू, तारामीन, मछली, मेढ़क, छिपकली, सर्प, कबूतर, चूहा, चमगादड़ और गिलहरी।

13– निम्नांकित वनस्पतियों का टिप्पणी सहित संग्रहालय अध्ययन वर्गीकरण–

यूलोथ्रिक्स, स्पाइरोगाइरा, म्यूकर, (शैवाल, कवक) मॉस, फर्न, अनावृतबीजी एवं आवृतबीजी।

14– पारिस्थितिक पारितंत्र के प्रारंभिक ज्ञान के लिए विद्यालय के आस–पास के वातावरण में पौधों और जन्तुओं की पारस्परिक निर्भरता का बोध कराना।

15– पादप संरक्षण से होने वाले लाभ का ज्ञान कराना।

टिप्पणी– प्रत्येक विद्यार्थी के पास विज्ञान की एक प्रयोगात्मक नोट बुक होगी जिसमें प्रयोगात्क कार्य का दैनिक रिकार्ड दर्ज किया जायेगा जिसकी सही ढंग से जांच होनी चाहिए और इसे प्रयोगात्मक परीक्षा के समय प्रस्तुत किया जाय।

प्रोजेक्ट कार्य की सूची

पूर्णांक–15 अंक

नोटः दिये गये प्रोजेक्ट सूची में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार करायें। प्रत्येक खण्डों (भौतिक, रसायन व जीव विज्ञान) में से एक–एक प्रोजेक्ट कार्य व प्रोजेक्ट फाइल तैयार कराना अनिवार्य होगा। शिक्षक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट कार्य अपने स्तर से भी दे सकते हैं। तीनों प्रोजेक्ट का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा।

1– विभिन्न खेतों की मिट्टयों के नमूने लेकर उसकी अम्लीयता की जांच करना।

(परखनली, सार्वत्रिक सूचक, ph पेपर, कैल्शियम सल्फेट, मिट्टी के नमूने)

2– दैनिक जीवन में रसायनों का महत्व।

(रसोई,भोजन,दवा,वस्त्र,सौन्दर्य प्रसाधनों आदि में रसायन की भूमिका।

3– विभिन्न स्रोतों (कुआं, नल, तालाब, नदी) से जल के नमूने लेकर उनकी शुद्धता की जांच करना तथा अशुद्ध पानी को पीने योग्य बनाने का एक प्रोजेक्ट तैयार करना।

4– दूध तथा घी के विभिन्न नमूने लेकर उसमें वनस्पति की मिलावट का पता लगाना।
(हाइड्रोक्लोरिक अम्ल तथा चीनी द्वारा)

5– विभिन्न पद्वार्थों (यूरिया, ग्लूकोस, सुक्रोस व नमक आदि) को घोलने पर पानी के क्वथनॉक पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

6– विभिन्न प्रकार के ऊर्जा रूपान्तरणों को तालिकाबद्ध करके पवन ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में बदलने का सचित्र मॉडल तैयार करना।

7– वायु तापमापी का मॉडल तैयार करके इसमें निहित वैज्ञानिक सिद्धान्तों का अध्ययन करना।

8– अपने आस–पास प्रयोग होने वाले आदर्श श्याम पिण्डों को सूचीबद्ध कीजिए तथा दैनिक जीवन में विकिरण ऊर्जा के प्रभाव का सचित्र अध्ययन करना।

9– विभिन्न वाद्ययंत्रों की सूची बनाकर दर्शाइये कि उन वाद्ययंत्रों के कौन से भाग में कम्पन उत्पन्न होता है।

10– तरंग मशीन का मॉडल तैयार करके जल की सतह पर उत्पन्न होने वाली तरंग का सचित्र अध्ययन करना।

11– अपने क्षेत्र में पाये जाने वाले पक्षियों की चित्रात्मक सूची तैयार करके इनके आवास एवं वास–स्थान की जानकारी प्राप्त करना।

12– संकटग्रस्त जन्तुओं की सूची तैयार कर भारत के प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान एवं अभ्यारण्यों पर एक प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करना।

13– (D.N.A.) (डी आक्सी राइबोन्यूक्लिक अम्ल) का मॉडल तैयार करना।

14– स्थानीय जल प्रदूषण के कारणों की जानकारी प्राप्त करना एवं प्रोटोजोएनस, मछली, एल्गी पर जल प्रदूषण के प्रभाव का अध्ययन।

15– अपने आस–पास स्थित तालाब के पारिस्थितिक तंत्र में जैवीय एवं अजैवीय घटक एवं खाद्य श्रृंखला का अध्ययन करना।

16– प्याज की झिल्ली की अभिरंजित स्लाइड बनाकर सूक्ष्मदर्शीय प्रेक्षण द्वारा कोशिका की संरचना का अध्ययन।

17– एक चार्ट पेपर पर विभिन्न प्रकार की गति का सचित्र व सोदाहरण अध्ययन करना।

18– वैश्विक–तपन का मानव जीवन पर प्रभाव का सचित्र अध्ययन करना।

19– पर्यावरण प्रदूषण व ओजोन परत अपक्षय में रसायनों की भूमिका।

20– आस–पास के खेतों का भ्रमण करें तथा किसानों से पता लगायें कि वह किस फसल के लिए कौन–कौन से उर्वरक का प्रयोग करते हैं। इन उर्वरकों की पोषक तत्वों की सूची बनाइये।

संगीत (गायन)

कक्षा – 9

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्नपत्र तीन घंटे का होगा।

शास्त्रीय शब्दावली की परिभाषा एवं व्याख्या, संगीत स्वर, सप्तक, शुद्ध और विकृत स्वर, अलंकार, आलाप, विवादी, पकड़, राग, जाति, औड़व, षाडव, सम्पूर्ण, ताल, मात्रा, लय, पाठ्यक्रम के रागों का परिचय।

1. संगीत का इतिहास एवं रागों का अध्ययन।
2. पाठ्यक्रम के रागों की विशेषता, स्वर, विस्तार एवं अलंकारों के माध्यम से रागों की बढ़त।
3. रागों के आलाप तान लिखने की योग्यता।
4. तालों का ताल परिचय लिखने की तथा इगुन, दुगुन, लय में लिखने की योग्यता होनी चाहिए।
5. गीतों का सरल आलाप, तान सहित लिपिबद्ध करने की योग्यता।
6. स्वर समूहों के छोटे–छोटे टुकड़ों के आधार पर राग पहचानने की योग्यता।
7. अमीर खुसरो एवं भातखण्डे की जीवनी।
8. राग यमन तथा खमाज रागों का विस्तृत अध्ययन, प्रत्येक में एक–एक गीत के साथ तीन–तीन आलाप एवं चार–चार तान तालबद्ध करके गाने की योग्यता।
9. बिलावल, भूपाली, आसावरी, रागों का परिचय एवं प्रत्येक का गीत स्वर लिपि सहित लिखने एवं गाने की योग्यता।
10. प्रत्येक राग का सरगम गीत तथा लक्षण गीत सिखाया जाना चाहिये।
11. प्रत्येक रागों का आरोह–अवरोह पकड़ गाना आना चाहिये।

नोट–उपर्युक्त निर्धारित रागों एवं तालों पर आधारित प्रयोगात्मक परीक्षा जी जायेगी जो 15 अंकों की होगी तथा 15 अंक प्रोजेक्ट कार्य के लिए निर्धारित है। जिसका मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

प्रोजेक्ट कार्य

नोट : निम्नलिखित में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार करायें। अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट भी दे सकते है।

1. सप्तक के तीन प्रकार, प्रत्येक सप्तक के स्वर चिन्ह तथा एक सप्तक की दूसरे सप्तक से ऊँचाई अथवा निचाई को स्वरों की आन्दोलन संख्याओं के माध्यम से प्रदर्शित कीजिए।
2. हिन्दुस्तानी संगीत के दस थाटों के नाम तथा प्रत्येक थाट के स्वरों को तालिकाबद्ध कीजिये।
3. चार प्राचीन संगीत वाद्यों के चित्र एकत्र कीजिये तथा उनके नामों का उल्लेख करते हुए उन्हें अपनी स्क्रैप बुक में चिपकाइये।
4. चार आधुनिक वाद्य यन्त्रों के विषय में लिखिये तथा उनके चित्र भी चिपकाइये।
5. एक चार्ट पेपर पर तानपुरे का चित्रण कीजिये तथा उनके अंगों के नाम लिखिये।
6. श्री विष्णु नारायण भातखण्डे द्वारा रचित संगीत पुस्तकों की एक सूची तैयार कीजिए।
7. स्वरों के शुद्ध एवं विकृत प्रकारों को चार्ट पेपर पर अंकित कीजिये।
8. चार प्रमुख भारतीय नृत्य शैलियों के नाम, चित्र एवं उनसे सम्बन्धित शीर्ष कलाकारों के नाम स्क्रैप बुक में अंकित कीजिये।
9. एक चार्ट पेपर पर तबले का चित्र बनाइये तथा अंगों के नाम दर्शाइये।
10. गायन से सम्बन्धित कुछ नवीन कलाकारों के नाम एकत्र कीजिये।

संगीत (वादन)

कक्षा–9

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न पत्र तीन घंटे का होगा।

शास्त्रीय शब्दों की परिभाषा एवं व्याख्या–संगीत स्वर

(शुद्ध एवं विकृत), आलाप, थाट, राग, आरोह, अवरोह, वादी संवादी, पकड़, गत, तोड़ा, जमजमा, मात्रा, लय, खाली, भारीटेक, सम, ताल, तिहाई, टुकड़ा, परन।

संगीत का इतिहास एवं रागों का अध्ययन –

1. वादन पाठ्यक्रम के रागों की विशेषताएं – स्वर विस्तार एवं अलंकारों के माध्यम से रागों की बढ़त
2. तालों के टुकड़े, परन आदि लिखने तथा बजाने की योग्यता अथवा सरल स्वर विस्तार एवं तोड़ों के साथ गाने लिपिबद्ध करके लिखने तथा बजाने की योग्यता।
3. स्वर समूह के छोटे–छोटे टुकड़ों के आधार पर रागों को पहिचानने की योग्यता अथवा ठेके के कुछ बोलों के आधार पर तालों को पहचानने की योग्यता।
4. अमीर खुशरू एवं भातखण्डे की जीवनी, तबला पखावज या मृदंग, वीणा, सितार, सरोद, सारंगी, इसराज या दिलरूबा गिटार, वायलिन और बांसुरी में से कोई एक वाद्य ले सकता है।
5. तबला और पखावज – (अपने वाद्यों के अंगों का सचित्र वर्णन तथा मिलाने की विधि का ज्ञान)।

1. तीनताल, एकताल, झपताल में से प्रत्येक में दो कायदा, दो टुकड़े और दो तिहाइयाँ लिखने तथा बजाने की योग्यता।
2. दादरा, रूपक एवं सूलफाक तालो के साधारण ठेके तथा उनकी दुगुन में ताली देकर बोलने का अभ्यास।

अन्य वाद्य लेने वाले :

1. राग यमन एवं खमाज रागों में से प्रत्येक में एक–एक राग जिसकी विस्तृत जानकारी आवश्यक है।
2. राग बिलावल, आसावरी एवं भूपाली रागों में आरोह–अवरोह एवं पकड़ लिखने की योग्यता/क्षमता।
3. तीनताल, झपताल, दादरा, एकताल से परिचित होना चाहिए।
4. भारतीय वाद्यों का वर्गीकरण।

नोट : उपर्युक्त निर्धारित रागों एवं तालों की आन्तरिक प्रयोगात्मक परीक्षा होगी जिसके लिए 15 अंक निर्धारित किये गए हैं तथा 15 अंक प्रोजेक्ट कार्य के लिए है। इनका मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

प्रोजेक्ट वर्क

नोट : किन्हीं तीन का चयन कर प्रोजेक्ट तैयार कीजिए।

1. अपने वाद्य को सचित्र चार्ट द्वारा प्रदर्शित कीजिए।
2. हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के किसी प्रसिद्ध संगीतज्ञ के संगीत में दिये योगदान को वर्णित कीजिए।
3. खुले बोल व बन्द बोलों की तालों को उदाहरण सहित अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखिए।
4. वाद्यों के वर्गीकरण को समझाते हुए प्रत्येक प्रकारों के कुछ चित्र एकत्रित कर अपनी अभ्यास पुस्तिका में चिपकाइए।
5. अपने वाद्य की परंपरा को बताते हुए किसी प्रसिद्ध घराने की चर्चा कीजिए।
6. उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत के कुछ प्रसिद्ध कलाकारों की सूची बनाकर उनको दिये जाने वाले पुरस्कार व क्षेत्र को बताइए।
7. किसी महान संगीतज्ञ का चित्र बनाकर संक्षिप्त जीवन परिचय चार्ट के माध्यम से दीजिए।
8. किसी संगीत समारोह का आँखो देखा हाल अपने शब्दों में वर्णित कीजिए।
9. संगीत के किसी एक वाद्य का माँडल बनाइए।
10. शास्त्रीय संगीत के कुछ प्रसिद्ध वाद्यों के चित्र एकत्रित कर उन्हें बजाने वाले कलाकारों के नाम चित्र सहित सम्मुख लगाइए।
11. चल ठाठ व अचल ठाठ के सितार को समझाइए।

विषय–कृषि

कक्षा–9

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न पत्र तीन घंटे का होगा।

1. **जलवायु विज्ञान :** उत्तर प्रदेश तथा भारत में मौसम और ऋतुयें। फसलों पर अनुकूल तथा प्रतिकूल मौसम का प्रभाव। वर्षा, उसमें वार्षिक तथा ऋतुगत परिवर्तन, उसके वितरण का फसलों तथा कृषि क्रियाओं पर प्रभाव। **2**

2. **मृदायें :** मृदा निर्माण, मृदा संगठन, मिट्टी के भौतिक गुण – मृदा गठन, मृदा विन्यास, रंध्रावकाश, सुघट्यता, घनत्व, संसजन और असंजन, भूमि ताप, मृदा जल उ0प्र0 के मृदाओं का संक्षिप्त विवरण। **10**

3. **सिंचाई और जल निकास :**

(क) पौधों को जल की आवश्यकता, नमी संरक्षण, अत्यधिक जल से हानियाँ, जल–निकास की सामान्य विधियाँ।

(ख) उत्थापक के प्रकार, उनके नाम, वाशर रहट तथा शक्ति चलित पम्प का विशेष ज्ञान। **10**

4. **खाद तथा उर्वरक :** पौधों के आवश्यक पोषक तत्व और उनके स्रोत, जैविक खाद, गोबर की खाद, कम्पोस्ट खाद, हरी खाद, खलियाँ आदि। **10**

5. **कर्षण :** जुताई के उद्देश्य और जुताई की विधियाँ **03**

6. **कृषि यन्त्र :** **10**

(क) विभिन्न प्रकार के हल जैसे देशी, मेस्टन, शाबाश केयर, यू0पी0 नं0 – 2

(ख) कल्टीवेटर

(ग) हैरो – खूँटीदार, कमानीदार, तिकोनिया।

(घ) अन्य यन्त्र – पटेला, रोलर, करहा।

(ड.) हाथ के औजार– खुरपी, हो, रैक तथा फावड़ा।

(7) **फसलों का वर्गीकरण –** **03**

फसल चक्र, शुष्क खेती, दियारा खेती, मिश्रित खेती, मिलवाँ फसल तथा बहु फसलों की खेती।

(8) **निम्न फसलों की खेती :** **10**

मक्का, ज्वार, बाजरा, अरहर, कपास, सोयाबीन, उर्द, मूँग, जौ, चना मटर, सरसों, तथा बरसीम।

(9) **पशुपालन –** **10**

गाय, भैंस, भेड़ तथा बकरी की उन्नत नस्ले।

(10) **लेखपाल के कागजात –** **02**

गाँव का नक्शा तथा खतौनी, जोत बही तथा उसकी उपयोगिता।

प्रयोगात्मक **अंक – 15**

1. बीज शैय्या तैयार करना। 5
2. कृषि यन्त्र, बीज, खरपतवार की पहिचान 5
3. मौखिक 3
4. वार्षिक अभिलेख 2

प्रोजेक्ट कार्य **अंक – 15**

नोट : निम्नलिखित में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार करायें। अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट भी बनवा सकते है।

1. ऋतुओं का वर्णन एवं उसमें उगाई जाने वाली फसलों का अध्ययन करना।
2. मृदा के भौतिक गुणों का अध्ययन करना।
3. विभिन्न प्रकार की जैविक खाद व रासायनिक खाद का अध्ययन करना।
4. विभिन्न ऋतुओं में उगने वाले खरपतवारों का अध्ययन करना।
5. फसलों में उपयोग होने वाले विभिन्न प्रकार के कृषि यन्त्रों का अध्ययन करना।
6. जैविक व रासायनिक खाद में पाये जाने वाले प्रतिशत तत्वों का अध्ययन करना।
7. सिंचाई की विधियों एवं उससे होने वाले लाभ व हानियों का अध्ययन करना।
8. विभिन्न फसलों में दिये जाने वाले उर्वरकों का अध्ययन करना।
9. बलुई मिट्टी में उगाई जाने वाली फसलों तथा उसके सुधारने के उपाय का अध्ययन करना।
10. फसलों की पंक्तियों में बुआई से उत्पादन पर प्रभाव का अध्ययन करना।

नोट : प्रोजेक्ट कार्य एवं प्रयोगात्मक परीक्षा का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर होगा।

विषय – सिलाई

कक्षा – IX

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न–पत्र तीन घंटे का होगा।

1. विभिन्न प्रकार के कपड़े (सूती, ऊनी, रेशमी, सिन्थेटिक) का ज्ञान तथा उनके सिकुड़ने की प्रवृत्ति का ज्ञान।
2. सूती, ऊनी, रेशमी, सिन्थेटिक कपड़ों पर लोहा (प्रेस) करने की विधि।
3. सिलाई में प्रयोग होने वाली सामग्री का ज्ञान।
4. तागे का ज्ञान।
5. पर्यावरण सुरक्षा – अर्थ, स्वरूप तथा पर्यावरण और सिलाई का सम्बन्ध।
6. प्रदूषण क्या है ? उनके विभिन्न प्रकार का प्रभाव।
7. सिलाई क्रिया के समय प्रदूषण के अवसर।
8. मनुष्य और शरीर का गठन
9. नाप लेने की प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष प्रणाली।
10. सादा पायजामा, पेटीकोट, बंगला कुर्ता, फ्राक परिधानों की नाप लिखना, रेखाचित्र बनाना तथा पेपर कटिंग करना।

<u>प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम</u> **15 अंक**

(प्रयोगात्मक परीक्षा का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा)

1. पेपर कटिंग – सादा पायजामा, पेटीकोट, बंगला कुर्ता, फ्राक सम्बन्धित यंत्रों के नापों की जानकारी एवं ड्राफ्ट बनाने का अभ्यास।
2. पेटीकोट, फ्राक, पायजामा, प्रेसिंग उपकरणों की जानकारी एवं उपयोगिता। वस्त्रों के सिलाई सम्बन्धी परिधानों को हाथ सिलाई, काज, बटन एवं पूर्णरूपेण फिनिशिंग का ज्ञान एवं अभ्यास करना।

प्रोजेक्ट कार्यों की सूची

नोट–दिये गये प्रोजेक्ट सूची में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से करायें। प्रोजेक्ट कार्यो की फाइल तैयार करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रोजेक्ट पाँच अंक का होगा।

1. विभिन्न प्रकार के वस्त्र (ऊनी, सूती, रेशमी, नायलोन) पर जल, साबुन एवं धोने की विधि का प्रभाव
2. सिलाई एक कला
3. सिलाई किट
4. धागों का वर्गीकरण
5. पर्यावरण और सिलाई
6. सिलाई एवं सजावटी टाकें
7. सिलाई एवं सजावटी सामान
8. वस्त्रों का नवीनीकरण
9. एक फाइल तैयार करें जिसमें पाठ्यक्रमानुसार सभी वस्त्रों की नाप एवं पेपर कटिंग लगायें।
10. एक फाइल तैयार करें (जिसमें) पाठ्यक्रमानुसार सभी वस्त्रों की नाप लिखें एवं छोटे–छोटे वस्त्र सिल कर लगायें।

कम्प्यूटर

कक्षा–9

इस विषय में 70 अंको का केवल एक प्रश्नपत्र तीन घन्टे का होगा।

1–कम्प्यूटर फन्डामेन्टल्स–– 15 अंक

कम्प्यूटर परिचय
कम्प्यूटर के विकास का इतिहास
कम्प्यूटर के प्रकार
कम्प्यूटर का रेखा चित्र
कम्प्यूटर के भाग
हार्डवेयर तथा साफ्टवेयर एवं उनके प्रकार
कम्प्यूटर नेटवर्क
इन्टरनेट

2– अंक प्रणाली–– 05 अंक

डिजिटल (डिस्क्रीट) और एनालॉग(कन्टीन्यूअस) आपरेशन्स
बाइनरी डाटा
बाइनरी नम्बर सिस्टम
दशमलव (डेसिमल)
ओक्टल
हेक्साडेसिमल प्रणाली
बाइनरी एवं डेसिमल में परस्पर सामान्य रूपान्तरण (फ्रेक्शनल कन्वर्जन सहित)

3A–आपरेटिंग सिस्टम 05अंक

आपरेटिंग सिस्टम का परिचय
आपरेटिंग सिस्टम के कार्य एवं उनके प्रकार तथा अवयव
लाइनेक्स एवं डास में अन्तर
लाइनेक्स एवं विन्डोज में अन्तर

3– आपरेटिंग सिस्टम (लाइनेक्स)–– 10 अंक

लाइनेक्स का इतिहास

लाइनेक्स के मौलिक गुण एवं विशेषताएं

लाइनेक्स का जी0यू0आई0 स्वरूप

लाइनेक्स का प्रारम्भ एवंउससे बाहर निकलने की विधि(शटडाउन)

लाइनेक्स में माउस का प्रयोग करने की विधि

किसी भी एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर को प्रारम्भ एवं बन्द करने की विधि तथा दो सॉफ्टवेयर्स के मध्य आवागमन

कम्प्यूटर फाइल्स और उनके प्रकार

डायरेक्टरी

सब–डायरेक्टरी

वाइल्ड कार्ड अक्षर एवं उनका उपयोग

त्रुटियों की सूचना (एरर मैसेज)

बेसिक कमान्डस (फाइल बनाना, देखना, कॉपी करना, सेव करना आदि तथा डाइरेक्टरी बनाना, देखना, कॉपी करना, सेव करना आदि)

एडवान्स कमान्डस (फारमेट करना,बैकअप लेना,प्रिन्ट करना आदि)

4– आफिस(लाइनेक्स के परिप्रेक्ष्य में) से परिचय 10 अंक

आफिस के मूल तत्व एवं उनके द्वारा सम्पन्न होने वाले कार्यो का परिचय

वर्ड प्रोसेसिंग के तत्व

वर्ड प्रोसेसिंग की विधि

कम्प्यूटराइज वर्ड प्रोसेसिंग के लाभ

महत्वपूर्ण प्राथमिक कमाण्डस उदाहरण स्वरूप–किसी दस्तावेज की एन्टरिंग, फारमेटिंग,एडिटिंग,सजावट,प्रिटिंग आदि।

प्रेजेन्टेशन साफ्टवेयर के तत्व

प्रेजेन्टेशन एवं स्लाइडों का निर्माण

स्लाइड शो का निर्माण एवं उसे क्रियाशील करना

प्रेजेन्टेशन साफ्टवेयर की मल्टीमीडिया क्षमताएं

स्प्रेडशीट के तत्व

वर्कशीट में डाटा एन्टर करना एवं संशोधन

स्प्रेडशीट में चार्ट बनाना

5– प्रोग्रामिंग तकनीक–– 05 अंक

प्रोग्रामिंग क्या है

एल्गोरिथिम

फ्लो चार्ट

ब्राचिंग

लूपिंग

मोड्यूलर डिजाइन

6–सी लैंग्वेज में मौलिक प्रोग्रामिंग (बेसिक प्रोग्रामिंग इन सी)–– 15 अंक

सी लैंग्वेज से परिचय

सी लैंग्वेज का महत्व

कम्प्यूटर पर सी लैग्वेज में कार्य करना

करेक्टर सैट

कौन्सन्टैस एवं वेरिएबिल्स

सी में एक्सप्रेशन्स लिखना

सी में कन्सोल इनपुट/आउटपुट

फारमेटेड इनपुट/आउटपुट,

जम्पिंग एवं ब्रांचिंग स्टेटमेन्ट्स

स्टेटमेन्ट्स से परिचय

If Then एवं if-Then-Else स्टेटमेन्ट्स

For & Whil loop and Case

7– कम्प्यूटर एप्लीकेशन एवं उनके लाभ–– 05 अंक

स्कूल,वाचनालय,छपाई बैकिंग,परिवहन,जनसंख्या,पर्यावरण आदि।

<u>प्रयोगात्मक कार्य</u>

उक्त प्रस्तर–3,4,5 तथा 6 पर आधारित माड्यूल्स के प्रयोगात्मक कार्य कराये जायेंगे। प्रयोगात्मक परीक्षा हेतु 15 अंक निर्धारित किये गये है इसका मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा।

पाठ्य पुस्तके––

कोई भी पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यालयों के प्रधान विषय अध्यापक के परामर्श से उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

<u>प्रोजेक्ट कार्य</u>

प्रोजेक्ट कार्य 15 अंक का होगा। दिये गये प्रोजेक्ट की सूची में से तीन प्रोजेक्ट अवश्य तैयार कराये जाये। शिक्षक इसके अतिरिक्त विषय से सम्बन्धित प्रोजेक्ट तैयार करा सकते है। प्रोजेक्ट का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा।

1– Hardware & Software (हार्डवेयर तथा साफ्वेयर)

2– लाइनेक्स कमाण्ड (cat,more,ls,mkdir,etc.)

3– आपरेटिंग सिस्टम (प्रकार,अवयव,आइकन)

4– लाइनेक्स आफिस (stra,calc,Impress,writer)

5– प्रोग्रामिंग अवधारणा/तकनीक

(फ्लोचार्ट,स्यूडोकोड,एलगोरिथम)

6– सी प्रोग्रामिंग (साधारण प्रोग्राम)

7– ब्राचिंग

8– लूपिंग/जम्पिंग

9– फंक्शन (कन्सोल इनपुट/आउटपुट)

10– फाइल आपरेशन

विषय–गणित

कक्षा–9

एक प्रश्नपत्र 70 अंकों का तथा समय 3 घण्टे होगा।

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र–	70 अंक
प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यॉकन–	30 अंक
योग–	**100 अंक**

प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यॉकन में 15 अंक प्रोजेक्ट कार्य हेतु तथा 15 अंक मासिक परीक्षा हेतु निर्धारित किया गया है।

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र हेतु इकाईवार अंक विभाजन

इकाई–1– बीजगणित तथा लघुगणक–	20 अंक
इकाई–2– त्रिकोणमिति–	18 अंक
इकाई–3– ज्यामिति–	20 अंक
इकाई–4– निर्देशांक ज्यामिति–	12 अंक
कुल–	**70 अंक**

इकाई–1– बीजगणित तथा लघुगणक 20 अंक

(क) बहुपद तथा इनके गुणनखण्ड

(1) बीजगणितीय व्यंजकों के गुणनखण्ड

(2) द्विघात बहुपद के गुणनखण्ड करना

(3) द्विघात त्रिपद व्यंजक / $(ax^2+bx+c, a\neq 0)$ गुणनखण्ड (मध्यपद को दो भागों में बांटकर तथा पूर्ण वर्ग बनाकर)

(4) गुणनखण्ड प्रमेय शेषफल प्रमेय (उपपत्ति नही) तथा बहुपदों (चारघात से अधिक के नही) के गुणनखण्ड में इनका उपयोग

(5) एक चरराशि में रैखिक समीकरण का वाणिज्यिक (कामर्शियल) गणित, मेंसुरेशन आदि में अनुप्रयोग।

(ख) लघुगणक :

(1) लघुगणक का अर्थ

(2) घात के लघुगणक को घात में व्यक्त करना

(3) आधार 10 पर सामान्य लघुगणक

(4) पूर्णांश एवं अपूर्णांश

(5) प्रतिलघुगणक का अर्थ

(6) लघुगणकों के नियम

(7) लघुगणकीय सारणियों का प्रयोग कर अभिकलन–चक्रवृद्धि ब्याज, जनसंख्या वृद्धि, वस्तुओं का मूल्य ह्रास

(8) आयत, वर्ग, त्रिभुज, समचतुर्भुज, समलम्ब चतुर्भुज एवं समान्तर चतुर्भुज आदि का क्षेत्रफल ज्ञात करने में लघुगणक का प्रयोग

इकाई–2– <u>त्रिकोणमिति–</u> 18 अंक

(1) किसी समकोण त्रिभुज में न्यून कोण A (या दूसरे कोण) का त्रिकोणमितीय अनुपात।

SinA= सम्मुख भुजा / कर्ण CosA=संलग्न भुजा / कर्ण

TanA=SinA/CosA CosecA=1/SinA

SecA=1/CosA CotA=1/TanA

(2) 0^0, 30^0, 45^0, 60^0, $90^0 \pm \theta$, $180^0 \pm \theta$ के कोणों के त्रिकोणमितीय अनुपात।

(3) 30^0, 45^0, 60^0 के कोणों के त्रिकोणमितीय अनुपातके परिणाम ज्यामितीय उपपत्ति विधि द्वारा निकालना।

(4) त्रिकोणमितीय अनुपातों की ऊँचाई एवं दूरी के प्रश्नों के हल में सरल अनुप्रयोग।

इकाई–3–ज्यामिति– 20 अंक

(क) त्रिभुज में असमिका सम्बन्ध–

(1) यदि किसी त्रिभुज की दो भुजाएं बराबर न हों, तो बड़ी भुजा के सामने का कोण बड़ा होता है।

(2) यदि किसी त्रिभुज के दो कोण असमान हों तो, बड़े कोण के सामने की भुजा बड़ी होती है।

(3) किसी त्रिभुज की दो भुजाओं का योगफल तीसरी भुजा से बड़ा होता है।

(4) एक दी हुई रेखा पर एक बिन्दु से जो इस रेखा पर स्थित नही है, डाले गये सभी रेखा खण्डों में लाम्बिक रेखा खण्ड सबसे छोटी होती है।

(5) त्रिभुज के कोण समद्विभाजक एक ही बिन्दु से होकर जाते है।

(6) उस बिन्दु का बिन्दु पथ जो दिये हुये दो बिन्दुओं से समदूरस्थ हो, इन दो बिन्दुओं को मिलाने वाले रेखा खण्ड का लम्ब समद्विभाजक होता है।

(7) उस बिन्दु का बिन्दु पथ जो दी हुयी दो प्रतिच्छेदी रेखाओं से समदूरस्थ हो, इन रेखाओं से बने कोणों को समद्विभाजित करने वाला रेखायुग्म होता है।

(8) त्रिभुज के तीनों शीर्ष लम्ब एक ही बिन्दु से होकर जाते हैं।

(9) त्रिभुज की माध्यिकाएं एक ही बिन्दु से होकर जाती है और यह बिन्दु प्रत्येक माध्यिका को 2:1 के अनुपात में विभाजित करता है।

(10) त्रिभुज की भुजाओं के लम्ब समद्विभाजक एक ही बिन्दु से होकर जाते हैं।

(ख) समान्तर चतुर्भुज

(1) समान्तर चतुर्भुज के सम्मुख भुजाएं बराबर होती है।

(2) समान्तर चतुर्भुज के सम्मुख कोण बराबर होते हैं।

(3) समान्तर चतुर्भुज के विकर्ण परस्पर समद्विभाजित करते हैं।

(4) एक चतुर्भुज समान्तर चतुर्भुज होता है, यदि उसके सम्मुख कोण परस्पर बराबर हों।

(5) एक चतुर्भुज समान्तर चतुर्भुज होता है, यदि इसकी सम्मुख भुजाएं परस्पर बराबर हों।

(6) यदि किसी चतुर्भुज के विकर्ण परस्पर समद्विभाजित करते हों तो वह समान्तर चतुर्भुज होता है।

(7) चतुर्भुज समान्तर चतुर्भुज होता है, यदि इसकी सम्मुख भुजाओं का एक युग्म परस्पर बराबर एवं समान्तर हो।

(8) आयत के विकर्ण समान लम्बाई के होते हैं।

(9)यदि समान्तर चतुर्भुज के विकर्ण बराबर हो, तो वह एक आयत होता है।

(10) समचतुर्भुज के विकर्ण परस्पर लम्ब होते हैं।

(11) यदि समान्तर चतुर्भुज के विकर्ण परस्पर लम्ब हो तो वह एक समचतुर्भुज होता है।

(12) वर्ग के विकर्ण समान लम्बाई के और परस्पर लम्ब होते हैं।

(13) यदि एक समान्तर चतुर्भुज के विकर्ण समान लम्बाई के और परस्पर लम्ब हो, तो वह वर्ग होगा।

(14) त्रिभुज की दो भुजाओं के मध्य बिन्दुओं को मिलाने वाला रेखाखण्ड तीसरी भुजा के समान्तर और लम्बाई में उसका आधा होता है।

(15) त्रिभुज की एक भुजा के मध्य बिन्दु से एक अन्य भुजा के समान्तर खींची गयी रेखा तीसरी भुजा को उसके मध्य बिन्दु पर प्रतिच्छेदित करती है।

(16) यदि तीन या तीन से अधिक समान्तर रेखाएं हो और उनके द्वारा एक तिर्यक रेखा पर बनाये गये अन्तः खण्ड बराबर हों, तो किसी अन्य तिर्यक रेखा पर उनके द्वारा बनाये गये अन्तः खण्ड भी बराबर होंगे।

(ग) क्षेत्रफल

(1) समान्तर चतुर्भुज का प्रत्येक विकर्ण उसे दो बराबर क्षेत्रफल वाले त्रिभुजों में बॉटता है।

(2) एक ही आधार पर और समान समान्तर रेखाओं के बीच समान्तर चतुर्भुजों के क्षेत्रफल बराबर होते हैं।

(3) एक ही आधार और समान समान्तर रेखाओं के बीच के त्रिभुजों के क्षेत्रफल बराबर होते हैं।

(4) यदि दो त्रिभुजों के क्षेत्रफल बराबर हों, और एक त्रिभुज की एक भुजा, दूसरे त्रिभुज की एक भुजा के बराबर हो तो उनके संगत शीर्ष लम्ब बराबर होते हैं।

इकाई–4–निर्देशांक ज्यामिति : 12 अंक

(1) दो बिन्दुओं के बीच की दूरी

(2) रेखा खण्डों को दिये हुये अनुपात में विभाजन करने वाले बिन्दुओं के निर्देशांक।

(3) त्रिभुज का क्षेत्रफल

प्रोजेक्ट कार्य

नोट– निम्नलिखित में से कोई तीन प्रोजेक्ट प्रत्येक छात्र से तैयार करायें। अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट अपने स्तर से भी दे सकते हैं।

- अपनी कक्षा के छात्रों की ऊॅचाई और भार का सर्वे कीजिए तथा ऊॅचाई और भार का सम्बन्ध बताइए।
- विभिन्न ज्यामितीय आकृतियों की वास्तुकला एवं निर्माण में भूमिका का अध्ययन करना।
- मध्यकाल के किसी एक भारतीय गणितज्ञ (आर्यभट्ट, श्रीधराचार्य, महावीराचार्य आदि) के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालना।
- अपने घर के आय–व्यय का बजट बनाना।
- π (पाई) की खोज।
- बीजगणितीय सर्वसमिकाओं जैसे $(a+b)^2=a^2+2ab+b^2$,$(a-b)^2=a^2-2ab+b^2$ का क्रियात्मक निरूपण करना।
- बैंक में खोले जाने वाले विभिन्न प्रकार के खातों एवं उनकी ब्याज दरों का अध्ययन करना।
- समाचार पत्र के माध्यम से किन्ही तीन गल्ला मंडियों के अनाजभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- गणित का अर्थशास्त्र से सम्बन्ध।
- समतल या गत्ता काटकर विभिन्न चतुर्भुजीय आकृतियॉ बनाना एवं उनकी विशेषताएँ लिखना।

प्रारम्भिक गणित

कक्षा–9

एक प्रश्नपत्र 70 अंकों का तथा समय 3 घण्टे होगा।

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र– 70 अंक

प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यॉकन– 30 अंक

.....

योग– **100 अंक**

प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यॉकन में 15 अंक प्रोजेक्ट कार्य हेतु तथा 15 अंक मासिक परीक्षा हेतु निर्धारित किया गया है।

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र हेतु इकाईवार अंक विभाजन

इकाई–1– बट्टा– 08 अंक

इकाई–2– सांख्यिकी– 12 अंक

इकाई–3– बीजगणित– 20 अंक

इकाई–4– ज्यामिति– 14 अंक

इकाई–5– मेन्सुरेशन– 16 अंक

.....

कुल– **70 अंक**

इकाई–1– बट्टा 08 अंक

इकाई–2– सांख्यिकी 12 अंक

(1) ऑकड़ों का सारणीयन, बारम्बारता, संचयी बारम्बारता बंटन

(2) सांख्यिकी ऑकड़ों का लेखाचित्रीय निरूपण–दण्ड चार्ट, पाई चार्ट, आयत चित्र, बारम्बारता बहुभुज, संचयी बारम्बारता आरेख

इकाई–3– बीजगणित 20 अंक

(1) सूत्रों की पुनरावृत्ति– $(a\pm b)^2$, a^2-b^2, $(a\pm b)^3$

(2) गुणनखण्ड सर्वनिष्ठ तथा समूह विधि द्वारा दो वर्गों के अन्तर का व्यंजक, द्विघात त्रिपद व्यंजक (मध्यपद को दो–दो भागों में बॉटकर, दो घनों का योग तथा अन्तर के व्यंजक)

इकाई–4– ज्यामिति 14 अंक

(क) त्रिभुजों में असमिका सम्बन्ध

(1) यदि किसी त्रिभुज की दो भुजाऍ बराबर न हो तो बड़ी भुजा के सामने का कोण बड़ा होता है। (उपपत्ति सहित)

(2) किसी त्रिभुज में दो भुजाओं का योगफल तीसरी भुजा से बड़ा होता है।

(3) समकोण त्रिभुज की भुजाओं बौधायन–पाइथागोरस सम्बन्ध समकोण बनाने वाली भुजाओं के वर्गों का योगफल कर्ण के वर्ग के बराबर होता है। पाइथागोरस संख्या (3,4,5) (5,12,13) (7,24,25) (8,15,17) इत्यादि।

(ख) रचनाऍ–

(1) त्रिभुज की रचना–

(क) भु0को0भु0, को0को0भु0, भु0भु0भु0 समकोण, कर्ण एक भुजा पर आधारित रचनाऍ।

(ख) निम्नलिखित त्रिभुज की रचना–

1– आधार, आधार कोण तथा शेष दो भुजाओं का योग।

2– आधार, आधार कोण तथा शेष दो भुजाओं का अन्तर।

3– त्रिभुज का परिमाप तथा आधार कोण।

(2) चतुर्भुज की रचना–

(क) चार भुजाएँ और एक विकर्ण

(ख) तीन भुजाएँ तथा दोनों विकर्ण

(ग) दो संलग्न भुजाएँ और उनके बीच का कोण तथा अन्य दो कोण

(घ) तीन भुजाएँ और दो मध्यस्थ कोंण

(ङ) आयत तथा वर्ग की रचना

इकाई–5– मेन्सुरेसन 16 अंक

1–त्रिभुज, आयत, वर्ग और समलम्ब के परिमाप तथा क्षेत्रफल

2–घन, घनाभ का विकर्ण, सम्पूर्ण पृष्ठ तथा आयतन

प्रोजेक्ट कार्य

नोट– निम्नलिखित में से कोई तीन प्रोजेक्ट प्रत्येक छात्र से तैयार करायें। अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट अपने स्तर से भी दे सकते हैं।

- अपने घर के आय–व्यय का बजट बनाना।
- कम से कम दो स्टोर का भ्रमण कीजिए तथा वस्तुओं के क्रय मूल्य, अंकित मूल्य, विक्रय मूल्य, छूट, लाभ तथा हानि की जॉच पड़ताल कीजिए।
- विभिन्न ज्यामितीय आकृतियों की वास्तुकला एवं निर्माण में भूमिका का अध्ययन करना।
- मध्यकाल के किसी एक भारतीय गणितज्ञ (आर्यभट्ट, श्रीधराचार्य, महावीराचार्य आदि) के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालना।
- समाचार पत्र का अध्ययन करके शेयर और बट्टे पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करना।
- π (पाई) की खोज।
- बीजगणितीय सर्वसमिकाओं जैसे $(a+b)^2=a^2+2ab+b^2$, $(a-b)^2=a^2-2ab+b^2$ का क्रियात्मक निरूपण करना।
- पाइथागोरस प्रमेय की दैनिक जीवन में उपयोगिता।
- गणित के अध्ययन में कम्प्यूटर का महत्व।
- समतल या गत्ता काटकर विभिन्न चतुर्भुजीय आकृतियॉ बनाना एवं उनकी विशेषताएँ लिखना।

सामाजिक विज्ञान

कक्षा – (IX)

पाठ्यक्रम – एक प्रश्नपत्र

एक प्रश्नपत्र 70 अंक का तथा समय तीन घण्टे होगा।

अनुभाग – 1 – ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत 20 अंक

इकाई – 1 08 अंक

(क) भारत में प्रारम्भिक सभ्यता का विकास

(ख) जनपदों से साम्राज्य तक

(ग) छोटे राज्यों का उदय

इकाई –2 07 अंक

(क) सुल्तनत कालीन भारत

(ख) मुगलकालीन भारत

इकाई –3 मानचित्र कार्य 05 अंक

अनुभाग–2 नागरिक जीवन 15 अंक

इकाई – 1 08 अंक

(क) भारतीय संविधान

(ख) भारत में लोकतंत्र

इकाई – 2 07 अंक

(क) स्थानीय स्तर पर शासन

(ख) राष्ट्रीय चुनौतियां एवं अपेक्षायें

अनुभाग–3 पर्यावरणीय अध्ययन 20 अंक

इकाई – 1 08 अंक

(क) पर्यावरणीय संरचना

(ख) पर्यावरण का भौतिक स्वरूप

इकाई – 2 07 अंक

(क) प्राकृतिक संसाधन

(ख) मानवीय संसाधन

इकाई – 3 मानचित्र कार्य 05 अंक

अनुभाग–4 आर्थिक विकास 15 अंक

इकाई – 1 10 अंक

(क) अर्थव्यवस्था एक अध्ययन

(ख) भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वरूप

इकाई – 2 05 अंक

(क) भारतीय अर्थव्यवस्था के संकेतक

प्रोजेक्ट कार्य 15 अंक

आन्तरिक मासिक परीक्षण 15 अंक

नोटः– प्रोजेक्ट कार्य का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा।

अनुभाग – एक – ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत 20 अंक

इकाई –1 08 अंक

(क) भारत में प्रारम्भिक सभ्यता का विकास–

(I) खाद्य संग्रहण एवं पशुचारण से कृषि तक

(II) विश्व की नदी घाटी की सभ्यताओं का सामान्य परिचय

(III) हड़प्पा सभ्यता

(IV) वैदिक समाज एवं संस्कृति

(V) जैन धर्म तथा बौद्ध धर्म का प्रभाव

(ख) जनपदों एवं साम्राज्य का विकास–

(I) जनपदो की राजनीतिक प्रतिद्वन्द्विता तथा महाजनपद

(II) साम्राज्य का विकास – मौर्य साम्राज्य (चन्द्रगुप्त मौर्य, अशोक)
गुप्त साम्राज्य (आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास)

(III) हर्ष कालीन उपलब्धियॉ

(ग) छोटे राज्यों का उदय –

(I) सामन्तवाद – तत्कालीन राजपूतों का उत्कर्ष

(II) सामाजिक एवं सांस्कृतिक उपलब्धियॉ

(III) दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश – सांस्कृतिक उपलब्धियॉ

इकाई – 2 07 अंक

(क) सुल्तनतकालीन भारत

(I) दिल्ली सुल्तनत – स्थापना एवं सुदृढ़ीकरण

(II) सुल्तनत कालीन प्रशासनिक उपलब्धियॉ

(III) तत्कालीन समाज एवं संस्कृति (धार्मिक सहिष्णुता सूफी तथा भक्ति आन्दोलन)

(ख) मुगलकाल में भारत

(I) शेरशाह की उपलब्धियॉ

(II) मुगलों का योगदान (सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक क्षेत्र)

(III) मराठा शक्ति का अभ्युदय

इकाई – 3 मानचित्र कार्य 05 अंक

अनुभाग– दो –नागरिक जीवन 15 अंक

इकाई – 1 08 अंक

(क) भारतीय संविधान

(I) संविधान का निर्माण (प्रस्तावना)

(II) संविधान की मुख्य विशेषतायें

(III) मूल अधिकार नीति निदेशक तत्व एवं मौलिक कर्तव्य

(ख) भारत में लोकतन्त्र

(I) लोकतन्त्र– एक परिचय

(II) सार्वभौम वयस्क मताधिकार एवं निर्वाचन– प्रक्रिया

(III) भारतीय लोकतन्त्र में राजनीतिक दलों की भूमिका

(IV) जनमत निर्माण, मानवाधिकार एवं सूचना का अधिकार

इकाई – 2 07 अंक

(क) स्थानीय स्तर पर शासन–

(I) स्थानीय स्तर के शासन का महत्व (पंचायती राज व्यवस्था)

(II) ग्राम पंचायत/क्षेत्र पंचायत/जिला पंचायत

(III) नगर प्रशासन–नगर पंचायत, नगर पालिका, परिषद, नगर निगम

(ख) राष्ट्रीय चुनौतियॉ एवं अपेक्षायें–

(I) चुनौतियॉ बढ़ती जनसंख्या, बेरोजगारी, निरक्षरता, पर्यावरण असंतुलन, साम्प्रदायिकता, जातिवाद, क्षेत्रवाद, निर्बल वर्ग एवं महिला का विकास

(II) अपेक्षायें–अनेकता में एकता, सर्वधर्म समभाव, लैंगिक समानता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण

<u>अनुभाग– तीन –पर्यावरणीय अध्ययन</u> 20 अंक

<u>इकाई – 1</u> 08 अंक

(क) पर्यावरणीय संरचना –

(I) पर्यावरण का तात्पर्य, महत्व तत्व–स्थल, वायु, जल एवं जैविक स्वरूप

(II) पारिस्थितिकीय तंत्र– संरचना महत्ता एवं संतुलन

(III) पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण

(ख) पर्यावरण का भौतिक स्वरूप –

(I) स्थल मण्डल– रचना, परिवर्तनकारी शक्तियॉ

(1) आन्तरिक वलन, भ्रंशन, भूकम्प एवं ज्वालामुखी

(2) वाह्य– ऋतु अपक्षय, पवन, बहता जल हिमानी, लहरें

(II) वायु मण्डल–

(1) संरचना, सूर्यातप, तापकटिबन्ध, वाष्पीकरण– संघनन–वर्षा एवं वितरण

(2) मौसम एवं जलवायु

(3) जलवायु का मानव जीवन पर प्रभाव

(III) जल मण्डल– रचना, जल के स्त्रोत

(1) महासागर, मग्नतट, ढाल, गर्त, मैदान

(2) स्थलीय जल स्त्रोत एवं अधौभौमिक जल एवं वर्तमान स्थिति

(IV) जैव मण्डल– तात्पर्य, घटक, घटकों में बढ़ता असंतुलन एवं प्रभाव

(V) पर्यावरण का प्रदूषण

(1) वायु, जल, मृदा, ध्वनि, भूमि एवं जैव प्रदूषण–कारण तथा प्रभाव

(अपशिष्ट पदार्थों द्वारा प्रदूषण के विशेष सन्दर्भ में)

<u>इकाई – 2</u> 07 अंक

(क) प्राकृतिक संसाधन–

संसाधन का तात्पर्य मुख्य संसाधन–भूमि, मृदा, वन, पशु, मत्स्य, खनिज, ऊर्जा संसाधन, जल, खनिज तेल, आणविक खनिज, कोयला, लकड़ी एवं ऊर्जा के वैकल्पिक साधन, सामान्य परिचय

(ख) मानवीय संसाधन–

(I) जनसंख्या–घनत्व, वितरण

(II) बढ़ती जनसंख्या की समस्यांए– निरक्षरता, गरीबी, बेरोजगारी, अपराध, खाद्यान्न–आपूर्ति में कमी, कुपोषण, सामान्य परिचय

(III) जनसंख्या नियंत्रण की आवश्यकता एवं अपनाये गये उपाय

<u>इकाई – 3 मानचित्र कार्य</u> 05 अंक

अनुभाग–चार–आर्थिक विकास

15 अंक

इकाई–1 10 अंक

(क) अर्थव्यवस्था एक अध्ययन–

(I) अर्थव्यवस्था का तात्पर्य एवं प्रकार–पूंजीवादी, समाजवादी मिश्रित

(II) अर्थव्यवस्था के मूल आधार–उत्पादन, उत्पादन के साधनों में समन्वय, उपभोक्ता की अपेक्षाएँ

(ख) भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वरूप

(I) भारतीय अर्थव्यवस्था की मूल प्रवृत्तियॉ– आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक विकास

(II) भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्र

(1) स्वामित्व के अनुसार– निजी, सार्वजनिक, मिश्रित

(2) व्यवसाय के अनुसार– प्राथमिक कृषि, खनन, मत्स्य पशुपालन

द्वितियक– निर्माण, विद्युत, गैस और जल

तृतीयक– बैंक, बीमा सेवाएं अन्य सेवाएं, बौद्धिक–सभ्यता सहित

इकाई –2 05 अंक

भारतीय अर्थव्यवस्था के संकेतक–

(I) सुविकसित सामाजिक एवं आर्थिक विकास

(II) सामाजिक विकास के संकेतक– शिक्षा, (प्रशिक्षण–अनुसंधान), स्वास्थ्य, आवास, जीवन प्रत्याशा, नागरिक सुविधाएं, सुरक्षा, संरक्षा, शान्ति एवं जीवनयापन की सुविधाएं उपभोक्ता जागरूकता, परिवहन

(III) आर्थिक विकास के संकेतक–परिवहन एवं संचार तंत्र, विद्युत और सिंचाई, मौद्रिक एवं वित्तीय संस्थाएं– देशी बैंकर या साहूकार, रिजर्व बैंक, वाणिज्यिक बैंक, विशिष्ट वित्तीय संस्थाएं, गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थाएं

(IV) विकास की दृष्टि से विश्व में भारत की स्थिति।

प्रोजेक्ट–सूची

पूर्णांक– 15

आवश्यक निर्देशः–

1. प्रोजेक्ट बनाने में चित्रों, मानचित्रों, रेखाचित्रों, तालिकाओं, आंकड़ों का प्रयोग अवश्य करें।
2. कुल तीन प्रोजेक्ट बनाने हैं प्रोजेक्ट अलग–अलग विषय से सम्बन्धित होना चाहियें।
   प्रत्येक प्रोजेक्ट के 05 अंक निर्धारित हैं।
3. दिये गये प्रोजेक्ट के अतिरिक्त शिक्षक/शिक्षिका स्वयं अपने स्तर से अन्य प्रोजेक्ट भी बनवा सकते हैं।

———————————————————————————————

1. हड़प्पा सभ्यता की सामाजिक (खान–पान, वस्त्र विन्यास, नगर–योजना) धार्मिक जीवन का वर्तमान सामाजिक धार्मिक से सह सम्बन्ध।
2. पुरा पाषाण काल, मध्यकाल और नवयुग के औजारों की तालिका एवं उनका उपयोग।
3. मिश्र की स्थापत्य कला के अन्तर्गत पिरामिड–
4. सुल्तनत एवं मुगल स्थापत्य कला की तुलनात्मक सारिणी–

5. पाषाण युगीन संस्कृति का क्षेत्र, काल एवं प्रमुख स्थलों का अंकन (चित्र, मानचित्र की सहायता से)
6. अपने स्कूल– पुस्तकालय से भारतीय संविधान की प्रति प्राप्त कर भारतीय संविधान के मुख्य भागों की सूची बनाइये।
7. क्या आपके पास–पड़ोस के सभी बच्चे विद्यालय जाते है जो बच्चे विद्यालय नहीं जाते है–कारण ज्ञात कीजिए।
8. भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की भूमिका (पक्ष–विपक्ष)
9. आपके राज्य में मानवाधिकार आयोग की भूमिका–मानवाधिकार उल्लंघन से सम्बन्धित मामलों की सूची–
10. भारतीय संस्कृति में अनेकता में एकता का महत्व एवं आवश्यकता तथा सर्व धर्म समभाव।
11. स्थानीय स्तर के शासन (पंचायती राज व्यवस्था) का महत्व एवं कार्य।
12. विश्व में स्थल मण्डल तथा जल मण्डल का विस्तार, महाद्वीपों, महासागरों के नाम की सूची, मानचित्र पर प्रदर्शन।
13. पारिस्थितिकीय तंत्र में ऊर्जा प्रवाह, अपने आस–पास स्थित जैविक अजैविक घटकों की सूची।
14. भारत के प्रमुख संसाधन– प्रकार, उपयोगिता, स्थानीय रूप से प्राप्त प्राकृतिक संसाधनों की सूची।
15. अपने क्षेत्र की स्त्री/पुरूषों, बालक/बालिकाओं की जनगणना, स्त्री पुरूष साक्षरता प्रतिशत ज्ञात करना तथा निरक्षरता दूर करने हेतु अपने स्तर पर किये गये प्रयासों की सूची
16. वैश्विक तपन–कारण तथा परिणाम, नियंत्रण के उपाय (विशेषकर वनों के ह्रास के सन्दर्भ में)
17. जल प्रदूषण– प्रदूषण के कारण, प्रभाव तथा रोकथाम के उपाय में आपकी भूमिका।
18. जीवन यापन के लिए अर्थ का महत्व, इसके अभाव में उठने वाली कठिनाईयां, दूर करने के उपाय।
19. निम्नलिखित बिन्दुओं पर प्रकाश डालते हुये उपभोक्ता जागरूकता पर एक प्रोजेक्ट रिपोर्ट लिखियें।

    वस्तुओं के बाजार
    वस्तुओं के मूल्य
    वस्तुओं में मिलावट
    वस्तुओं में मुनाफाखोरी
    कालाबाजारी
    वस्तुओं की कम नापतौल
    झूठे व भ्रामक विज्ञापन से उपभोक्ता का शोषण
    उपभोक्ता फोरम
    उपभोक्ता के अधिकार और कर्तव्य

20. भारत में ग्रामीण व शहरी अर्थव्यवस्था में आय व सम्पत्ति के वितरण में व्याप्त तीव्र आर्थिक असमानता, इसके कारण तथा प्रभावों का विश्लेषण तथा समाधान।
21. यातायात तथा संचार के साधनों की आवश्यकता पर एक प्रोजेक्ट लिखिये।
22. अपने विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था पर एक प्रोजेक्ट लिखिये।
23. यदि विद्युत या बिजली की खोज न होती तो क्या–क्या चीजें न होती। इसकी सूची तैयार कीजिये।

वाणिज्य

कक्षा–9 के लिए

पाठ्यक्रम

इस विषय में 70 अंक का केवल एक प्रश्न पत्र तीन घण्टे का होगा।

इस विषय में 70 अंक की लिखित परीक्षा तथा 30 अंक का प्रायोगिक व आन्तरिक मूल्यांकन होगा। प्रायोगिक आन्तरिक मूल्यांकन में 15 अंक का प्रोजेक्ट कार्य तथा 15 अंक को मासिक परीक्षा हेतु निर्धारित किया गया है। प्रोजेक्ट कार्य का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा। लिखित परीक्षा हेतु अंक विभाजन निम्नवत् हैः–

1– दोहरा लेखा प्रणाली का तात्विक सिद्वान्त व व्यवहार, आधुनिक पाश्चात्य बही खाता प्रणाली के अनुसार प्रारम्भिक लेखे की पुस्तकें केवल रोजनामचा व रोकड़ बही, खतौनी व तलपट भारतीय बही खाता प्रणाली, रोकड़ बही व जमा तथा नाम नकल बही। **20 अंक**

2– व्यापारिक कार्यालय का संगठन व कार्य प्रणाली आने–जाने वाले पत्रों का लेखा, प्रतिलिपिकरण, पूछ–तांछ व आदेश सम्बन्धी पत्र–व्यवहार। **20 अंक**

3– मुद्रा इतिहास, परिभाषा कार्य, भारत में मुद्रा प्रणाली का समान परिचय। **15 अंक**

4– अर्थशास्त्र की परिभाषा, क्षेत्र, अर्थशास्त्र से सम्बन्धित शब्दावली जैसे उपयोगिता, धन कीमत मूल्य आदि। आवश्यकताओं का वर्गीकरण एवं लक्षण। **15 अंक**

निर्धारित पुस्तक–

कोई भी पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नही की गयी है। विद्यालयों के प्रधान विषय के अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें

विषय–वाणिज्य

प्रोजेक्ट कार्य एवं आंतरिक मूल्यांकन **15+15=30**

नोट–दिये गये प्रोजेक्ट सूची में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार करायें। प्रत्येक खण्ड में से एक प्रोजेक्ट कराना अनिवार्य है। शिक्षक विषय से संबंधित अन्य प्रोजेक्ट कार्य अपने स्तर से भी दे सकते हैं। प्रत्येक प्रोजेक्ट–05 अंक का होगा। 15 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर मासिक परीक्षण द्वारा होगा।

1– पुस्तकालय व लेखाकर्म।

2– दोहरा लेखा प्रणाली–परिचय/सिद्वान्त।

3– रोजनामचा आशय व लेखाकर्मो के नियम।

4– तलपट बनाने की विधियॉ।

5– भारतीय बही खाता प्रणाली–कच्ची रोकड़ बही।

6– भारतीय बही खाता प्रणाली– पक्की रोकड़ बही।

7– जमा व नाम नकल बही।

8– व्यापारिक कार्यालय के कार्य।

9– प्रतिलिपिकरण की प्रणालियॉ।

10– व्यापारिक पत्र के मुख्य अंग।

11– मुद्रा का जन्म व विकास।

12– मुद्रा के कार्य।

13– भारतीय मुद्रा प्रणाली का सामान्य परिचय।

14– अर्थशास्त्र के विभाग।

15– अर्थशास्त्र के अध्ययन से विभिन्न वर्गो के लाभ।

चित्रकला

कक्षा–9

इस विषय में 70 अंको का केवल एक प्रश्नपत्र तीन घन्टे का होगा।

प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभक्त होगा,जिसमें से किसी दो खण्डों के प्रश्न करने होंगे।

खण्ड–क(प्राविधिक) **35 अंक**

इस खण्ड में कुल पॉच प्रश्न होंगे,जिसमें से कुल तीन प्रश्न करने होंगे। 15 अंको का अक्षर लेखन अनिवार्य होगा। शेष प्रश्न 10–10 अंको के होंगे।

1– रेखाओं तथा कोणो पर आधारित ज्यामितीय निर्देश।

2– अनुपात तथा समानुपात (रेखा तथा कोण)।

3– त्रिभुज (समद्विबाहु,समबाहु आदि)।

4– चर्तुभुज (वर्ग,आयत,पतंगाकार आदि)।

5– बहुभुज (पंचभुज आदि)।

6– अक्षर लेखन (बडे अक्षर एवं तिरछे)।

खण्ड–ख (आलेखन) **35 अंक**

दिये गये वर्ग अथवा आयत में एक या दो आवृत्ति के किसी भारतीय पुष्प (कमल,सूरजमुखी,गुलाब,कनेर,जीनिया,डहेलिया आदि) पर आधारित मौलिक आलेखन वस्त्र पर छपाई (टेक्सटाइल डिजाइन) अथवा अल्पना के दृष्टिकोण से तैयार करना।

चित्र दो सपाट रंगो में पूर्ण किया जाये।

खण्ड–ग (मानव आकृति) **35 अंक**

साधरण पृष्ठ भूमि में सम्पूर्ण आकृति के एक वर्गीय (मोनोक्रोम) चित्रांकन, बालक,किशोर,युवा अथवा वृद्ध (स्त्री,पुरूष) का स्मृति से दिये गये विषय के अनुसार चित्र बनाया जाये। चित्र पेंसिल,क्रेयान अथवा काली स्याही (ब्लैक स्केच पेन) से लगभग पूरे पृष्ठ पर बनाया जाये। मानव शरीर एवं उसके विविध अंगों के अनुपात पर ध्यान दिया जाय।

प्रोजेक्ट कार्य

कक्षा–9

नोट–परियोजना कार्य तीन खण्डों में विभक्त होगा,जिसमें से किन्हीं दो खण्डों से तीन परियोजना कार्य पूर्ण करना अनिवार्य है। प्रत्येक परियोजना कार्य पॉच अंक का है। इसके अतिरिक्त 15 अंक मासिक परीक्षा के लिए निर्धारित है।

परियोजना कार्य सैद्धान्तिक,तकनीकी कौशल तथा माध्यम (जलरंग, पोस्टर रंग, पेंसल, चारकोल, क्रेयान, इंक आदि) के उपयुक्त प्रयोग पर आधारित होगा।

परियोजना कार्य में संयोजन,सौन्दर्य (आकर्षण) अनुपात, लय के सिद्धान्तों का ध्यान रखते हुए पूर्ण किया जाय।

खण्ड–क (प्राविधिक)

1– रेखाओं एवं कोणों पर आधारित किसी वास्तु (आर्कीटेक्चर) की परिकल्पना करें और उसके पार्श्व को ज्यामितीय आधार पर पूर्ण करें जिससे यह ज्ञात हो कि ज्यामितीय ज्ञान का व्यवहारिक उपयोग विद्यार्थी कर सकेगा।

2– त्रिभुज एवं उसके वैविध्य का ज्ञान पर बने हेतु सिटी स्केप,लैण्ड स्केप के ज्यामितीय आरेख बनाए जो पूर्णतः त्रिभुजाकार में हो।

3– वर्ग/आयत (चतुर्भुज) के क्षेत्रफल ज्ञात करने की विधि को उदाहरण सहित व्यक्त करें जिससे यह ज्ञात हो कि विद्यार्थी इसका व्यवहारिक उपयोग कर सकेगा।

4– बहुभुज की उपयोगिता को सिद्ध करने वाले कोई 10 उदाहरण दें और उसे सचित्र वर्णन करें।

5– विद्यार्थी के अक्षर लेखन (Calligraphy) के परख करने के लिए कम से कम बीस वाक्य लिखें जो कलात्मक,कोंणात्मक,तिरछा,अलंकारिक आदि प्रकार के हों।

खण्ड–ख (आलेखन)

6– आलेखन की उपयोगिता को रेखांकित करते हुए किसी वर्ग अथवा आयत में भारतीय पुष्पों के साथ एक मौलिक वस्त्र छपाई (टेक्सटाइल डिजाइन) की रचना करें।

7– कोई अल्पना या रंगोली की रचना करें जो चूर्णित,शुष्क एवं आर्द्र माध्यम के साथ पूर्ण किया जाय।

8– अलंकारिक एवं ज्यामितीय आलेखन की रचना करें,उसे जलरंग द्वारा पूर्ण करें।

9– पेंसिल एवं चारकोल द्वारा आलेखन तैयार करें जिसमें रंग का उपयोग न हो किन्तु आकर्षण एवं लय की स्थिति कायम रहे।

10– पोस्टर कलर अथवा वैक्स कलर के साथ अल्पना की रचना करें (वैक्स का टेक्चर यथावत रखें उसे मिलाए नहीं)।

खण्ड–ग (मानव आकृति)

11– एक वर्णीय (मोनोक्रोम) चित्रण पद्धति द्वारा बालक,किशोर,वृद्ध पुरूष की मानव आकृति सृजित करें।

12– पेंसिल,चारकोल,वैक्स द्वारा बालिका,किशोरी एवं वृद्धा की आकृति सृजित करें।

13– पेंसिल अथवा पेन द्वारा कार्यरत मानव आकृति का शीघ्रता में रेखांकन किया जाय जिसमें गति का बोध हो।

14– स्त्री,पुरूष बालक–बालिका के शरीरानुपात को ध्यान में रखते हुए जलरंगी चित्रण करें।

15– किसी स्त्री–पुरूष, बच्चा–बच्ची का वास्तविक चित्र अंकित करे तथा पुनः उसी को कार्टून में परिवर्तित करे।

रंजन कला

कक्षा–9

इस विषय में 70 अंको का केवल एक प्रश्नपत्र तीन घन्टे का होगा प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभक्त होगा जिसमें से किन्ही दो खण्डों के प्रश्न हल करने होगें।

खण्ड–क (चित्र संशोधन) **35 अंक**

भारतीय चित्रण शैली अथवा स्वतन्त्र शैली में काल्पनिक चित्र जिसमें कम से कम एक मानव आकृति एवं पृष्ठ भूमि में साधारण दृश्य अंकित किये जायें। दिये जल रंग अथवा पोस्टर रंग में तैयार किया जाय। चित्र लगभग पूरे पृष्ठ पर बनाया जाय।

खण्ड–ख (वस्तु चित्रण) **35 अंक**

साधारण जीवन में दैनिक उपभोग की घरेलू वस्तुएँ,पालतू जानवर,शाक–सब्जी और फल–फूल आदि किन्हीं दो वस्तुओं का स्मृति से चित्र,छाया प्रकाश दर्शाते हुए अंकित करना। चित्र एक वर्ण (मोनोक्रोम) पेंसिल, क्रेयान, काली स्याही में चित्रित किया जाय।

खण्ड–ग (चित्रकला के मूलतत्व) **35 अंक**

इस खण्ड में पॉच प्रश्न होंगे जिसमें से कुल तीन प्रश्न करने होंगे।

1– रेखा (Line) 2– रंग या वर्ण (Colour) 3– तान (Tone) 4– पोत (Texture) 5– आकृति (Form) 6– अन्तराल (Space) 7– षडाँग (चित्रकला के 6 अंग)

पुस्तकें–कोई भी पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यालयों के प्रधान विषय के अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक

प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत 15 अंक प्रोजेक्ट कार्य के लिये तथा 15 अंक मासिक परीक्षा के लिए निर्धारित है। जिसका मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

प्रोजेक्ट कार्य की सूची

नोट– निम्नलिखित में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार करायें अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट भी दे सकते है। प्रत्येक प्रोजेक्ट 5 अंक का है।

निम्नलिखित कथनों के रंगीन पोस्टर बनाकर घर में एवं विद्यालय में लगायें।

1– जल ही जीवन है।

2– अधिक अन्न उपजाओ।

3– सच बोलो।

4– प्रातः उठो।

5– बड़ो का आदर करो।

एवं

6– किसी भारतीय चित्रकार का चित्रकला में योगदान।

कक्षा–9

मानव विज्ञान

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्नपत्र तीन घंटे का होगा।

(पुरातात्विक मानव विज्ञान)

पूर्णांकः 70 अंक

कालांशः 220

इकाई–1

(क) पृथ्वी पर मानव जीवन का आरम्भ एवं भारतीय उपमहाद्वीप में मानव जीवन की कालावधि। **5–अंक**

(ख) आरम्भिक प्रति नूतन काल में मानव जीवन की विद्यमानता के प्रमाण– **10–अंक**

1– मानव जीवाष्म अवशेष।

2– मानव निर्मित उपकरण।

इकाई–2

पृथ्वी पर हिमयुग

(क) काल,अवधि,क्षेत्र,जलवायु परिवर्तन क्रम एवं संख्या,प्राणी जीवन एवं वनस्पतियां **10–अंक**

(ख) हिमयुग के घटित होने के प्रमाण– **10–अंक**

1– हिमनद

2– मोरेन

3– नदी सोपान

(ग) पर्यावरणीय विषमता और मानव अस्तित्व,आवास,भोजन संग्रहण, घुमन्तु जीवन, वृन्द समूह, आत्मभिव्यक्ति हेतु कला का आरम्भ। **10–अंक**

इकाई–3

(क) होमोसील (अतिनूतन काल) की पर्यावरणीय विशेषताएं– **10–अंक**

(ख) उपकरण तथा अन्य प्रमुख सांस्कृतिक उपलब्धियां **5–अंक**

(ग) ऐतिहासिक कालावधि के अंतर्गत मध्यपाषाण,नवपाषाण **10–अंक**

पाठ्य पुस्तकें

कोई भी पुस्तक निर्धारित एवं संस्तुत नही की गयी है। विद्यालय के प्रधान / विषय अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

प्रोजेक्ट कार्य

इस विषय में 30 अंक का प्रायोगिक एवं आंतरिक मूल्यांकन होगा। जिसमें 15 अंक मासिक परीक्षा एवं 15 अंक प्रोजेक्ट कार्य हेतु निर्धारित है। विषय अध्यापक दिये गये प्रोजेक्ट में से तीन प्रोजेक्ट अवश्य तैयार करायें। विषय अध्यापक छात्रहित में अपने स्तर पर कोई अन्य प्रोजेक्ट भी करा सकते हैं।

1– पर्यावरणीय विषमता और मानव अस्तित्व।

2– प्राणी जीवन एवं वनस्पतियॉ।

3– मानव जीवाश्म अवशेष।

4– होमोसील की पर्यावरणीय विशेषतायें।

5– हिमनद एवं हिमयुग।

6– मानव निर्मित उपकरण का वर्गीकरण।

7– घुमन्तु जीवन।

हार्हस्कूल परीक्षा कक्षा–10 (वर्ष 2012)

हाईस्कूल परीक्षा (कक्षा–10)

विषय – हिन्दी

केवल एक प्रश्नपत्र 70 अंकों का होगा जिसके लिए तीन घंटे का समय निर्धारित है।

		अंक
1–	क– हिन्दी गद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय (शुक्ल युग तथा शुक्लोत्तर युग)	5
	ख– हिन्दी पद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय (रीति काल तथा आधुनिक काल)	5
2–	गद्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु से संदर्भ–2 रेखाँकित अंश की ब्याख्या–2 तथ्यपरक प्रश्न–2	2+2+2=6
3–	काव्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु से संदर्भ –1 ब्याख्या –4 काव्य सौन्दर्य –1	1+4+1=6
4–	संस्कृत– गद्यांश अथवा पद्यांश का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद	1+3=4
5–	निर्धारित पाठों के लेखकों तथा कवियों के जीवन परिचय एवं रचनाएं	3+3=6
6–	1– संस्कृत के निर्धारित पाठों से कण्ठस्थ एक श्लोक (जो प्रश्नपत्र में न आया हो)	2
	2– संस्कृत के निर्धारित पाठों पर आधारित दो अति लघुत्तरीय प्रश्नों का संस्कृत में उत्तर	2

7– काव्य सौंदर्य के तत्व– 2+2+2=6

क– रस–(हास्य एवं करूण रस की परिभाषा,उदाहरण,पहचान)

ख– अलंकार– (अर्थालंकार) उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा

ग– छन्द– सोरठा, रोला (लक्षण,उदाहरण,पहचान,)

8– हिन्दी व्याकरण– शब्द रचना के तत्व 3+2+2+2+2=11

(क) उपसर्ग–अ, अन्, अधि, अप, अनु, उप, सह, निर, अभि, परि, सु।

(ख) प्रत्यय–आई, त्व, ता, पन, वा, हट, वट।

(ग) समास– द्वन्द्व, द्विगु, कर्मधारय, बहुव्रीहि।

(घ) तत्सम शब्द,।

(ड.) पर्यायवाची।

9– संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद – 2+2+2+2=8

क– सन्धि–यण, वृद्धि (परिभाषा, उदाहरण, पहचान)

ख– शब्द रूप (सभी विभक्तियों एवं वचनों में)

संज्ञा–फल, मति, मधु, नदी। सर्वनाम–तद, युष्मद्।

ग– धातु रूप (लट्, लोट, लृट, विधिलिड., लड. लकारों में)

पठ, हस्, दृश, पच्।

घ– हिन्दी के सरल वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद।

10– निबन्ध रचना–वैज्ञानिक,सामाजिक,धार्मिक, सांस्कृतिक, आर्थिक समस्याओं पर आधारित एवं जनसंख्या, स्वास्थ्य शिक्षा, पर्यावरण एवं ट्राफिक रूल्स पर आधारित विषय। 6

11– खण्ड काव्य – संक्षिप्त कथावस्तु, घटनाएँ, चरित्र–चित्रण। 3

आन्तरिक मूल्यांकन – प्रत्येक दो माह के अन्तिम सप्ताह में

प्रथम– अगस्त माह में 10 अंक–वाचन (भाषण,वाद–विवाद,विचारों की अभियक्ति आदि)

द्वितीय– अक्टूबर माह में 10 अंक–ब्याकरण सम्बन्धी

तृतीय– दिसम्बर माह में 10 अंक– सृजनात्मक निबन्ध, नाटक, कहानी, कविता अपठित आदि)

अंक योग–30 अंक

(ब) **निर्धारित पाठ्य वस्तु –**

गद्य हेतु

मित्रता	रामचन्द्र शुक्ल
ममता	जयशंकर प्रसाद
क्या लिखूँ	पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी
भारतीय संस्कृति	राजेन्द्र प्रसाद
ईर्ष्या तू न गयी मेरे मन से	रामधारी सिंह दिनकर
अजन्ता	भगवत शरण उपाध्याय
पानी में चन्दा और चाँद	जय प्रकाश भारती

काव्य हेतु

सूरदास	पद
तुलसीदास	धनुष भंग, वन पथ पर
रसखान	सवैये, कवित्त
बिहारी लाल	भक्ति, नीति
सुमित्रानन्दन पंत	चींटी, चन्द्रलोक में प्रथम बार
महादेवी वर्मा	हिमालय से, वर्षा सुन्दरी के प्रति
रामनरेश त्रिपाठी	स्वदेश प्रेम
माखन लाल चतुर्वेदी	पुष्प की अभिलाषा, जवानी
सुभद्रा कुमारी चौहान	झांसी की रानी की समाधि पर
त्रिलोचन	बढ़ अकेला
केदार नाथ सिंह	नदी
अशोक बाजपेयी	युवा जंगल, भाषा एक मात्र अनन्त है

संस्कृत हेतु–

वाराणसी, अन्योक्ति विलासः, वीरः वीरेण पूज्यते, प्रबुद्धो ग्रामीणः, देशभक्तः चन्द्रशेखर, केन किं वर्धते, अंतरिक्ष यात्रा, भारतीया संस्कृतिः, जीवन सूत्राणि।

खण्ड काव्य – (जिलेवार)

खण्ड काव्य के लिये–

निर्धारित पाठ्य वस्तु–

क्रमांक	पुस्तक का नाम	प्रकाशक का नाम	अनुदानित जिले
1–	मुक्तिदूत	अशोक कुमार अग्रवाल 43, चाहचन्द रोड़, इलाहाबाद।	आगरा,बस्ती,गाजीपुर,फतेहपुर,बाराबंकी, उन्नाव।
2–	ज्योति जवाहर	मोहन प्रकाशन, जवाहर नगर, कानपुर।	कानपुर, प्रतापगढ़, मिर्जापुर, ललितपुर, रामपुर, गोंण्डा।
3–	अग्रपूजा	हिन्दी भवन, 63 टैगोर नगर, इलाहाबाद।	इलाहाबाद, आजमगढ़, मथुरा।
4–	मेवाड़ मुकुट	शंकर प्रकाशन, 8/98 आर्य नगर, कानपुर।	बुलन्दशहर, देवरिया, बरेली, सुल्तानपुर, सीतापुर, बहराइच।
5–	जय सुभाष	रोहिताश्व प्रकाशन, 368 मालती सदन,ऐशबाग,लखनऊ।	लखनऊ, सहारनपुर, फैजाबाद, बांदा, झांसी, हरदोई।
6–	मातृ भूमि के लिये	आधुनिक प्रकाशन गृह दारागंज इलाहाबाद।	गोरखपुर, मुरादाबाद, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, मैनपुरी, मुजफ्फरनगर।
7–	कर्ण	बुनियादी साहित्य मन्दिर पटना–4	अलीगढ़, जौनपुर, बलिया, हमीरपुर, एटा।
8–	कर्मवीर भरत	हिन्दुस्तान बुक हाउस, अस्पताल रोड़, परेड़,कानपुर।	मेरठ, फर्रूखाबाद, पीलीभीत, रायबरेली।
9–	तुमुल	इन्डियन प्रेस पब्लिकेशन प्रा0लि0 36,पन्ना लाल रोड़, इलाहाबाद।	वाराणसी, इटावा, बिजनौर, जालौन, बदायूँ।

नोटः– उपर्युक्त के अतिरिक्त अन्य जिलों/नये सृजित जिलों में खण्ड काव्य पूर्व वर्षों की भाँति यथावत् पढ़ाये जायेंगे।

हाईस्कूल परीक्षा कक्षा–10

प्रारम्भिक हिन्दी

(हिन्दी से छूट पाने वाले छात्रों के लिए)

(दो) प्रारम्भिक हिन्दी विषय का पाठ्यक्रम निम्नवत् निर्धारित किया जाता है–

प्रारम्भिक हिन्दी

(एक प्रश्नपत्र 70 अंकों का तथा समय तीन घंटे का होगा)	**अंक**
क– हिन्दी गद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय–	5
(शुक्ल युग एवं शुक्लोत्तर युग–लेखकों एवं रचनाओं के नाम)	
ख– हिन्दी पद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय–	5
(रीतिकाल एवं आधुनिक काल –कवि एवं उनकी कृतियां)	
2– गद्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु से–	2+4+2=8
1– संदर्भ	
2– रेखांकित अंश का अर्थ	
3– तथ्यपरक प्रश्न	
(पाठ–मित्रता,ममता,भारतीय संस्कृति,अजन्ता)	
3– काव्य हेतु निर्धारित पाठ्यवस्तु से संदर्भ सहित अर्थ–	2+6=8
(सूरदास,तुलसीदास,पंत,रामनरेश त्रिपाठी,सुभद्रा कुमारी चौहान)	
4– संस्कृत हेतु निर्धारित पाठ्यवस्तु से–	
1– गद्य अथवा पद्य का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद–	2+4=6
(पाठ–वाराणसी,अन्योक्ति विलास,प्रबुद्धों ग्रामीणः, भारतीया संस्कृतिः,जीवन सूत्राणि)	
2– पाठों पर आधारित संस्कृत में अति लघु उत्तरीय प्रश्न –	2
5– निर्धारित पाठों के लेखकों तथा कवियों के जीवन परिचय एवं रचनाएं संबंधी प्रश्न (लघु उत्तरीय) –	3+3=6
6– काव्य सौंदर्य के तत्व–	2+2+2=6
क– रस–हास्य एवं करूण (परिभाषा व उदाहरण)	
ख– अलंकार–उपमा,रूपक, उत्प्रेक्षा (परिभाषा उदाहरण)	
ग– छन्द–दोहा,चौपाई–लक्षण उदाहरण	
7– हिन्दी व्याकरण–	2+2+2+2+2+2=12
क– समास–कर्मधारय,बहुब्रीहि।	
ख– लोकोक्तियां एवं मुहावरे–अर्थ एवं वाक्य प्रयोग–	
ग– पर्यायवाची शब्द	
घ– विपरीतार्थक शब्द	
ङ– तत्सम तद्भव	
च– वाक्यांशों के लिए एक शब्द की रचना	

8– संस्कृत व्याकरण– 1+2+1=4

क– सन्धि–यण,वृद्धि सन्धि–

ख– शब्दरूप– संज्ञा,फल,मति,पयस–

सर्वनाम–तत्,युष्मद्।

ग– धातु रूप– पठ्, हंस, दृश, पच्

9– निबन्ध– वैज्ञानिक, सांस्कृतिक, सामाजिक समस्याओं पर आधारित तथा स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, जनसंख्या तथा यातायात नियम संबंधी निबन्ध– **8**

(ब)– निर्धारित पाठ्यवस्तु

गद्य हेतु

पाठ	लेखक
मित्रता	रामचन्द्र शुक्ल
ममता	जयशंकर प्रसाद
भारतीय संस्कृति	राजेन्द्र प्रसाद
अजन्ता	भगवत् शरण उपाध्याय

काव्य हेतु

सूरदास	पद
तुलसीदास	धनुष भंग, वन पथ पर
सुमित्रानन्दन पंत	चींटी, चन्द्रलोक में प्रथम बार
रामनरेश त्रिपाठी	स्वदेश प्रेम
सुभद्रा कुमारी चौहान	झॉसी की रानी की समाधि पर

संस्कृत हेतु

पाठ– वाराणसी, अन्योक्ति विलासः, प्रबुद्धों ग्रामीणः, भारतीया संस्कृतिः, जीवन सूत्राणि।

आन्तरिक मूल्यांकन – प्रत्येक दो माह के अन्तिम सप्ताह में

प्रथम– अगस्त माह में 10 अंक–वाचन (भाषण,वाद–विवाद, आदि)

द्वितीय– अक्टूबर माह में 10 अंक–ब्याकरण सम्बन्धी

तृतीय– दिसम्बर माह में 10 अंक– सृजनात्मक–निबन्ध, नाटक, कहानी आदि।

गुजराती

(कक्षा–10)

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न–पत्र तीन घंटे का होगा।

भाग–(अ) 35 अंक

1–व्याकरण 15 अंक

(क) वचन परिवर्तन 05 अंक

(ख) लिंग परिवर्तन 05 अंक

(ग) वाक्य शुद्धि 05 अंक

2–रचना 15 अंक

(क) निबन्ध लेखन–(भावनात्मक वर्णनात्मक) 10 अंक

अथवा

दी गयी रूपरेखा के आधार पर कहानी का विकास करना

(ख)पत्र लेखन (व्यक्तिगत, कार्यालय सम्बन्धी सम्पादक सम्बन्धी) 05 अंक

3–अपठित गद्य खण्ड 05 अंक

भाग–(ब) 35 अंक

1–गद्य–(पाठ्य–पुस्तक पर आधारित लघु प्रश्न) 15 अंक

2–पद्य–संदर्भ सहित व्याख्या तथा निर्धारित पुस्तक की कविताओं की समीक्षा 10 अंक

3–सहायक पुस्तक–स्वअध्ययन 10 अंक

(क) कविता

(ख) गद्य–सामान्य आलोचनात्मक समीक्षा, केन्द्रीय भाव तथा चरित्र–चित्रण।

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें–

गुजराती वचन माला– दसवीं कक्षा हेतु प्रकाशन 199, गुजरात राज्यशाला पुस्तक माला, पुरानी विधान सभा गृह सेक्टर 17, गांधीनगर,गुजरात द्वारा प्रकाशित।

गद्य–निम्नांकित पाठ पढ़ने होंगे–

1–जुमो मिस्त्री	धूमकेतु
2–लोहेनि सगई	पेठलीकार
3–थिगाटुन	सुरेश जोशी
4–श्रुतियेनी समाअती	सो बक्शी
5–बी लघु कथा	मोहन लाल पटेल
6–पृथ्वी बल्लभ खेन्दबी	के मुन्शी
7–सत्य आने अहिंसा	गांधी जी
8–मध्याहना नु काव्य	कलेलकर
9–भन्कारा	चन्द्रवाकर

पद्य–निम्नांकित कविताएं पढ़नी होंगी–

1–भजरे भजतुन	नर सिन्हा मेहता
2–चम्पा	अकही
3–हवाई सखी	दयाराम
4–मेहामानोन सम्बोधन	कान्ता
5–चेली कचेरी	मेधानी
6–उन्तोचाहूं	मनसुख लाल जवेरी
7–मन	निरंजन भगत

सहायक पुस्तक (स्वाध्याय)

(1) गद्य–निम्न पाठ पढ़ने होंगे–

(क) अगागाबी न अनुभव	रमन भई निम्न कन्था
(ख) मोहादेव भाई नीदयारी	महादेव देसाई
(ग) एक–एकरार	इन्दूलाल याज्ञनिक
(घ) फक्ता पन्दार मिनीत	विभूति शाह

पद्य–निम्न कवितायें पढ़नी होंगी–

1–स्मृति भवन पन्ना नायका

2–मजुष रकोवायो ये श्याम साधु

हाईस्कूल 2012

कक्षा–10

विषय–उर्दू

उर्दू विषय में 70 अंक का लिखित प्रश्न पत्र होगा। तथा 30 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

उर्दू विषय में 70 अंक का एक प्रश्न–पत्र तीन घण्टो का होगा।

खण्ड (अ) पूर्णांक–35

1– **व्याकरण और उसका प्रयोग**– **6 अंक**

व्याकरण के केवल उन्ही तत्वों पर बल दिया जायेगा जो भाषा के प्रयोगात्मक ज्ञान और उसके लेखन एंव संभाषण पर आधारित हों। व्याकरण का अध्ययन एक विषय के रूप में अनिवार्य नही है परन्तु छात्रों को कक्षा में पढ़ाते समय भाषा में व्याकरण के महत्व तथा वाक्य प्रयोग पर अधिक बल दिया जाय। साथ ही छात्रों का वाक्य विन्यास तथा दूसरी प्रचलित क्षेत्रीय भाषा में अनुवाद करने का अभ्यास कराना चाहिए।

2– साहित्यिक विधाएं (असनाफ़े अदब):– **7 अंक**

(1) नावेल (उपन्यास) (2) अफ़साना (3) नज़्म (4) क़सीदा (5) मरसिया

3– अलंकार (सनअतें):– **5 अंक**

हुस्ने तालील, मरातुन नज़ीर, तज़ाद, तलमीह, लफ़्फ़ोंनश्र, तजनीस, तशबीह ओ इस्तेआरा

4– मुहावरात व ज़रबुलमिसाल **5 अंक**

5– निबन्ध लेखन **6 अंक**

6– अपठित (ग़ैर दरसी नसरी इक़्तेबास का ख़ुलासा) **6 अंक**

खण्ड (ब) पूर्णांक–35

निर्धारित पाठ्य पुस्तक (गद्यांश)

उर्दू की नई किताब कक्षा 10 के लिए प्रकाशन एन0सी0ई0आर0टी0 नई दिल्ली।

1– निम्नलिखित गद्य के पाठ अध्ययन के लिए प्रस्तावित हैः– **10 अंक**

(अ) (1) उमराव जान अदा (इक़्तेबास)– मिर्ज़ा हादी रूस्वा

(2) सवेरे जो कल ऑख मेरी खुली–पतरस बुख़ारी

(3) चारपाई (इक़्तेबास)–रशीद अहमद सिद्दीक़ी

(4) पूरे चॉद की रात– कृष्ण चन्दर

(5) गरमकोट– राजेन्द्र सिंह बेदी

(6) मौलवी अब्दुल हक़–अल्ताफ़ हुसैन हाली

(7) हिन्दुस्तानी तहज़ीब के अनासिर– प्रोफ़ेसर एहतेशाम हुसैन

(ब) गद्य लेखक का जीवन परिचय (सवानेह हयात), गद्य लेखन की विशेषतांए,(नस्र निगारी की खूबियां तथा शैली) तर्जे निगारिश का ज्ञान (मालूमात फ़राहम करानां) **4 अंक**

2– निर्धारित पाठ्य पुस्तक (पद्यांश)

उर्दू की नई किताब (दसवीं जमाअत के लिए)

प्रकाशक एन0सी0ई0आर0टी0 नई दिल्ली

(1) **पद्यांश** **8 अंक**

ग़ज़लियातः– हाली, इक़बाल, हसरत मोहानी, असगर–ग़ोण्डवी, फ़ानी बदायूंनी जिगर मुरादाबादी, फ़िराक़ गोरखपुरी, फ़ैज़ अहमद फ़ैज़

नज़्मियातः नज़ीर अकबराबादी, हाली, दुर्गासहाय सुरूर, चकबस्त, इकबाल जोश मलीहाबादी, अख़्तरूल ईमान, अली सरदार जाफरी। **3 अंक**

क़सीदा– मुहम्मद रफ़ी सौदा **2 अंक**

मरसिया– मीर अनीस **2 अंक**

(2) उर्दू शोअरा (जो पाठ्य पुस्तक में निर्धारित हैं) की सवानेह हयात व उनके कलाम की ख़ूबियों से छात्रों को रूशनास कराया जाय) **3 अंक**

(3) उर्दू ज़बान ओ अदब का इरतिक़ा **3 अंक**

निर्धारित पुस्तक–उर्दू की नई किताब दसवीं जमाअत के लिए प्रकाशक–एन0सी0ई0आर0टी0 नई दिल्ली।

सहायक पुस्तक–उर्दू अदब की तारीख़ लेखक अज़ीमुल हक़ जुनैदी

प्रकाशक–एजुकेशनल बुक हाउस अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी अलीगढ़

पंजाबी

कक्षा–10

इसमें 70 अंकों का केवल एक प्रश्न–पत्र तीन घंटे का होगा।

भाग (एक) पूर्णांक 35 अंक

पद्य पाठ– 20 अंक

1–प्रसंग–अर्थ एवं भावार्थ

2–कविता का सारांश

3–कवि के सम्बन्ध में प्रश्न

गद्य पाठ– 15 अंक

1–उपन्यास–प्रसंग

2–विषय– वस्तु, पात्र भाषा

3–लेखक की जीवनी

भाग (दो)

व्याकरण– 35 अंक

1–मुहावरे	03
2– वाक वण्ड	02
3–पर्यायवाची शब्द	02
4–सामासिक शब्द	03

5–प्रत्यय–उपसर्ग	03
6–अनुवाद–हिन्दी से पंजाबी	05
पंजाबी से हिन्दी	05
7–निबन्ध–प्रचलित विषयों पर	08
8–पत्र–लेखन–(व्यापारिक एवं कार्यालयीय)	04

निर्धारित पाठ्य–पुस्तकें–

1–गद्य–पद्य (भाग–दो)	हरशरण कौर
2–जंगल दे शेर–	जसवंत सिंह कंवल
3–पंजाबी व्याकरण लेख रचना	ज्ञानी लाल सिंह

बंगला

(कक्षा 10 के लिए)

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा होगी तथा 30 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

भाग "अ"	35 अंक
1– **व्याकरण–**	
सन्धि–	1 अंक
सन्धि–विच्छेद–	2 अंक
समास–	3 अंक
व्यंजन सन्धि–	2 अंक
वाक्य परिवर्तन–	2 अंक
वाक्य रचना–	3+2=5 अंक
विराम चिन्ह–	3 अंक
वर्तनी–	2 अंक
2–(i) निबन्ध–	10 अंक
(ii) अपठित गद्य या दिये गये विचारों का विस्तार–	5 अंक
भाग "ब"–	**35 अंक**

गद्य–सामान्य प्रश्न–	5+5 =10 अंक
व्याख्या–	3 अंक
टीका–	2 अंक

पाठों का नाम

1– देशेर श्रीवृद्धि
2– देना पावना
3– निर्भयेर राजतु
4– सभ्य साची
5– पाली साहित्य
6– मातृ भाषा
7– पद्मा नदीर माझी

पद्य–

सामान्य प्रश्न– 5 अंक

व्याख्या– 5 अंक

संक्षिप्त टिप्पणी– 3 अंक

पुस्तक–

(1) अन्न पूर्णा वो ईश्वरी पाटनी

(2) ईश्वर चन्द्र विद्या सागर

(3) हे मोर दुर्भागा देश

(4) नव वर्षा

(5) काण्डारी हुॅशियार

(6) कागज विक्री

(7) रूपशी बंगला

(8) आगामी

3– छोटी कहानी

राज कहानी

प्रश्न सामान्य हो , भाव तथा चरित्र पर आधारित हो– 7 अंक

कहानी का नाम

(1) शिलादिप्य

(2) गोहा

(3) वाप्पा दिव्य

(4) पदमिनी

(5) हम्वीर

(6) हम्बीरेर राज्य लाभ।

निर्धारित पुस्तकें

1– पद्य संकलन(पद्य भाग केवल)–1987 संस्करण,बोर्ड आफ सेकेण्डरी एजूकेशन,पश्चिम बंगाल,कलकत्ता द्वारा प्रकाशित

कक्षा :–: 10

विषय :–: मराठी

35 अंक

केवल प्रश्नपत्र

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्नपत्र तीन घण्टे का होगा।

खण्ड–(क) **35 अंक**

व्याकरण–: 15 अंक

(क) वाक्य परिवर्तन

(ख) काल परिवर्तन

(ग) दिख्या वाक्योसील अशुद्धीये शुद्धिकरण

2– रचना–: 15 अंक

(क) निबन्ध–चित्रात्मक

(ख) पत्र लेखन (कार्यालय सम्बन्धी––व्यावसायिक विषय)

3– अपठित गद्य खंडाचे ज्ञान–: 05 अंक

खण्ड–(ख) **35 अंक**

1– गद्य–: 15 अंक

(पाठ्य पुस्तकवार आधारित संक्षिप्त प्रश्न व गद्यांशांचे सन्दर्भ सहित स्पष्टीकरण)

निर्धारित पुस्तक :–

कुमार भारती (1995) कक्षाः–:10

क्रमांक	पाठाचा क्रमांक	पाठांचे शीर्षक	लेखक
1	2	3	4
1	3	अमाचे अजून ग्रह सुठली नाही	जी0जी0आगरकर
2	5	अवमानतून सूटका	बी0द0सावरकर
3	6	उन्नतीचा मूलमन्त्र	बाबा साहेब अम्बेडकर
4	7	स्वरूप पाहा	बिनोबा भावे
5	8	विजय स्तम्भ	वि0स0खांडेकर
6	10	उपासे	पू0ला0देशपाडें
7	11	औधॉचा राजा	जी0डी0माडगुलकर
8	12	स्मशनासीले सोने	अश्णाभाऊ सांठे
9	14	सुन्दर	एस0डी0पानवलाकर
10	16	बुद्धदश्न	भालाचन्द्र नामाडे

2– पद्य–: 10 अंक

(सन्दर्भ सहित स्पष्टीकरण आणि रस ग्रहण)

क्रमांक	पाठाचा क्रमांक	पाठांचे शीर्षक	लेखक
1	2	3	4
1	3	तुकारामाची अभंगवाणी	तुकाराम
2	6	फटका	अंनत फंदी
3	7	अखंड	महात्मा फूले
4	8	आम्ही कोण ?	केशव गुप्त
5	9	पवै	बालकवि
6	10	भ्रांत तुम्हां का पढ़े ?	माधवज्युलिअन
7	15	मृत्युल कोण हसे	अरंती प्रभु

3– <u>नाटक–:</u> 5 अंक

(पात्र चरित्र, कल्पना, साधारण, टीकात्मक रस ग्रहण पावर आधारित प्रश्न)

(क) निबन्धात्मक (एक)

(ख) लघु उत्तरी (दीन)

सुन्दर भो होणार––––– लेखक –– पी0एल0देशपाण्डे

प्रकाशक–– कान्टेनेन्टल पब्लिकेशन, पूणे।

4– <u>चरित्र–:</u> 5 अंक

शोरले बाजीराव––– लेखक –– एम0व्ही0गोखले

प्रकाशक–– आयंदे प्रकाशक, पूणे।

<u>निबन्धात्मक प्रश्न (एक)</u>

आसामी

कक्षा–10

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्नपत्र होगा तथा समयावधि तीन घंटे होगी।

भाग (अ) – 35 अंक

1– अनुप्रयोगात्मक व्याकरण– **15 अंक**

1– वाक्य रचना की अशुद्धियों का संशोधन, गलितयों का सुधार एवं तुलना गलत क्रियाओं का प्रयोग में सुधार

2– कहावतों एवं मुहावरों/लोकोक्तियों का प्रयोग

3– वाक्य रचना में परिवर्तन

<u>रचना–</u> **20 अंक**

क– निबन्ध (तथ्यात्मक तथा वर्णनात्मक)

ख– सार लेखन (अपठित गद्यांश)

<u>संस्तुत पुस्तकें–</u>

1– बहाल व्याकरण– सत्यनाथ बोरा, बरूआ एजेंसी, गुवाहाटी

2– असमियां व्याकरण– हेमचन्द्र बरूआ, हेमकोष, गुवाहाटी

3– असमियां रचना विधि– प्रधानाचार्य गिरिधर शर्मा, प्राप्ति स्थान – आसाम बुक डिपो

4– असमियां भाषा बोधिका– ले0प्रियदास तालुकदार, प्रकाशक – एल0बी0एस0 प्रकाशन, अम्बारी गुवाहाटी– 78100

<u>खण्ड– (ब) 35 अंक</u>

<u>पद्य–</u> **15 अंक**

क– निर्धारित खण्ड की व्याख्या **6 अंक**

ख– निर्धारित पुस्तक से सामान्य प्रश्न **9 अंक**

<u>पद्य एवं गद्य के लिए निर्धारित पुस्तकें</u>

माध्यमिक साहित्य चयन प्रकाशक आसाम स्टेट टेक्स्ट बुक, प्रोडक्शन ऐन्ड पब्लिकेशन लिमिटेड गुवाहाटी 78002।

निम्नलिखित पद्य का अध्ययन करना होगा –

1– गोलप

2– अमंक कोने मोरे

3– गीत

4– सुरार देओल

2– गद्य– **15 अंक**

1– पठित खण्ड की व्याख्या **6 अंक**

2– संक्षिप्त विवरण (निर्धारित पुस्तक से पौराणिक, ऐतिहासिक, लाक्षणिक तकनीकी या भावात्मक संदर्भ में।) **5 अंक**

3– पठित खण्ड से सामान्य प्रश्न **4 अंक**

निम्नलिखित गद्य पाठों का अध्ययन करना होगा–

1– पाक शिविध सलीम अली

2– स्विंग बाल

3– भारतार विचित्रार मजोट आकिया

4– आसामी लोकगीत

5– लूकोदेका फूकानार देश भोविन

3– आत्मकथा– **5 अंक**

निर्धारित पुस्तक–

जीवनी संग्रह– पद्मनाथ मोहन बरूआ द्वारा मूलरूप में संकलित वर्तमान में आसाम बोर्ड बानुनी मैदान गुवाहाटी द्वारा प्रकाशित ।

उड़िया

(कक्षा–10 के लिए)

इस विषय में एक प्रश्न–पत्र 70 अंकों का होगा समयावधि तीन घंटे की होगी।

भाग–1 35 अंक

(1) व्याकरण 20 अंक

(क) शब्दों का निर्माण (संज्ञा विशेषण)

सन्धि (व्यजंन विसर्ग) समास (बहुब्रीहि कर्मधारय, अव्ययीभाव तदिया)

(ख) कहावते एवं मुहावरें

(ग) विराम चिन्ह

(घ) वाक्य का परिवर्तन(संयुक्त मिश्रित साधारण)

(ड़) साधारण वाक्य का सुधार ,शब्दो वाक्य

(2) रचना

निबन्ध, (साधारण विषय पर) 10 अंक

अपठित गद्यांश 5 अंक

भाग–2 35 अंक

(1) गद्य (विस्तार अध्ययन)

(क) खण्ड (निर्धारित) की व्याख्या 4 अंक

(ख)साधारण प्रश्न 9 अंक

(ग) संक्षिप्त टिप्पणियॉ 4 अंक

(निर्धारित पुस्तक से पौराणिक ऐतिहासिक लाक्षणिक तकनीकी या भावात्मक)

निर्धारित पुस्तक

साहित्य 1992 गद्य विभाग प्रकाशित उड़िया बोर्ड सेकेण्डरी एजूकेशन, उड़िया

नोट– सभी पाठों का अध्ययन किताब में निर्धारित है।

(2) संक्षिप्त टिप्पणियॉ और एक अंश का लेख विस्तृत अध्ययन में त्रिधारा प्रकाशित सन् 1992 उड़िया बोर्ड सेकेण्डरी उड़िया 6 अंक

(3)पद्य 12 अंक

(1) साधारण प्रश्न

(2) व्याख्या

निर्धारित पुस्तक

साहित्य सन् 1992 में प्रकाशित (पद्य भाग) प्रकाशित उड़िया बोर्ड आफ सेकेण्डरी एजूकेशन उड़िया

नोट– सभी निर्धारित पद्य पाठ करना है।

कन्नड़

कक्षा–10

इस विषय में 70 अंको का केवल एक प्रश्नपत्र तीन घन्टे का होगा ।

भाग–अ **35 अंक**

अ–व्याकरण– 17 अंक

(1) सन्धि,समास।

(2) पैरा फ्रेजिंग (Para Phrasing) सरलीकरण/अपने शब्दों में लिखना।

(3) पर्यावाची एवं विलोम शब्द।

व्याकरण का औपचारिक ज्ञात देते समय व्याकरण के कार्यकारी प्रयोग करना ताकि छात्रों में भाषा व्याकरण की उपयोगिता का ज्ञान हो न सके तथा भाषायी चातुर्य को बढ़ावा मिल सके।

ब– मुहावरे तथा लोकोक्तियॉ।

2– रचना– 13 अंक

(अ) निबन्ध रचना–वर्णनात्मक,सामाजिक (पारिवारिक एवं विद्यार्थी जीवन के सम्बन्ध में) कथात्मक (निबन्ध 150 से 200 शब्दों में)

(ब) पत्र लेखन (सम्पादक को व्यापारिक पत्र एवं प्रार्थना–पत्र)।

3– अपठित गद्यांश का बोध कराना। 05 अंक

भाग–ब **35 अंक**

निर्धारित पुस्तके (गद्य एवं पद्य)–

1– कन्नड़ भारतीय–10, प्रकाशक,नव कर्नाटक पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,इम बहसी सेन्टर,क्रिट रोड, पोस्ट आफिस 5159 बंगलोर।

निम्नलिखित पाठ पढ़ने होंगे–

(अ) गद्य (विस्तृत अध्ययन) 14 अंक

(1) साध्याब

(2) ननताख

(3) नीबू,वैध्यार,मानू पिकितों

(4) मानादानिया नोदी मानीदेय

(5) बसावननवारू कतावियासिदा समाज

(6) किसागोतामी

(7) अदायावान्ति के असमास्यागालू

(8) चिपको चलीवालि

(9) डा0 अम्बेदकर वैयक्तित्व

(10) यशुबिना कोन्य दीना

(11) मन्त्य सूलोगन्थर

(12) टुंग भुजंग कर्थ

(ब) पद्य 14 अंक

(1) अराइके

(2) महात्मा

(3) जुगाडा समाकू

(4) सगाडा श्रीवन्तु

(5) बन्धव्य

(6) विलाणु

(7) अम्बिगा ना निन्न नंबिदे

(8) अक्कनावचनागालू

(9) ननागाडेंपाध्यम

(10) पुराणपुठयमक पुआस्ठा अपिन्दे पौगुटिगे

(11) करननारेन्द्र

(12) कुरू कुलख्य नम्वार केन उमसकर तरेयदिदार

सहायक पुस्तक– 7 अंक

(1) जोत्याली

(2) नग गा (1994) प्रकाशक (एन0बी0टी0)

निम्नलिखित पाठ पढ़ने होंगे–

(1) साके चिली

(2) ओम भाट हाटो

(3) सुमारी भुवन

(4) तातीकु केन्द्र एक ऋवैसु
(5) प्राथनाये प्रभाव
(6) लिगिनटा एवं वुदाद
(7) हाजी वक्लोल
(8) भुत्वा कुदूर
(9) दौधस्यो पीचु हनुगालू
(10) मूऊ जनाऊ अटाक
(11) उताना
(12) अतिस्य विवेकहा

कक्षा :–: 10

विषय :–: कश्मीरी

केवल प्रश्नपत्र

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्नपत्र तीन घण्टे का होगा।

भाग– (अ) **35 अंक**

1– व्याकरण और उनके प्रयोग–: **20 अंक**

(1) काल प्रयोग 05 अंक
(2) वाक्य परिवर्तन 05 अंक
(3) मुहावरे और लोकोक्तियों का प्रयोग 05 अंक
(4) समुच्चय बोधक अब्यय तथा सम्बन्ध सूचक अब्यय का प्रयोग 03 अंक
(5) प्रत्यय और उपसर्ग 02 अंक

2– कम्पोजीशन–:

(1) निबन्ध लेखन 10 अक
(सामान्य रूचि के विषयों पर आधारित लगभग 150 शब्दों में)

3– पाठ्य पुस्तक से दिये गये अवतरणों पर लघु उत्तरीय प्रश्न 05 अंक

भाग–(ब) **35 अंक**

1– गद्य–: **20 अंक**

निम्नलिखित पाठ पढ़ने होंगे –:

(1) माती तुगनी कीन्ह
(2) चार्ली चैपलीन
(3) टेलीफोन से रेडियो
(4) जम्हूरियत

निम्नांकित प्रकार से प्रश्न पूँछें जायेंगें –:

(क) सन्दर्भ सहित व्याख्या 10 अंक
(ख) पाठ्य पुस्तक के अवतरण का अंग्रेजी/उर्दू/हिन्दी में अनुवाद 05 अंक
(ग) पाठ्य सारांश 05 अंक

2— पद्य—: **15 अंक**

पाठ्य पुस्तक से निम्नांकित कवितायें पढ़नी होगीं —:

(1) रूबाई (मियॉ आरिफ)
(2) जूनी मंजदल
(3) गजल
(4) गशी तुरूक
(5) दूरी प्रजालियों तारूखा
(6) बहार
(7) येथ हम्यास मंज

निम्नांकित विषयों से सम्बन्धित प्रश्न पूँछे जायेंगे—:

(अ) सन्दर्भ सहित व्याख्या 10 अंक
(ब) दिये गये पद्यांश का सारलेखन 05 अंक

निर्धारित पुस्तक कशूर निशाब कक्षा—09 तथा 10 के लिये प्रकाशक जम्मू एवं कश्मीर स्टेट बोर्ड ऑफ एजूकेशन (1982)

सिन्धी

(कक्षा 10)

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक लिखित प्रश्न—पत्र तीन घंटे का होगा।

भाग—(अ) **35 अंक**

(1) व्याकरण **3+4+2+2=11 अंक**

(क) सिन्धी शब्दों का निर्माण किस प्रकार होता है?
(ख) वाक्य(साधारण, उप, मिश्रित, संयुक्त)
(ग) विलोम/पर्यायवाची

(2) कहावतें एवं मुहावरे **3+3=06**

(3) निबन्ध— निम्नलिखित विषयों में से 250 शब्दों तक एक निबन्ध **10 अंक**

(1) सिन्धी भाषा दिवस(10 अप्रैल, 1967)
(2) सिन्धी साहित्यकार
(3) सिन्धी महापुरूष
(4) सिन्धी पर्व
(5) राष्ट्रीय पर्व

(4) अनुवाद— सिन्धी से हिन्दी में एवं हिन्दी से सिन्धी में। **4+4=08 अंक**

भाग (ब) **35 अंक**

(1) गद्य **13 अंक**

(क) निर्धारित पाठयपुस्तक के निर्धारित पाठों में से दो या तीन प्रश्न **05 अंक**
(ख) निर्धारित पाठ्यपुस्तक के निर्धारित पाठों में से एक गद्यांश का प्रसंग,संदर्भ साहित्यिक सौन्दर्य सहित व्याख्या। **1+1+2+4=08**

(2) पद्य– **13 अंक**

(क) निर्धारित पाठयपुस्तक के निर्धारित पाठों में से एक पद्यांश की संदर्भ, काव्यगत सौन्दर्य सहित व्याख्या। **1+2+4=7**

(ख)निर्धारितपाठ्यपुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित दो या तीन प्रश्न। **06 अंक**

(3) कहानी– **4+5=09**

कथा की विशेषता एवं उसके तत्व, तत्व तथा घटनायें,चरित्र चित्रण भाषा कहानी, कला, सारांश आदि पर आधारित एक प्रश्न एवं पॉच लघु उत्तरीय प्रश्न।

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें–

(4) व्याकरण, कहावतें, पदबन्ध, मुहावरे, निबन्ध तथा अनुवाद के लिए–

मथ्यो सिन्धी व्याकरण (देवनागरी) ले0 दयाराम बंसणमल मीरचन्दानी, प्रकाशक सिन्धू–ब्रह्मू शिक्षा सम्मेलन एवं देवनागरी सिन्धी सभा, मुम्बई।

प्राप्ति स्थान– (1) कमला हाईस्कूल–खार–मुम्बई–400052

(2) हिन्दुस्तान किताबघर–19–21 हमाम स्ट्रीट, मुम्बई

मथ्यो सिन्धी व्याकरण पुस्तक से फहाका 21 से 42 तक इस्तलाह 21 से 45 तक तथा अदबीगुलदस्तों के पाठों के अन्त में अभ्यास के लिए दिए अंशों का अध्ययन भी किया जाना होगा।

(2) सहायक पुस्तक– संदर्भ के लिए–

सिन्धी भाषा (व्याकरण एवं प्रयोग) लेखन, प्रकाशक,विक्रेता– डा0 मुरलीघर जैतली, डी0 127 विवेक विहार, नई दिल्ली–95

(3) गद्य एवं पद्य के लिए–

अदबी गुलदस्तो–लेखक डा0 कन्हैया लाल लेखवाणी।

प्रकाशक एवं विक्रेता–निदेशक, भारतीय भाषा संस्थान मानस गंगोत्री, विनोवा रोड़, मैसूर।

''अदवी गुलदस्तों'' के गद्य भाग में से पाठ संख्या 11 से 20 तक एवं पद्य भाग में से पाठ संख्या 6 से 10 तक का अध्ययन करना है।

(4) कहानी के लिए पुस्तक–

विसारिया न विसरीन लेखक– लोकनाथ

प्रकाशक एवं प्राप्ति स्थान– विभागाध्यक्ष आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली–110007

तमिल

कक्षा 10 के लिए

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न पत्र तीन घंटे का होगा।

भाग–अ **35 अंक**

(1) प्रयुक्त व्याकरण **15 अंक**

निम्नलिखित के पहचान हेतु प्रारम्भिक ज्ञान–

(A) PEYAR: Panpup Peyar, Thozhin Peyar, Vinayaalanaiyum peyar, Ashu Peyar, Tninal, paal, Jdam and Vetrumai:

(B) VINAI: Therinilal and Kurippv Vinumutra Peyarecham Eeval, Viyamgal, Mutreehana,

(C) IDAICHOL AND URICHOL: Definition of Idaichal with special reference to Ehonaaram,Ohaaran and Ummai and definition of urichol with suitable examplea.

(D) PODU: Thehainila and thehaaniali,Vazhu vazhallnilai and maralov.

(2) <u>लोकोक्तियॉ–</u> **05 अंक**

परिभाषा एवं प्रयोग–

(लोकोक्ति पुस्तक तमिल इलक्कानम (TAMIL,ILAKKANM) के पृष्ठ 152 और 153 पर दिया हुआ है।

(TAMIL,ILAKKANM)

:Class IX (1993 revise edition) Reprinted in 1994

(3) <u>रचना–</u> **10 अंक**

पत्र लेखन (व्यक्तिगत पत्र)

<u>निर्धारित पुस्तक–</u>

<u>(1) व्याकरण के लिए–</u>

तमिल इलक्कानम ''कक्षा–नौ'' के लिए (1990 संस्करण) पुनः मुद्रित 1994, प्रकाशक– तमिलनाडू टेक्स्ट बुक सोसाइटी मद्रास–6(पेज–1.....47)।

<u>(2) लोकोक्ति के लिए–</u>

तमिल इलक्कानम ''कक्षा–10'' के लिए संशोधित संस्करण)

(4) <u>सार लेखन</u> **05 अंक**

<u>भाग (ब)</u> **35 अंक**

(5) <u>पद्य</u> **15 अंक**

तमिल टेक्स्ट बुक– कक्षा–10 के लिए (1990 संस्करण) प्रकाशक–तमिलनाडू टेक्स्ट बुक सोसाइटी, मद्रास–6

<u>Seciton III- Poems to be studied</u>

2. Kambaramayanam

3. Thirurilayadarpura Pem

4. Seerappuranam

<u>Seciton V-</u>

Palsuvi Paadalgal

First Five Poem

(6) <u>गद्य–</u> **10 अंक**

तमिल टेक्स्ट बुक– कक्षा–10 के लिए गद्य भाग (1994 संस्करण) प्रकाशक–तमिलनाडू टेक्स्ट बुक सोसाइटी, मद्रास–6, नं0 8 से 14 तक के लिये पाठ पढना है।

(7) <u>अविस्तृत अध्ययन–</u> **10 अंक**

Prescribed Book- Sindhanai Selvam (1990) Reprinted in 1994 Published Tamilnadu Text Book Society, Madras-6

Lesson to be studied- nos. 1 to 12.

1- Veetiukor Pathaka Saalai- Dr. C.N. Annadurai.

2- Klaaigal- Dr. U.V. Swami Nathan Anyar.

3-Sangakala Atichumurai-N.Andazhaoon.

4-Mozhi Gnayiru Deua Neya Paavane- R.Jlankumara.

5-Ulagam Unndaiya Thu- S.T. Kasirajan.

6-Kaakkum Karangal-Pon. Parama Guru.

7-Vetrikkul or Vazvi- S.Hamid.

8-Kadalukkul or Kulagum- Pera Sriya Irama, Dhatshinam.

9-Kattu Valame Naattu Valam- Pulavarr Thillai The Ayhagunanaar.

10-Varilatru Vaailgal-Pulararka,Shanmugn Sundram.

11-Vuthtira Merur Kaattum Vooraa Tchith therthel-
Dr. Mo. Iradhuram Singh, Dr. Nu. Govindarajan.

तेलुगू

कक्षा–10

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्नपत्र होगा तथा समयावधि तीन घंटे होगी।

भाग (अ) – 35 अंक

1– व्याकरण– **25 अंक**

क–(1) A detailed knowledge of the following- 9 अंक
Telugu Sandhulu- Akra,Jkara,Ukara,Sandulu,Gasad ade vadesa Sandhi,Pump cadese Sandhi Dvirukte Tahara Takara Sandhi.

(2) Prosody: Champakamala,Utpalamala,Mettevhan Shardulan. **4 अंक**

(3) Alankaraas- Figures of speech,Upama and Atishyoki only. **4 अंक**

(4) समास– द्वन्द्, द्विग् और बहुब्रीह और रूपाल **4 अंक**

ख– मुहावरे और लोकोक्तियां **4 अंक**

(किसी एक अत्यधिक प्रचलित एवं जाने माने का प्रयोग)

2– रचना– **5 अंक**

निबन्ध लेखन–

समाज परिवार और विद्यालय जीवन और तात्कालिक विषय पर लगभग 100 शब्दों का वर्णनात्मक तथा वृत्तात्मक लेख।

3– अपठित गद्य खण्ड का ज्ञान लगभग 100 शब्द **5 अंक**

भाग (ब) 35 अंक

1– विस्तृत अध्ययन–

1–**गद्य–** **12 अंक**

तेलुगू वाचाकम (कक्षा–10) प्रकाशक–आन्ध्रप्रदेश सरकार (नया संस्करण 1988)

1– संदर्भ सहित व्याख्या (2 में से 1) **4 अंक**

2– निर्धारित पाठ में से निबन्धात्मक प्रश्न (लगभग 80 शब्द) **4 अंक**

3– दो लघुउत्तरीय प्रश्न **4 अंक**

Lessons to be studied:

1. Tudivinnapamu.
2. Pracheena Vritti Vidhanam.
3. Raju.
4. Rikshavadu.
5. Sonta Puslakam.
6. Srinagara Yatra.

2–पद्य **12 अंक**

तेलुगू वाचाकम (कक्षा–10) प्रकाशक–आन्ध्रप्रदेश सरकार (नया संस्करण 1988)

1– एक पद्य का अर्थ **04**

2– संदर्भ सहित व्याख्या (एक) **04**

3– विषय वस्तु पर प्रश्न (एक) **04**

Poems to be studied:

(1) Bhagiratha Prayatnamu.
(2) Hitokti.
(3) Satyanistha.
(4) Kanyaka.
(5) Sishuvu.
(6) Rudramadevi.
(7) Mahandhroda Yamu.

3– अविस्तृत अध्ययन– **5 अंक**

लघु नाटक

Hindi Ekankikala(Telugu Book)(1980 Edition),Published by National Book Trust(India) A-5,Green Park,New Delhi-110016

Plays to be studied:

1. Padivalu.
2. Kaumudi Mahotoavamu.
3. Tuvvallu.
4. Hindustan ki Velli cheppandi.

4. One Essay type question on the content,Characters and events will be asked. **06 marks**

कक्षा :–: 10

विषय :–: मलयालम

केवल प्रश्नपत्र

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्नपत्र तीन घण्टे का होगा।

भाग– (अ) **35 अंक**

1– **व्याकरण** –: 18 अंक

(1) वाक्य परिवर्तन (पाठ्य पुस्तक पर आधारित)

(2) पर्यायवाची तथा विलोम

(3) अपने शब्दों में व्यक्त करना (च्तंचीतेंपदह)

(4) सन्धि और समास

व्याकरण का औपचारिक ज्ञान देते समय व्याकरण के कार्यकारी प्रयोग पर विशेष बल दिया जाना चाहिए ताकि छात्रों में भाषा व्याकरण की उपयोगिता का ज्ञान हो सके तथा भाषा की चातुर्य को बढ़ावा मिल सके।

2– **रचना–:** 14 अंक

(क) कहावतें/मुहावरे तथा लोकोक्तियॉ 03 अंक

(ख) निबन्ध रचना 08 अंक

(ग) पत्र लेखन (प्रार्थना पत्र, समाचार पत्र के सम्पादक को व्यवहारिक पत्र लिखना) 03 अंक

3– **अपठित गद्यांश –:** 03 अंक

भाग– (ब) **35 अंक**

1– **गद्य** –: 15 अंक

केरला पाठावली – वाल्यूम संख्या (09) 1987 संस्करण (केवल गद्य भाग)

प्रकाशक – शिक्षा विभाग, केरल सरकार, त्रिवेन्द्रम।

निम्नांकित पाठों का अध्ययन करना–––:

(1) करनानुम करमासमश्यूम

(2) भाविकोरम मीशम

(3) मलायला भाशायले पश्चायता प्रभावम्

(4) वकसुरसरावाग्लास्थवम् दारदुरम्

(5) प्रकृति सौन्दर्यम

(6) कला सौन्दर्यम

2– **पद्य** –: 10 अंक

केरला पाठावली – वाल्यूम संख्या (09) 1987 संस्करण (केवल पद्य भाग)

प्रकाशक – शिक्षा विभाग, केरल सरकार, त्रिवेन्द्रम।

निम्नांकित कवितायें पढ़नी होगीं–––:

(17) श्री भुविलास्था

(21) इन्टेवेली

(25) मयूर दर्शनम्

(26) करमामानु धरहा

3– अविस्तृत अध्ययन–: 10 अंक

(1) प्रोफेसरूत लोकम–के0एल0मोहना वर्मा, पूनद पब्लिकेषन, टी0बी0एस0बिल्डिंग, कालीकट–673001 द्वारा प्राप्त।

निम्न को छोड़कर सभी कहानियॉ पढ़नी होगी––:

(1) नकराम

(2) दुगधम्

नैपाली

कक्षा–10 के लिये

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न पत्र तीन घण्टे का होगा।

भाग–(अ) 35 अंक

1– प्रायोगिक व्याकरण – **14 अंक**

(क) शब्द उच्चारण और ध्वनि के अनुरूप परिवर्तन ।

(ख) शब्द भेद (उपसर्ग और प्रत्यय)

(ग) मुहावरे और कहावतें।

(घ) वाक्य परिवर्तन।

(ड) समास

संदर्भ पुस्तक–

सरल नैपाली व्याकरण– ले0 राजनारायण प्रधान और जगत, क्षेत्रीय

प्रकाशक– श्याम ब्रदर्स, चौक बाजार, दार्जिलिंग (पं0 बंगाल)

2– अपठित गद्यांश जो वर्णनात्मक विषयों पर आधारित हो। **07 अंक**

जैसे– सामाजिक पर्व, दृश्य और छात्र जीवन की स्मरणीय घटनायें।

3– रचना–

(क) पत्र लेखन **07 अंक**

(1) अपरचित (क्रय–विक्रय, उत्तर, जॉच/प्रश्न) ।

(2) नौकरी केलिये आवेदन पत्र।

(3) सम्पादक के नाम पत्र।

(4) शिकायतें, क्षमा–प्रार्थना, निवेदन आदि।

(5) निमंत्रण एवं स्मृति–पत्र।

(ख) निबन्ध लेखन– **07 अंक**

पर्व, यात्रा, दृश्य, साहसिक, कार्य और छात्र जीवन की अविस्मरणीय घटनायें।

भाग–(ब) 35 अंक

1– गद्य – 14 अंक

नैपाली साहित्य, सौरभ– प्रकाशक शिक्षा निदेशालय, पाठ्य पुस्तक अनुभाग, सिक्किम गंगटोक अध्ययन के लिये पाठः–

1– त्यो फेरिफिरकला– भवानी भिक्षु।
2– रात भरी हुरी चाल्यों – इन्द्र प्रसाद राय।
3– बहुरी भैंसी – रमेश विकल।
4– सीझा– हृदय चन्द्र सिंह प्रधान।
5– भारतेन्दु रा मोती रंको– डी0आर0 रीमसीमा।
6– रणब्दुल्भ– बाल कृष्ण साम

2– पद्य – 12 अक

नैपाली साहित्य, सौरभ– प्रकाशक शिक्षा निदेशालय, पाठ्य पुस्तक अनुभाग, सिक्किम गंगटोक अध्ययन के लिये कवितायें–

1– भानु अस्त्या पक्षी– लेखानाथ पौडियाल।
2– गरीब– लक्ष्मी प्रसाद देव पोटा।
3– केसारी छत्तीस लाग– सिद्ध चरण श्रेष्ठ।
4– सन्तोष – भीम निधि तिवारी।
5– मृत्यु कामना केहि मारा – आगम सिंह गिरि।
6– आकाश को तारा के तारों– हरिभक्त कतवाल।
7– बालक छोरी को हेटा सुमसुम्या औन्दा – द्रुब।

3– थोड़ा अध्ययन के लिये (रैपिड रीडिंग)– 09 अंक

कथा बिम्ब – प्रकाशक शिक्षा निदेशालय गंगटोक (सिक्किम)

1– ककेया – बालकृष्ण साम।
2– परिबन्द– पुष्कर समसेर।
3– काबी लोवाल– रवीन्द्र नाथ टैगोर।
4– ओडत्तीन पात्र – ओ हेन्द्री ।

नोट– निर्धारित पाठ्य पुस्तक के लघु स्तरीय एवं निबन्धात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।

ENGLISH

CLASS –X

इसमें एक प्रश्न पत्र 70 अंकों का तथा समय 03 घन्टे होगा। प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यांकन हेतु 30 अंक निर्धारित जिसका आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर होगा।

अंग्रेजी विषय की पाठ्य वस्तु निम्नवत निर्धारित है :-

1. <u>Prose</u>- 16 marks

1. The Enchanted Pool.	by- C. Rajgopalachari
2. A Letter to God.	by- G. L. .Fuents
3. The Ganga	by- Pt. J.L. Nehru
4. Socrates	by- Rhoda Power
5. Torch Bearers	by- W.M. Ryburn
6. Our Indian Music (Stories and Anecdote)	by- R. Srinivasan

2. Poetry- **7 marks**

1.The Fountain	by- James Russell Lowell
2. The Psalm of Life	by- H.w. Longfellow
3. The Perfect Life	by-Ben Jonson
4. the Nation Builders	by- R.W Emerson

3. Supplementary Reader - **12 marks**

1. The Inventor Who Kept His Promise	
2. The Judgement Seat of Vikramaditya	by- Sister Nivedita(Adapted)
3. The Greatest Olympic Prize	by- Jesse Owens

Grammar, Translation and Composition

Introduction

I English Grammar- **15 marks**

1.Parts of Sentence.
2.The Sentence Type.
3.The verb.(Transitive Verb and Intransitive Verb)
4.Primary auxiliaries.(Be, Have, Do).
5.Modal auxiliaries.
6. negative Sentence.
7. Interrogative Sentence.
8. Tense: Form and Use.
9. The Passive Voice.
10. The Parts of Speech.
11.Indirect or Reported Speech.
12. Word Formation.
13.Punctuation and Spelling.

II Translation: (From Hindi to English) **4 marks**

III (A) **Composition:**

(a) Long Composition . **6 marks**
(b) Controlled Composition.

(B) Letter Writing/Application Writing. **4 marks**

(C) Comprehension (Unseen). **6 marks**

Appendices

1. Words often Confused.
2. Synonyms and Antonyms.
3. Cries of Birds and Animals.
4. Glossary.

विषय–संस्कृत

कक्षा–X

एक प्रश्न पत्र 70 अंकों तथा समय 3 घण्टे होगा।

इस विषय में 70 अंक की लिखित परीक्षा होगी। तथा 30 अंको का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर प्रश्न पत्र में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का भी उल्लेख होगा तथा उसके उत्तर के रूप में तीन या चार उत्तर प्रश्नपत्र में अंकित होंगे। उनमें से एक शुद्ध उत्तर होगा। उसका उल्लेख पुस्तिका में छात्र को अंकित करना होगा तथा उनका अंक विभाजन निम्नवत् होगा–

1–आशुपाठ	1 अंक
2–प्रत्याहारों का सामान्य परिचय	1 अंक
3–सन्धि	1 अंक
4–शब्दरूप	1 अंक
5–धातुरूप	1 अंक
6–समास	1 अंक
7–कारक	1 अंक
	योग– 7 अंक

खण्ड 'क' (गद्य, पद्य आशुपाठ) – 35 अंक

गद्य

1–गद्य खण्ड का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद	2+5=7 अंक
2–पाठ सारांश	4 अंक

पद्य

1–पद्यांश की सन्दर्भ सहित हिन्दी में व्याख्या	2+5=7 अंक
2–सूक्तियों की सन्दर्भ सहित व्याख्या	1+2=3 अंक
3–किसी एक श्लोक का संस्कृत में अर्थ	5 अंक

आशुपाठ–

1–पात्र चरित्र–चित्रण (हिन्दी में)	4 अंक
2–लघु उत्तरीय प्रश्न (संस्कृत में)	5 अंक

खण्ड 'ख' (व्याकरण, अनुवाद, रचना) 35 अंक

व्याकरण–

1–प्रत्याहारों का सामान्य परिचय एवं वर्णो का उच्चारण स्थान 2 अंक

2–सन्धि 3 अंक

1–स्वर सन्धि– इकोयणचि, एचोऽयवायावः, आद्गुणः वृद्धिरेचि, अंकः सवर्णे दीर्घः।

2–हल् सन्धि– स्तोः श्चुनाश्चुः, ष्टुनाष्टुः, झलांजशोडन्ते, मोऽनुस्वारः, अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः।

3–विसर्ग सन्धि– विसर्जनीयस्य सः, ससजुषोरूः, अतोरोरप्लुतादप्लुते, हशि च।

3–शब्दरूप– 2 अंक

अ–पुल्लिङ्ग–पितृ, भगवत्, गो, करिन्, राजन्।

ब–स्त्रीलिङ्ग–नदी, धेनु, वधू, सरित्।

स–नपुंसकलिङ्ग–वारि, मधु, नामन्, मनस, किम्, यद्, अदस्।

4–धातुरूप–(लट्, लृट, लोट्, लड्, तथा विधिलिङ्, लकारो में)– 2 अंक

अ–परस्मैपद–भू, पा, वस्, स्था, नश्, आप्, इष्।

ब–आत्मनेपद–वृध्, जन्।

स–उभयपद–नी, दा, ज्ञा, चुर्।

5–समास–समासों के विग्रह सहित उदाहरण– 2 अंक

अव्ययीभाव, द्विगु, बहुव्रीहि।

6–कारक–विभक्ति–निम्न सूत्रों के आधार पर कारक–विभक्ति ज्ञान एवं प्रयोग 2 अंक

कर्तुरीप्सिततमं कर्मः–कर्मणि द्वितीया, साधकतमं करणम्

कर्तृकरणयोस्तृतीया, कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्–

चतुर्थी सम्प्रदाने, ध्रुवमपायेऽपादानम् अपादाने पंचमी,–

आधारोऽधिकरणम्–सप्तम्यधिकरणे च।

7–प्रत्यय–क्त, क्तवतु, क्तिन्,क्त्वा, ल्यप्, शतृ, शानच्, तुमुन्, मतुप्, ठक्,त्वा, तल्,

टाप् अनीयर्, इन्। 2 अंक

8–वाच्य परिवर्तन 2 अंक

<u>अनुवाद</u>–

1–हिन्दी अनुच्छेद का संस्कृत में अनुवाद 6 अंक

<u>रचना</u>–

1–निबन्ध (कम से कम आठ वाक्य) 8 अंक

2–संस्कृत शब्दों का वाक्यों में प्रयोग 4 अंक

जनसंख्या, पर्यावरण, स्वास्थ्य शिक्षा एवं ट्राफिक रूल्स की जानकारी हेतु प्रश्न निबन्ध के रूप में पूछे जायेंगे।

<u>निर्धारित पाठ्य–पुस्तक</u>

निम्नलिखित पाठ्य–पुस्तकों के सम्मुख अंकित पाठ्यवस्तु (माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा निर्धारित अंश का अध्ययन करना होगा)–

1–संस्कृत व्याकरण–1–प्रत्याहारों का सामान्य परिचय एवं उच्चारण स्थान

2–सन्धि–स्वर,व्यंजन, विसर्ग सन्धियों का परिचय एवं अभ्यास

3–समास–अव्ययीभाव, द्विगु, बहुव्रीहि।

4–कारक एवं विभक्ति परिचय।

5–वाच्य–परिवर्तन।

6–अनुवाद–

1–सामान्य नियमों सहित अभ्यास।

2–कारक एवं विभक्ति ज्ञान।

3–अनुवाद अभ्यास।

7–प्रत्यय।

8–शब्दरूप–संज्ञा, सर्वनाम तथा संख्या वाचक शब्दों के तीनों लिङ्गो में रूप।

9–धातुरूप–परस्मैपद, आत्मनेपद तथा उभयपद में धातुओं के रूप।

10–संस्कृत पदो का वाक्यो मे प्रयोग।

11–संस्कृत वाक्य शुद्धि

12–संस्कृत में निबन्ध–

1–विद्या

2–सदाचारः

3–परोपकारः

4–सत्संगति

5–अहिंसा परमोधर्मः

6–मातृभूमिः

7–वसुधैव कुटुम्बकम्

8–राष्ट्रीय एकता

9–अनुशासनम्

10–राष्ट्रपिता महात्मागांधी

11–संस्कृत भाषायाः महत्वम्

12–भारतीय कृषकः

13–हिमालयः

14–तीर्थराज प्रयागः

15–वनसम्पत्

16–पर्यावरणम्

17–परिवार कल्याणम्

18–राष्ट्रपक्षी मयूरः

19–यौतुकम्

20–दूरदर्शनम्

21–क्रिकेटक्रीडनम्

<u>संस्कृत गद्य भारती</u>

संस्कृत साहित्य पर एक दृष्टि

1–कविकुलगुरूः कालिदासः

2–उद्भिज्ज–परिषद्

3–नैतिकमूल्यानि

4–भारतीय जनतन्त्रम्

5–विश्वकविः रवीन्द्रः

6–कार्यं वा साधयेयम् देहं वा पातयेयम्

7–भारत जनसंख्या–समस्या

8–आदि शंकराचार्यः

9–संस्कृतभाषायाः गौरवम्

10–मदनमोहन मालवीयः

11–शुकनासोपदेशः

12–जीवनं निहितं वने

13–लोकमान्यः तिलकः

14–गुरूनानकदेवः

15–योजना महत्त्वम्

16–गजेन्द्रमोक्षः

संस्कृत पद्य पीयूषम्

1–लक्ष्य–वेध–परीक्षा

2–वर्षावैभवम्

3–वृक्षाणां चेतनत्वम्

4–सूक्ति सुधा

5–क्षान्ति–सौख्यम्

6–नगाधिराजः

7–विद्यार्थीचर्या

8–सिद्धार्थस्यनिर्वेदः

9–गीतामृतम्

10–जलयानेन विदेशगमनम्

11–उपनिषत्–सुधा

12–जीव्याद ्भारतवर्षम्

परिशिष्ट

कथा नाटक कौमुदी

1–महात्मनः संस्मरणानि

2–कारूणिको जीमूतवाहनः

3–धैर्यधनाः हि साधवः

4–यौतुकः पापसञ्चयः

5–भोजस्य शल्यचिकित्सा

6–परिवर्तनम्

7–कवि सम्मानम्

8–परशुरामस्य हृदय परिवर्तनम्

9–दशपुत्र समोद्रुमः

10–भीरुकथा

11–जिज्ञासा

12–पापानां कथा हेया

13–वीरबालःदुष्यन्तश्च

14–ज्ञानं पूततरं सदा

पालि

कक्षा–10

इस विषय में 70 अंको का केवल एक लिखित प्रश्न–पत्र तीन घंटे का होगा।

1– गद्य–पालि–जातकावलि पाठ 8 से 14 तक		15
(क) दो अवतरणों में से किसी एक अवतरण का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद।	2+8	10
(ख) किन्ही दो जातकों में से किसी एक जातक की कथा हिन्दी अथवा अंग्रेजी में।		05
2– पद्य–धम्मपद–पण्डित बग्गों दण्ड बग्गों तक (पाठ 6 से 10 तक)–		15
(क) दो गाथाओं में से किसी एक गाथा का हिन्दी अनुवाद		05
(ख) दो बग्गों में से किसी एक बग्गों का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में सारांश		05
(ग) धम्मपद का पाठ 6 से 10 के अन्तवर्ती गाथा का लेखन जो प्रश्न पत्र में न आया हो		05
3– अपठित–गद्य– निर्धारित पाठ (वेदभजातक, राजोंवादजातकं)		05
मखादेव–जातकं (सन्दर्भित ग्रन्थ पालि जातकावलि)		
4– सहायक पुस्तक सिंगलसुत सुचं–		10
(क) दो अवतरणों या गाथाओं में से किसी एक का हिन्दी अनुवाद		05
(ख) सिंगाल सुत्त की विषय वस्तु, निदान कथा, मित्र के गुण		05
अमित्र के लक्षण आदि पर आधारित सामान्य प्रश्न		
5– व्याकरण	3+2+5+5	15
(क) शब्द रूप–पुलिंग= मुनि, भिक्खु		
स्त्री लिंग=लता, इस्थी, धेनु		
नुपुंसक लिंग=आयु पोत्थक		
(ख) धातु रूप–भविष्यत् काल, लोट लकार		
भृ, ह्वस, वद, चज, दिस, नम, सर के रूप		
(ग) संधि–व्यंजन सन्धि		
व्यंजन दीघरस्सा, सरम्हाद्वेवदे, चतुत्थदुतिये स्वेतं ततियपठमा		
(घ) समास–कर्मधारय समास, द्वन्द्व समास की सामान्य परिभाषा तथा उदाहरण		
6– अनुवाद– हिन्दी के तीन वाक्यों का वर्तमान एवं भविष्यत् कालिक क्रिया में अनुवाद		05
अथवा		
निबन्ध–पालि भाषा में छः सरल वाक्यों में किसी एक पर निबन्ध–		
कुसीनारा, बोध गया, पालि भाषा, राजा असोकी, बुद्ध धम्मों, इसिपतन		
7– पालि साहित्य का इतिहास संक्षिप्त परिचय		05

द्वितीय संगीति, तृतीय संगीति, विनयपिटक एवं अभिधम्मंपिटक के ग्रन्थ तथा इनका परिचय–

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें–

(।) पालि जातकावलि–	पं0 बटुक नाथ शर्मा
	प्रकाशक–मास्टर खेलाड़ी लाल एण्ड सन्स, वाराणसी।
(।।) पद्य–धम्मपद–	सम्पादित– धर्म भिक्षु रक्षित,
	प्रकाशक–मास्टर खेलाड़ी लाल एण्ड सन्स, वाराणसी।

(।।।) सिगल सुत्तं– अनुवादक–लल्लन मिश्र, सम्पादक–भिक्षुसिननायक, प्रकाशक–अखिल भारतीय युवाबौद्ध परिषद् कुशीनगर।

(।V) व्याकरण–

(क) पालि प्रवेशिका– लेखक–आद्यदत्त ठाकुर एम0ए0–प्रकाशक–पुस्तक माला, लखनऊ।

(ख) पालि व्याकरण– लेखक–भिक्षुकधर्म रक्षित, प्रकाशक–ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी

(ग) मैनुअल आफ पालि– लेखक–सी0सी0 जोशी, ओरियन्टल बुक एजेन्सी, पूना।

(घ) पालि व्याकरण एवं पालि साहित्य का इतिहास– लेखक–राज किशोर सिंह, प्रकाशक–विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।

(ङ) पालि महा व्याकरण– भिक्षु जगदीश कश्यप, एम0ए0, प्रकाशक–महाबोधि सारनाथ, वाराणसी।

(च) पालि साहित्य का इतिहास– लेखक– डा0 कोमल चन्द जैन, प्रकाशक–विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

15–वयं भारतीयाः

अरबी

कक्षा–10

इस विषय में 70 अंक का लिखित प्रश्नपत्र होगा। तथा 30 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्नपत्र तीन घंटे का होगा।

भाग एक–35 अंक

1– कवाइद– **10–अंक**

1– फेल,फाइल,मफअूल बनाने का तरीका

2– मरफूआत और मन्सूबात

3– मफाइले खम्सा, इन्नावकाना की अस्वातेही

4– हुरूफे अल्फ

5– जमाइर

6– वाहिद और तस्निया

7– जमा मुकस्सर,जमा सालिम, जमा किल्लत, जमा कसरत

2– तर्जुमा–

(क) अरबी के आसान जुमलों का अंग्रेजी/हिन्दी/उर्दू में तजुर्मा **5–अंक**

(ख) अंग्रेजी/हिन्दी/उर्दू के आसान जुमलों का अरबी में तजुर्मा **5–अंक**

3– दिये गये अल्फाज का अरबी जुमलों में इस्तेमाल **5–अंक**

4– दिये गये उन्वानात पर मजमून/खुतूत नवैसी **10–अंक**

भाग–दो

निसाबी किताब–अलकिरातुर्रशीदह भाग–2 लेखक–अब्दुलफत्ताह व अलीउमर (मतबूआ मिश्र)
पब्लिकेशन–एम0रशीद एण्ड सन्स, उर्दू बाजार दिल्ली।

1– नस्र (गद्य) **25–अंक**

इस भाग में दर्ज जैल असबाक निसाब में शामिल हैं–

उन्वानात	सबक नं0
1– जजाउस्सिदक	1
2– अल अदबो असासुन्निजाह	4
3– मजीयतुत्तस्वीर	10
4– अन्नमिरो	13
5– अल अस्फन्ज	17
6– अम्मोमेहनते तख्तारि	19
7– अश्शाय	23
8– हीलतुल अन्कबूत	29
9– अलमाओ	30
10– अलगुराबो वलजराहते	31
11– अलअहराम	34
12– जमाअतुलफीरान	35
13– अलखादिमो वस्समकते	45
14– अत्ताइरतो	48
15– अश्शुजाअतो वलजुब्नों	49
16– अलफातातुश्शुजाअते	59

2– नज्म (पद्य) **10 अंक**

दर्ज जैल नज्में निसाब में शामिल हैं–

उन्वानात	सबक नं0
17– अन्नहलतो वज्जिम्बार	8
18– वलातस्नइलमारूफ फीगैरेही	18
19– मशीयतुलगुराबे	46
20– जजाउलवाल्दैने	54

फारसी

(कक्षा'–10 के लिये)

इस विषय में 70 अंक का लिखित प्रश्न पत्र होगा तथा 30 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

इस विषय में 70 अंको का केवल एक प्रश्न पत्र तीन घण्टे का होगा।

भाग (अ) 35 अंक

(1) व्याकरणः **07 अंक**

(क) लफज मुफरद– अजमाए–कलाम (Parts of Speech)
IaKk (Noun) (इस्म)

(ख) सर्वनाम (Pronoun) जमीर

(ग) हर्फजार (Preposition)

(घ) क्रिया (Verb) (फेल)

(ड) व्युत्पति (i) मुख्य व्युत्पति (ii) गौण व्युत्पति (उपसर्ग)
(Primary Derivatives and secondary Derivatives)

(2) अनुवादः–

(क) फारसी के साधारण वाक्यों का अंग्रेजी अथवा हिन्दी अथवा उर्दू भाषा में अनुवाद कराने का अभ्यास 07 अंक

(ख) अंग्रेजी अथवा हिन्दी या उर्दू के साधारण वाक्यों का आसान फारसी जुबान में अनुवाद कराये जाने का अभ्यास। 07 अंक

(3) फारसी के शब्दों का आसान फारसी जुबान में वाक्य प्रयोग (फारसी अलफाज) का फारसी जुमलों में इस्तेमाल 06 अंक

(4) रचना

(क) फारसी जुबान में मुखतसर इकतीबास लिखने का अभ्यास करना (Precis writing) 04अंक

(ख) पत्र लेखन का अभ्यास **04अंक**

भाग (ब) –35 अंक

1– पाठ्य पुस्तक (गद्य तथा पद्य)

निर्धारित पुस्तक–

'' फारसी बदस्तूर'' किताब अब्बल (खण्ड–1) 1997

लेखक– (Khan Lari) – मेसर्स इदारए अददियाते दिल्ली जययद – प्रेस बल्ली मारान, दिल्ली– 110006 में से निम्नालिखित गद्य पाठ तथा (Poem) का अध्ययन कराना है। 20 अंक

पाठ–34 किस्साए बहराम व कनीजक(1)

पाठ– 26 किस्साए बहराम व कनीजक (2)

पाठ–27 किस्साए बहराम व कनीजक (3)

पाठ–28 दस्तूर– जबाने फारसी– इस्मेआम व इस्मेखास (कवायद)

पाठ–29 अदीसन (1)

पाठ–30 अदीसन (2)

पाठ–31 दस्तूर जबाने फारसी (जमीर) (कवायद)

पाठ–35 दो (टू) हिकायत अजगुलिस्ताने सादी

पाठ–36 जश्न सादा

पाठ– 37 सदा (नज्म)

पाठ–42 दस्तूर जबाने फारसी (फेललजिम वफेल मूतअदी) (कवायद)

पाठ–43 किस्याकुजाकि मूसा

पाठ–46 माजनदरान (नज्म)

पाठ–47 शाबान गोशफन्द

पाठ–53 नगीने अंमुश्तरी

पाठ– 55 किताब (नज्म)

2–जनसंख्या, प्र्यावरण, स्वास्थ्य शिक्षा ट्राफिक की जानकारी हेतु प्रश्न निबन्ध के रूप में पूछे जायेगे। 15 अंक

विषय–गृह विज्ञान

कक्षा–10

(केवल बालिकाओं के लिए)

एक प्रश्नपत्र 70 अंकों का तथा समय 3 घंटे का होगा।

क्रम संख्या	इकाई	अंक
1–	गृह प्रबन्ध	15
2–	स्वास्थ्य रक्षा	15
3–	वस्त्र और सूत विज्ञान	10
4–	भोजन तथा पोषण विज्ञान	15
5–	प्राथमिक चिकित्सा और गृह परिचर्या	15

कुल 70 अंक

प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

योग–100 अंक

1– <u>गृह प्रबन्ध</u> 15 अंक

(1) शिक्षिका द्वारा प्रति वर्ष बजट का प्रदर्शन ।

(2) आय–व्यय और बचत,डाकखाना और बैंक के माध्यम से ।

(3) घर की सफाई और सजावट।

(4) गृह गणित–दशमलव,जोड़ना,घटाना,गुणा तथा भाग (रूपया,पैसा,किलोग्राम,ग्राम,मीटर,सेन्टीमीटर के संदर्भ में),प्रतिशत,लाभ हानि तथा साधारण ब्याज पर सरल गणनाएं।

2– <u>स्वास्थ्य रक्षा–</u> 15 अंक

(1) जल–जल के स्रोत और उपयोग।

(2) घरेलू विधियों से जल शुद्ध करना।

(3) अशुद्ध जल से फैलने वाले रोग।

(4) पर्यावरण और जन–जीवन पर उसका प्रभाव।

(5) कुछ सामान्य रोगों के कारण और उनकी रोकथाम,चेचक,छोटी माता,खसरा, डिप्थीरिया,कुकुरखॉसी,टिटनेस,क्षयरोग,मियादी बुखार,पेचिस,अतिसार,हैजा और विषैला भोजन (फूड–प्वायजनिंग)

3– <u>वस्त्र और सूत विज्ञान</u> 10 अंक

(1) सिलाई किट–बेबीफ्राक या कुर्ता,पायजामा या पेटीकोट,उपलब्धि के अनुसार (हाथ की सिलाई अथवा मशीन की सिलाई द्वारा)।

(2) कपड़ों की धुलाई तथा रख–रखाव,धोने की विधियां और इस्तरी करना।

4– <u>भोजन तथा पोषण विज्ञान</u> 15 अंक

(1) रसोईघर की व्यवस्था,देख–रेख और सफाई।

(2) भोजन पकाने और परोसने की आधारित विधियॉ, तत्वों की सुरक्षा का ध्यान रखना।

(3) निम्न रोगों के रोगियों का भोजन,रोग की अवधि में और स्वास्थ्य लाभ के समय का भोजन तीव्र ज्वर और दीर्घ स्थाई ज्वर, अतिसार, पेचिस,गैस्ट्रोटाइटिस,मियादी बुखार, मलेरिया,क्षयरोग,लू लगना।

5– प्राथमिक चिकित्सा और गृह परिचर्या 15 अंक

(1) मानव अस्थि संस्थान तथा संधिया।

(2) हडिडयों की टूट और मोच।

(3) श्वसन तन्त्र का प्रारम्भिक ज्ञान।

(4) प्राकृतिक और कृत्रिम श्वसन क्रिया।

(5) घायल स्थानान्तरण हस्त आसन द्वारा।

(6) रोगी को स्पंज करना,गर्म सेंक–भपारा लेना,बर्फ की टोपी का प्रयोग।

(7) नाड़ी,श्वास गति और ताप का चार्ट बनाना।

प्रयोगात्मक

प्रयोगात्मक परीक्षा का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आंतरिक होगा। 15 अंक

(खण्ड क)

(1) किसी एक स्थान (घर या पाठशाला कक्ष) की सफाई की दैनिक आख्या तैयार करना।

(2) किसी एक लकड़ी के फर्नीचर की सफाई और पालिश करना।

(3) धातु की किसी एक वस्तु की सफाई ।

(4) प्रति वर्ष बजट का अभिलेख रखना।

(खण्ड ख)

(1) छात्राओं द्वारा सिलाई का किट तैयार करना।

(2) बेबी फ्राक या कुर्ता पायजामा या पेटीकोट सिलना।

(3) वस्त्रों की धुलाई–सूती,रेशमी,ऊनी तथा कृत्रिम रेशें के वस्त्रों को धोना।

(खण्ड ग)

(1) भोजन पकाने की सही विधियॉ– उबालना,भाप में पकाना,तखना,स्ट्यू करना,धीमी ऑच में पकाना, भूजना।

(2) भोजन का परोसना।

(3) रोगी का भोजन,फटे दूध का पानी,साबूदाना का पानी,खिचड़ी,तरकारियों की सूप और सब्जियों का रस,फलों के रस,पना।

(खण्ड घ)

(1) कृत्रिम श्वास देने की विधियॉ।

(2) हस्त आसन द्वारा स्थानान्तरण।

(3) स्पंज करना,गर्म सेंक (पुल्टिस),भपार लेना, बर्फ की टोपी और गर्म पानी की थैली का प्रयोग।

(4) ताप का चार्ट बनाना।

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें–

कोई भी पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यार्थियों के प्रधान विषय के अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

प्रोजेक्ट कार्यो की सूची पूर्णांक–15

नोटः–दिये गये प्रोजेक्ट सूची में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से कराएं। प्रोजेक्ट कार्यो की फाइल तैयार कराना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रोजेक्ट पांच अंक का है।शिक्षक पाठ्यक्रम से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट कार्य अपने स्तर से भी दे सकते है। प्रोजेक्ट कार्य का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर होगा।

1– घर का आय–व्यय बजट तैयार करना।

2– निम्न विन्दुओं पर प्रकाश डालते हुए बचत पर एक प्रोजेक्ट रिर्पोट लिखिए–

(i) भविष्य निधि योजना

(ii) राष्ट्रीय बचत–पत्र

(iii) किसान विकास–पत्र

3– गृह विज्ञान में गृह गणित के योगदान पर एक रिपोर्ट लिखिए।

4– अपने विद्यालय के जल शुद्धिकरण व्यवस्था पर एक प्रोजेक्ट लिखिए तथा उसमे क्या–सुधार किया जा सकता है।

5– अशुद्ध जल से फैलने वाले प्रमुख रोगों के नाम लक्षण व बचाव की सूची ।

6– चार्ट के माध्यम से पर्यावरण एवं जन–जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव को दर्शाइए।

7– एक प्रोजेक्ट तैयार करें जिसमें पाठ्यक्रमानुसार सभी वस्त्रों की नाप एवं पेपर कटिंग लगाएं।

8– सिलाई किट तैयार कराना।

9– वस्त्रों की देखभाल एवं डिटर्जेन्ट का प्रयोग।

10– एक दिन खाएं जाने वाले खाद्य पदार्थो की सूची तैयार करके उसमे विद्यमान पोषक तत्वों को सूचीबद्ध करना।

11– एक चार्ट पेपर पर श्वसनतंत्र का चित्र बनाइए तथा अंगों के नाम दर्शाइए।

12– मानव अस्थि तंत्र को चार्ट पेपर पर बनाइए एवं प्रमुख अंगों को दर्शाइए।

विज्ञान

कक्षा–X

एक प्रश्नपत्र 70 अंकों का तथा समय 3 घण्टे होगा।

		अंक	कालांश
इकाई–1	प्रकाश	10	30
इकाई–2	विद्युत तथा विद्युत धारा का प्रभाव	15	45
इकाई–3	रासायनिक पदार्थ–प्रकृति एवं व्यवहार	10	45
इकाई–4	कार्बनिक रसायन	10	20
इकाई–5	जैव जगत	15	45
इकाई–6	आनुवंशिकी एवं जैव विकास	10	35
	योग–	70 अंक	220
	प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यांकन–	30 अंक	
	कुल योग–	100 अंक	

इकाई–1 **प्रकाश** 10 अंक

- **परावर्तन**

  प्रकाश का परावर्तन, गोलीय दर्पण व संबंधित परिभाषायें, गोलीय दर्पणों द्वारा प्रतिबिंब का बनना चिन्ह परिपाटी, दर्पण सूत्र–$1/f=1/u+1/v$ का निगमन।

- **अपवर्तन –**

  अपवर्तन के नियम, स्नैल का नियम, अपवर्तनांक, सापेक्ष अपवर्तनांक, पूर्ण आन्तरिक परावर्तन, दैनिक जीवन में प्रयोग, गोलीय लेंसों द्वारा अपवर्तन, लेंसों द्वारा प्रतिबिम्ब का बनना, लेंस सूत्र–1/f=1/v-1/u (निगमन नहीं), आवर्धन, क्षमता, प्रिज्म से प्रकाश का अपवर्तन, श्वेत प्रकाश का विक्षेपण, प्रकाश का प्रकीर्णन।

- मानव नेत्र, नेत्र की संमजन क्षमता, नेत्र लेंस की फोकस दूरी और रेटिना पर प्रतिबिम्ब का बनना, दृष्टि–दोष (निकट, दीर्घ व जरादूर–दृष्टिता) एवं निवारण।

- संयुक्त सूक्ष्मदर्शी व खगोलीय दूरदर्शी की संरचना, सिद्धान्त क्रियाविधि व आवर्धन क्षमता (सूत्र का निगमन नहीं)

इकाई–2 विद्युत तथा विद्युत धारा के प्रभाव 15 अंक

- **विद्युत –**

  विद्युत ऊर्जा के स्रोत, विद्युत धारा, विभव व विभवान्तर, विद्युत परिपथ आरेख, ओम का नियम, प्रतिरोध, प्रतिरोधों का संयोजन (श्रेणी क्रम, समान्तर क्रम) के सूत्र का निगमन।

- **विद्युत धारा का ऊष्मीय प्रभाव –**

  विद्युत धारा का ऊष्मीय प्रभाव, विद्युत धारा प्रतिरोध और समय में सम्बन्ध, चालक में उत्पन्न ऊष्मा की माप, विद्युत सामर्थ्य, विद्युत ऊर्जा के विभिन्न मात्रक, ऊष्मीय प्रभाव पर आधारित उपकरण, घरेलू वायरिंग, फ्यूज, विद्युत के खतरे व सुरक्षा युक्ति।

- **विद्युत धारा का चुम्बकीय प्रभाव –**

  विद्युत धारा का चुम्बकीय प्रभाव, चुम्बकीय क्षेत्र, तीव्रता, चुम्बकीय बल रेखायें, कुण्डली तथा परिनालिका, धारावाही सीधे तार से उत्पन्न चुम्बकीय क्षेत्र, दायें हाँथ के अँगूठे का नियम, दक्षिणावर्त पेंच का नियम, वृत्तीय कुण्डली में प्रवाहित विद्युत धारा का चुम्बकीय क्षेत्र, धारावाही परिनालिका द्वारा चुम्बकीय क्षेत्र, चुम्बकीय क्षेत्र में स्थित धारावाही चालक पर बल, गतिमान आवेश पर बल, फ्लेमिंग का बाँये हाथ का नियम, विद्युत मोटर, विद्युत चुम्बकीय प्रेरण का प्रारम्भिक ज्ञान, विद्युत जनित्र डी0सी0 एवं ए0सी0

इकाई–3 रासायनिक पदार्थ–प्रकृति एवं व्यवहार 10 अंक

- **अम्ल, क्षार व लवण –**

  अम्ल, क्षार की अवधारणा (H_3O^+ OH के आधार पर) सूचक (litmus paper, phenopthaline, methyle orange) ph-स्केल, अम्ल व क्षार के रासायनिक गुण, उदासीनीकरण अभिक्रिया, लवण व लवणों के प्रकार–सामान्य अम्लीय, क्षारीय, द्विक, संकर लवण, कुछ लवणों के निर्माण विधि तथा सामान्य गुणधर्म एवं उपयोग–

  1– धावन सोड़ा

  2– बेकिंग सोडा

  3– फिटकरी

  4– विरंजक चूर्ण

  5– नौसादर

- **धातु तथा अधातु –**

सामान्य परिचय, धातु व अधातु के सामान्य रासायनिक गुण, धातुओं की सक्रियता (वैद्युत रासायनिक श्रेणी के आधार पर) धातु कर्म–अयस्क, खनिज कॉपर के अयस्क तथा कॉपर पाइराइट से शुद्ध कॉपर का निष्कर्षण, मिश्रधातु।

अधातु–SO_2 व NH_3 गैस का निर्माण व इनके रासायनिक गुण धर्म तथा उपयोग

- **तत्वों का वर्गीकरण –**

तत्वों के वर्गीकरण की अवधारणा–डोबेराइनर का त्रिक सिद्धान्त, न्यूलैंडस का अष्टक सिद्धान्त, मेण्डलींफ की आवर्त सारणी के सामान्य लक्षण, समूह तथा आवर्त, आवर्ती गुण (परमाणु आकार, संयोजकता तत्वों के आक्साइड की प्रवृत्ति), मेण्डलींफ की आवर्त सारणी की उपयोगिता तथा कमियाँ, आधुनिक आवर्त नियम, आधुनिक आवर्त सारणी।

इकाई–4 कार्बनिक रसायन 10 अंक

- कार्बन की संयोजकता – कार्बन का श्रृंखलीय गुण, कार्बन के यौगिक बनाने की क्षमता, कार्बनिक यौगिक, क्रियात्मक समूह (–OH-CHO-COOH>CO) सजातीय श्रेणी, IUPAC नामकरण।

- **कार्बनिक यौगिक –**

हाइड्रोकार्बन (एलीफैटिक तथा एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन), एलीफैटिक हाइड्रोकार्बन के प्रकार (संतृप्त व असंतृप्त) CH_4, C_2H_4 के सामान्य गुणधर्म व उपयोग, CH_3COOH तथा C_2H_5OH के निर्माण की प्रयोगशाला विधि (केवल अभिक्रिया) इनके गुण व उपयोग पेट्रोलियम के प्रभाज उनके सामान्य गुण व उपयोग, साबुन, साबुनीकरण, (केवल अभिक्रिया) साबुन की सफाई प्रक्रिया (micell की अवधारणा के आधार पर)।

इकाई–5 जैव–जगत 15 अंक

- **मानव शरीर की संरचना –**

अध्यावरणी तंत्र, पाचन तन्त्र, श्वसन तन्त्र, परिसंचरण तंत्र, उत्सर्जन तन्त्र, प्रजनन तन्त्र की संरचना (संक्षिप्त विवरण)।

- **जीवन की प्रक्रियायें –**

पोषण, श्वसन, परिवहन (मनुष्य में आन्तरिक परिवहन) प्रकाश संश्लेषण, वाष्पोत्सर्जन, पौधों में आन्तरिक परिवहन

- **पौधों और जन्तुओं में नियन्त्रण और समन्वयन–**

पौधों में समन्वयन–पादप हारमोन, आक्सिन, जिबरेलिन, साइटोकाइनिन, एब्सिसिक अम्ल, एथिलीन गैस, जन्तुओं में रासायनिक समन्वयन–अन्तःस्रावी ग्रंथियाँ एवं हारमोन्स जन्तुओं में तंत्रिका समन्वयन–प्रतिवर्ती क्रिया (संक्षिप्त वर्णन) पौधों और जन्तुओं में जनन, परिवार नियोजन की आवश्यकता और विधियाँ।

- **तम्बाकू, अल्कोहल और नशीली दवायें –**

धूम–पान के प्रभाव, कैंसर, अल्कोहल तथा वाहन चालन, नशीली दवाओं के प्रभाव।

इकाई–6 आनुवांशिकी एवं जैव विकास 10 अंक

- **आनुवांशिकता के सिद्धान्त –**

मेंडल आनुवांशिकी के जनक, मेंडल का प्रयोग, प्रमुख शब्दावली, मेंडल के नियम (उदाहरण सहित)।

- **मानव आनुवांशिकी –**

  आनुवांशिक पदार्थ, मानव में लिंग निर्धारण, लिंग सहलग्न लक्षण, हीमोफीलिया, वर्णान्धता तथा सिकिल सैल एनीमिया, जैव प्रौद्योगिकी–अर्थ एवं उपयोगिता।

- जीवन की उत्पत्ति एवं मिलर का प्रयोग –

- जैव विकास–लैमार्कवाद, डार्विनवाद एवं उत्परिवर्तनवाद (संक्षेप में)

<u>प्रयोगात्मक</u>

- प्रयोगात्मक परीक्षा का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आंतरिक होगा।

- प्रयोगात्मक कार्य का अंक विभाजन निम्नवत् है :–

1– तीन प्रयोग (प्रत्येक खण्ड से एक) – 3X3=09 अंक

2– मौखिक कार्य – – 03 अंक

3– सत्रीय कार्य – 03 अंक

कुल – 15 अंक

1– परावर्तन के नियमों का सत्यापन करना।

2– अपवर्तन के नियमों का सत्यापन करना।

3– दण्ड–चुम्बक की बल रेखाओं का अध्ययन करना।

4– प्रतिरोधक का धारा बोल्टता रेखाचित्र खींचना।

5– श्रेणी तथा समान्तर क्रमों में प्रतिरोधों के संयोजन का तुल्य प्रतिरोध ज्ञात करना।

6– $_{pH}$ पेपर/सार्वत्रिक सूचक (Universal indicator) का प्रयोग करके निम्नलिखित मूलों का $_{pH}$ ज्ञात करना–

(i) तनु HCI (ii) तनु NaOH विलयन (iii) तनुएथेनोइक एसिड विलयन

(iv) नीबू का रस (v) जल (vi) तनु सोडियम बाई कार्बोनेट विलयन

7– अम्ल तथा क्षार के गुणों का अध्ययन, HCl तथा NaOH को निम्न के साथ अभिक्रिया कराके–

(i) लिटमस विलयन (नीला/लाल), (ii) जिंकधातु, (iii) ठोस सोडियम कार्बोनेट

8– Zn, Fe, Cu तथा Al धातुओं का निम्नलिखित लवण विलयनों से अभिक्रिया का निरीक्षण –

(i) $ZnSo_4$ (aq), (ii) $FeSo_4$(aq), (iii) $CuSo_4$(aq) (iv) $Al_2(SO_4)_3$ (aq)

9– उपरोक्त से प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर Zn, Fe, Cu तथा Al धातुओं को अभिक्रिया की कोटि के अनुसार व्यवस्थित करना।

10– एसीटिक एसिड के निम्नलिखित गुणों का अध्ययन करना–

(i) गंध (ii) जल में विलेयता, (iii) लिटमस पर प्रभाव, (iv) सोडियम कार्बोनेट से अभिक्रिया।

11– प्रकाश संश्लेषण की क्रिया में O2 (आक्सीजन) गैस बाहर निकलती है, का प्रदर्शन करना।

12– रक्त की स्लाइड बनाना एवं अध्ययन करना।

13– श्वसन में ऊष्मा उत्पन्न होती है, का प्रदर्शन करना।

14– वाष्पोत्सर्जन का प्रदर्शन करना।

15– स्टोमेटा की स्लाइड बनाना।

टिप्पणी–प्रत्येक विद्यार्थी के पास विज्ञान की एक प्रयोगात्मक नोट बुक होगी जिसमें प्रयोगात्मक कार्य का दैनिक रिकार्ड दर्ज किया जायेगा जिसकी सही ढंग से जांच होनी चाहिए और इसे प्रयोगात्मक परीक्षा के समय प्रस्तुत किया जाय।

प्रोजेक्ट कार्य की सूची

पूर्णांक–15 अंक

नोटः दिये गये प्रोजेक्ट सूची में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार करायें। प्रत्येक खण्डों (भौतिक, रसायन व जीव विज्ञान) में से एक–एक प्रोजेक्ट कार्य व प्रोजेक्ट फाइल तैयार कराना अनिवार्य होगा। शिक्षक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट कार्य अपने स्तर से भी दे सकते हैं। तीनों प्रोजेक्ट का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा।

1– pH पेपर/सार्वत्रिक सूचक का प्रयोग कर निम्नलिखित प्राकृतिक उत्पादों के pH मान एवं अम्लीय व क्षारीय विलयन में रंग परिवर्तन का अध्ययन करना :–

(1) नीबू का रस (2) चुकन्दर का रस (3) पत्ता गोभी का रस

(4) उबले हुये मटर का पानी (5) गुलाब की पंखुड़ियों का रस

2– **<u>रासायनिक उद्यान (केमिकल गार्डेन) बनाना :–</u>**

(काँच का जार, बालू, वाटर–ग्लास विलयन, कॉपर सल्फेट, कोबाल्ट सल्फेट या मैंग्नीज सल्फेट के क्रिस्टल)

3– विभिन्न अम्ल–क्षार उदासीनीकरण अभिक्रियाओं में उत्पन्न ऊष्मा का प्रायोगिक प्रेक्षण कर तुलनात्मक अध्ययन करना (जॉब विधि द्वारा) :–

(बीकर, मापन फ्लास्क, थर्मामीटर, अम्ल और क्षार के मोलर विलयन, प्लास्टिक, कॉपी, कप आदि)।

4– आधुनिक आवर्त सारणी को चार्ट पेपर पर बनाकर अध्ययन करना।

5– मैडम क्यूरी व्यक्तित्व एवं कृतित्व।

(चित्र, जीवन परिचय, शिक्षा–दीक्षा, आविष्कार एवं नोबेल पुरस्कार)

6– विद्युत घंटी का मॉडल तैयार करना तथा निहित वैज्ञानिक सिद्धान्तों का अध्ययन करना।

7– बहुरूपदर्शी (Kaleidoscope) का मॉडल तैयार करना।

8– प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिकों का व्यक्तित्व एवं भौतिक विज्ञान में उनके योगदान को सूचीबद्ध करके उनका विस्तृत अध्ययन करना।

9– आवश्यक परिपथ का आरेख देते हुये विद्युत क्विज बोर्ड का मॉडल तैयार करना।

10– मनोरंजन में विज्ञान की भूमिका का सचित्र अध्ययन।

11– दर्पण व लेन्स से बने प्रतिबिम्ब की प्रकृति, स्थिति तथा साइज में परिवर्तन का परीक्षण कर सारणीबद्ध करना।

12– एक द्विलिंगी पुष्प जैसे–गुड़हल व सरसों के विभिन्न भागों (बाहय दल, दल, पुमंग, जायांग) का अध्ययन एवं उसमें होने वाले परागण की जानकारी प्राप्त करना।

13– मनुष्य के हृदय की संरचना का मॉडल तैयार करना।

14– सेम तथा मक्का के बीज (भीगे हुये) की सहायता से बीज की संरचना एवं अंकुरण का अध्ययन करना।

15– जैव प्रौद्योगिकी का चिकित्सा, कृषि एवं उद्योग के क्षेत्र में महत्व –एक प्रोजेक्ट रिपोर्ट।

16– विभिन्न प्रकार के पौधों का संग्रह कर हरबेरियम तैयार करना।

17– बिना मिट्टी के पौधें उगाना– प्रयोग एवं प्रेक्षण के आधार पर प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करना।

18– पेट्रोल एवं डीजल से उत्पन्न वायु प्रदूषण का अध्ययन एवं इसके कम करने के लिये C.N.G. (सी. एन.जी.) का प्रयोग।

19– प्लास्टिक व पॉलीथीन का दैनिक जीवन में महत्व एवं पर्यावरण प्रदूषण में भूमिका।

20– आपके शहर में बढ़ते हुये शोर का कारण एवं हानिकारक प्रभावों का सचित्र अध्ययन।

संगीत (गायन)

कक्षा – 10

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्नपत्र तीन घंटे का होगा।

भाग (क) अंक – 35

(शास्त्रीय शब्दावली की परिभाषा एवं व्याख्या)

नाद, नादोत्पत्ति, नाद के प्रकार एवं विशेषतायें। शब्द और वर्णों का गायन, स्वरों का स्पष्ट उच्चारण, तीनों सप्तकों का अध्ययन (मध्यमन्द्र एवं तार) आवाज के गुणों का उत्कर्ष और उसकी सुरक्षा के लिये स्वास्थ्य और भोजन सम्बन्धी नियम, भातखण्डे एवं विष्णु दिगम्बर स्वर एवं स्वर लिपि पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन, थाटों का वर्गीकरण और थाट से रागों की उत्पत्ति, मुर्की, कण, वर्जित, वक्र, मींड, सम, खाली एवं भरी।

भाग (ख)

(संगीत का इतिहास एवं रागों का अध्ययन) अंक – 35

ध्रुवपद, टप्पा, ठुमरी, तराना, बड़ा ख्याल तथा छोटे ख्याल की परिभाषा, पाठ्यक्रम के रागों की विशेषता, स्वर–विस्तार एवं अलंकारों के माध्यम से रागों की बढ़त और उसमें भेद। पाठ्यक्रम के बोलों के तालों एवं दुगुन का ज्ञान एवं तालों को लिपिबद्ध करने की योग्यता, स्वर–समूहों के छोटे–छोटे टुकड़ों के आधार पर राग को पहिचानने एवं उनकी बढ़त की योग्यता, संगीत सम्बन्धी सामान्य विषयों पर छोटा निबन्ध लिखना, तानसेन एवं विष्णु दिगम्बर की जीवनी।

बिहाग एवं भैरवी रागों का विस्तृत अध्ययन। प्रत्येक में एक–एक गीत छात्रों को तैयार करना है। उपर्युक्त रागों में कम से कम एक ध्रुवपद और ख्याल होना चाहिये। उनमें आलाप–तान लिखने एवं गाने की योग्यता होनी चाहिये।

देश, बागेश्वरी एवं काफी रागों की साधारण जानकारी होनी चाहिये।

प्रत्येक राग में एक गीत (सरगम या लक्षण गीत) होना आवश्यक है।

प्रत्येक राग का आरोह–अवरोह एवं पकड़ गाना विद्यार्थी को अवश्य आना चाहिये तथा उसको लिखने की क्षमता होनी चाहिये।

उपर्युक्त गीतों के साथ दादरा, तीनताल, झपताल, एकताल, चारताल, नामक तालें प्रयुक्त होनी चाहिये।

नोट : उपर्युक्त निर्धारित रागों एवं तालों पर आधारित प्रयोगात्मक परीक्षा ली जायेगी जो 15 अंको की होगी तथा 15 अंक प्रोजेक्ट कार्य के लिए निर्धारित है। जिसका मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

संगीत (गायन) प्रोजेक्ट कार्य

नोट : निम्नलिखित में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार कराये। अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट भी दे सकते है।

1. महान संगीतज्ञों के चित्र एकत्रित करके स्क्रैप बुक में चिपकाना तथा उनके नाम एवं जन्म– मृत्यु का उल्लेख करना।
2. वर्तमान समय के परिप्रेक्ष्य में संगीत में प्रयोग किए जाने वाले वाद्य यन्त्रों के चित्रों को एकत्र करके उनके नामों का उल्लेख करते हुए स्क्रैप बुक में लगाना।
3. श्री विष्णु नारायण भातखण्डे की सांगीतिक रचनाओं की एक सूची तैयार कीजिये।
4. स्वरों के शुद्ध एवं विकृत प्रकारों को चार्ट पेपर पर अंकित कीजिये।

5. तबले का चित्र बना कर उसके विभिन्न अंगों के नाम लिखिये।
6. राग की मुख्य जातियों एवं उपजातियों को तालिका के द्वारा स्पष्ट कीजिये।
7. किन्हीं चार प्राचीन संगीत वाद्य–यन्त्रों के नामों का उल्लेख करते हुये उनसे सम्बन्धित शीर्ष संगीतकारों के नाम लिखिये।
8. श्री भातखण्डे तथा विष्णु दिगम्बर स्वर लिपि एवं ताल लिपि पद्धति की तुलना चार्ट बना कर कीजिये।
9. सितार अथवा तानपुरे का प्रारूप तैयार कर उनके अंगों का नामकरण भी कीजिये। इच्छानुसार वैलवेट पेपर या थर्मोकोल का प्रयोग किया जा सकता है।
10. चार भारतीय नृत्य शैलियों के चित्र, नाम तथा उनसे सम्बन्धित शीर्ष कलाकारों के नाम स्क्रैप बुक में अंकित कीजिये।

संगीत (वादन)

कक्षा – 10

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न पत्र तीन घंटे का होगा।

खण्ड (क)

शास्त्रीय शब्दों की परिभाषा एवं व्याख्या – **30**

सप्तक (मन्द्र, मध्य एवं तार) का विस्तृत अध्ययन, मुर्की, कण, विवादी, वर्ण, चक्रमोड़, घसीट, झाला, जोड़, पेशकारा, टुकड़ा, परन, रेला, तिहाई, सम, भातखण्डे एवं विष्णु दिगम्बर संगीत पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन थाटों का वर्गीकरण और उनसे रागों की उत्पत्ति।

खण्ड (ख) **40**

1. वादन पाठ्यक्रम में रागों की विशेषताएं – स्वर विस्तार और अलंकारों के माध्यम से रागों की बढ़त एवं भेद।
2. तालों के टुकड़े, परन आदि लिखने की योग्यता एवं सरल स्वर विस्तार एवं तोड़ों के साथ गत को स्वर लिपिबद्ध करके लिखना।
3. स्वर समूह के छोटे–छोटे टुकड़ों के आधार पर रागों को पहिचानने और बढ़त करने की योग्यता।
4. संगीत सम्बन्धी सामान्य विषयों पर छोटा निबन्ध, तानसेन एवं विष्णु दिगम्बर की जीवनी।

तबला एवं पखावज –

1. तीनताल, एकताल और चारताल में से प्रत्येक में एक पेशकारा, 2 कायदा, 2 टुकड़े और दो तिहाई लिखने बजाने की योग्यता। चारताल में दो टुकड़े एवं एक परन लिखने और बजाने की योग्यता।
2. कहरवा, तीव्रा एवं दीपचन्दी तालों का साधारण ठेका।

अन्य वाद्य

1. राग बिहाग तथा भैरवी में प्रत्येक में एक मसीतखानी गत तथा एक रजाखानी गत आवश्यक है।
2. देश, बागेश्री तथा काफी रागों में कलात्मक विकास के बिना एक गत। इन रागों में आरोह–अवरोह एवं पकड़ लिखने की योग्यता।
3. कहरवा, तीनताल, एकताल, और चारताल से भी परिचित होना चाहिए।
4. अपने वाद्य में बजाने वाले वर्ण एवं बोलों को निकालने की विधि।
5. प्रचलित वाद्य और उनकी विशेषताओं का ज्ञान।

नोट : उपर्युक्त निर्धारित रागों एवं तालो की आन्तरिक प्रयोगात्मक परीक्षा होगी जिसके लिए 15 अंक निर्धारित किये गए हैं तथा 15 अंक प्रोजेक्ट कार्य के लिए है। इनका मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

प्रोजेक्ट वर्क

PROJECT WORK

नोट : निम्नलिखित में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार करायें। अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट भी दे सकते हैं।

1. हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के प्रसिद्ध संगीतज्ञों के चित्र एकत्रित कर अपनी अभ्यास पुस्तिका में लगाइए तथा संक्षिप्त परिचय दीजिए।
2. अपने वाद्य की उत्पत्ति व विकास को सचित्र वर्णित कीजिए।
3. स्व वाद्य के वर्णो की निकास विधि को समझाइए।
4. रेडियों एवं टी0वी0 द्वारा प्रसारित होने वाले कुछ संगीत कार्यक्रमों को सुनकर उनकी सूची बनाइए व उनके बारे में संक्षेप में लिखिए।
5. उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत के ''भारतरत्न'' पुरस्कार प्राप्त किसी एक संगीतज्ञ का चार्ट बनाइए।
6. वाद्य के समस्त प्रकारों (तत्, सुषिर, अवनद्ध, घन) के कुछ चित्र एकत्रित कर अपनी अभ्यास पुस्तिका में चिपकाइए तथा उन्हें बजाने वाले सम्बन्धित कलाकार का नाम भी लिखिए।
7. रागों के समय निर्धारण को एक चार्ट द्वारा प्रदर्शित कीजिए।
8. हिन्दुस्तानी संगीत के 10 थाटों के नाम व उनके स्वरों को चार्ट द्वारा प्रदर्शित कीजिए तथा उनसे उत्पन्न कुछ रागों के नाम लिखिए।
9. संगीत शिक्षा प्रदान करने वाली प्रमुख संस्थाओं के नाम लिखकर संक्षिप्त परिचय दीजिए।
10. सितार अथवा तबला की मुख्य परम्परा/घराना विषय को चार्ट में प्रदर्शित कीजिए।
11. किसी संगीत समारोह का आँखों देखा वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
12. किसी प्रसिद्ध संगीतज्ञ के सांगीतिक योगदान को विस्तारतः समझाइए।

कृषि

कक्षा – 10

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न पत्र तीन घंटे का होगा।

1. मृदा विज्ञान

मृदा जैव पदार्थ, उसके स्रोत, वितरण, संरक्षण और मिट्टी का प्रभाव, ऊसर, क्षारीय तथा अम्लीय मिट्टी और सुधार, भू–क्षरण, मिट्टी का कटाव, भू–संरक्षण के सामान्य उपाय। **7**

2. सिंचाई व जल निकास

(क) जल के स्रोत – कुँआ, नलकूप, बाँध, नहरें, तालाब, नदियाँ आदि।

(ख) सिंचाई की विधियाँ – अप्लावन, क्यारी, नाली, बेसिन, छिड़काव, बार्डर, ट्रिप सिंचाई आदि। **5**

3. खाद तथा उर्वरक

(क) अजैव खादें (उर्वरक), उनका वर्गीकरण, महत्व, अमोनियम सल्फेट, यूरिया, कैल्शियम, अमोनियम नाइट्रेट, सुपर फास्फेट, पोटैशियम क्लोराइड, डाई अमोनियम फास्फेट (डी0ए0पी0)

(ख) उर्वरकों के प्रयोग की विधियाँ

(ग) उर्वरक मिश्रण – विभिन्न फसलों के लिये उर्वरकों की आवश्यकता, उर्वरक मिश्रण बनाने के लिए परिकलन या जानकारी। **8**

4. <u>भू–परिष्करण</u>

(क) विभिन्न फसलों के लिए भू–परिष्करण की आवश्यकतायें एवं उनका महत्व।

(ख) फसल की सुरक्षा तथा बागवानी के प्रमुख यंत्र– डस्टर, स्प्रेयर, सिक्रेटियर, हैजसियर, बडिंग तथा ग्राफ्टिंग नाइफ, थ्रेसर तथा ओसाई के यंत्र **5**

5. **<u>आपदायें –</u>** दैवी आपदायें जैसे बाढ़, सूखा, भूकम्प, आग, अतिवृष्टि, उपलवृष्टि आदि का मूलभूत ज्ञान। इनका फसल या पर्यावरण पर प्रभाव तथा बचाव के उपाय। **2**

6. निम्न फार्म की फसलों की खेती –

धान, मूँगफली, गेहूँ तथा गन्ना। **10**

7. सब्जियों की खेती –

आलू, खरबूजा, फूलगोभी, टमाटर, लौकी, भिन्डी, प्याज। **10**

8. बागवानी –

बाग के लिए भूमि का चुनाव, गृह उद्यान तथा फलोद्यान, प्रदेश की प्रमुख फसलों, जैसे आम, अमरूद, पपीता तथा नींबू की खेती। **10**

9. पशुपालन –

डेरी उद्योग तथा पशु चिकित्सा विज्ञान

(क) पशुओं की सामान्य देख–रेख तथा प्रबन्ध।

(ख) पशु आहार।

(ग) स्वच्छदोहन विधि, स्वच्छ एवं सुरक्षित दूध।

(घ) दुग्धोत्पादन सम्बन्धी सामान्य जानकारी।

(ड.) सामान्य पशु रोग – बुखार, मुँहपका–खुरपका, रिन्डरपेस्ट, पेचिस, गलाघोटू के लक्षण तथा उपचार की विधियाँ। **8**

10. फल परीक्षण – फल तथा सब्जियों के परिक्षण की विधियाँ, फल व पदार्थो के नष्ट होने के कारण, डिब्बों का जीवाणु नाशन तथा डिब्बा बन्दी, फल तथा सब्जियों का निर्जलीकरण। 5

<u>प्रयोगात्मक</u> **अंक – 15**

1. बीज शैय्या तैयार करना। 5
2. उर्वरक, खरपतवार एवं बीजों की पहिचान। 5
3. मौखिक 3
4. वार्षिक अभिलेख 2

प्रोजेक्ट कार्य **अंक – 15**

नोट : निम्नलिखित में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार करायें। अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट भी दे सकते है।

1. बाग लगाने की उपयुक्त विधि का अध्ययन करना।
2. उर्वरकों के प्रयोग करने की उपयुक्त विधि का अध्ययन करना।
3. स्प्रेअर का प्रयोग करने की विधि तथा सावधानियों का अध्ययन करना।
4. जैम बनाने की विधि का अध्ययन करना।

5. जेली बनाने की विधि का अध्ययन करना।
6. दुग्ध–दोहन की उपयुक्त विधि का अध्ययन करना।
7. ड्रिप सिंचाई का अध्ययन करना।
8. सिंचाई के लिये नहरों की उपयोगिता का अध्ययन करना।
9. उत्तर प्रदेश की मृदाओं में फासफोरस एवं पोटाश पोषक तत्व का प्रयोग करना।
10. पशुओं में होने वाला खुरपका–मुँहपका रोग एवं उसका सुधार का अध्ययन करना।

नोट : प्रयोगात्मक परीक्षा एवं प्रोजेक्ट कार्य का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर होगा।

विषय – सिलाई

कक्षा – X

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न–पत्र तीन घंटे का होगा।

1. कपड़ों की किस्में – कमीज का रेशमी कपड़ा, कमीज का सूती कपड़ा, कमीज का ऊनी कपड़ा।
2. पोशाक के प्रकार – स्त्री, पुरूष तथा बच्चों की पोशाकों की प्रकार का ज्ञान।
3. कपड़े श्रिंक करने की विधि तथा उसकी उपयोगिता।
4. अच्छे कटर के गुण तथा दोष।
5. मशीन की देखभाल, तेल देने का नियम, पुर्जो की जानकारी।
6. मशीन में आने वाले दोष तथा उन्हें दूर करने के उपाय।
7. पैटर्न कटिंग व उसके लाभ।
8. सिलाई में प्रेसिंग, फोल्डिंग तथा फिनिशिंग का ज्ञान तथा उसके लाभ।
9. रसायनिक वस्त्रों के निर्माण में वातावरण पर होने वाले प्रभाव/स्वास्थ्य से उनका सम्बन्ध और बचाव।
10. सलवार, लेडीज कुर्ता, ब्लाउज, कलीदार कुर्ता–उपइन परिधानों की नाप लिखना, रेखा चित्र बनाना तथा पेपर कटिंग करना।
11. कुन्देदार पायजामा (अलीगढ़ पायजामा)।
12. टेनिस कालर शर्ट।
13. फुलपैंट।
14. सिलाई के काम में आने वाले विभिन्न टाँकों का ज्ञान।

सिलाई–प्रयोगात्मक 15 अंक

(प्रयोगात्मक परीक्षा का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा।)

पेपर कटिंग – सलवार, लेडीज कुर्ता, ब्लाउज, कलीदार कुर्ता, कुन्देदार पायजामा, टेनिस कालर शर्ट, पैन्ट एवं हाफ पैंट सम्बन्धित वस्त्रों के नापों की जानकारी एवं ड्राइंग का अभ्यास।

प्रयोगात्मक – ब्लाउज, कुन्देदार पायजामा (अलीगढ़), कलीदार कुर्ता।

सिलाई में प्रयोग होने वाले उपकरण का ज्ञान।

प्रेसिंग सामग्री (इक्यूपमेण्ट्स) की जानकारी एवं उपयोगिता।

प्रयोगात्मक वस्त्रों के सिलाई सम्बन्धी परिधानों को हाथ सिलाइयाँ, काज, बटन, एवं पूर्णरूपेण फिनिशिंगो का ज्ञान तथा अभ्यास करना।

प्रोजेक्ट कार्यो की सूची **15 अंक**

नोट : निम्नलिखित प्रोजेक्ट सूची में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्राओं से करायें। प्रोजेक्ट कार्यो की फाइल तैयार करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रोजेक्ट पाँच अंक का होगा।

1. सिलाई एवं सिलाई मशीन।
2. सिलाई एवं पेपर कटिंग।
3. सिलाई एक कला।
4. धागों की टुनिया।
5. परिधान रचना (फाइल तैयार करें जिसमें पाठ्यक्रमानुसार छोटे छोटे वस्त्र (नमूना) सिल कर लगायें)।
6. सिलाई किट।
7. सिलाई मशीन के विभिन्न पुर्जे, उनमें उत्पन्न होने वाले दोष – एवं सुधार।
8. पोशाक के प्रकार।
9. रसायनिक वस्त्र एवं वातावरण।
10. सिलाई एवं कढ़ाई के विभिन्न टाकें।

कम्प्यूटर

कक्षा–10

इस विषय में 70 अंको का केवल एक प्रश्नपत्र तीन घन्टे का होगा।

1–कम्प्यूटर और संचार 15 अंक

प्राथमिक संचार माडल (सेण्टर,रिसीवर,मीडिया एवं प्रोटोकाल)
संचार के प्रकार
कम्यूनिकेशन मीडिया, (तार,बेतार)
सिंम्पलैक्स और पूर्ण ड्यूप्लेक्स
नेटवर्क–लैन एवं वैन
इन्टरनेट

2– लाइनेक्स आपरेटिंग सिस्टम 10 अंक

एडवांसड फंक्सन्स/फीचर्स
सी0एल0आई0 एवं जी0यू0आई0(Command Line Interface & Graphic Uses Interface)
फाइल सर्च,टैक्स्ट सर्च
मैसेजिंग ओवर लैन (LAN)
टैक्स्ट प्रोसेसिंग कमाण्डस (कैट,ग्रेप आदि)
वी0आई0 टैक्सट एडिटर
लाइनेक्स डेस्कटाप से परिचय
लाइनेक्स में सुरक्षा प्रबन्ध एवं उनका स्वरूप

3– बाइनरी अर्थमेटिक एवं लाजिक गेट्स 10 अंक

किट्स,निबल्स,बाइट्स,वर्ड लेन्थ,करैक्टर रिप्रेजेन्टेशन्स
आस्की (ASCII) करेक्टर कोड्स
सिम्पल बाइनरी अर्थमेटिक (जोडना,घटाना,गुणा,भाग देना)
कम्प्यूटर लॉजिक,बूलियन आपरेशन्स
लॉजिकल आपरेटर्स (NOT,AND,0R,NOR,NAND एवं उसकी Truth table)

4–सी (C) में एडवान्स्ड प्रोग्रामिंग 10 अंक

सब्सक्रिप्टेड वैरीएबल्स (ARRAYS)

परिचय

सिंगल और डबल सब्सक्रिप्टेड वैरीएबल्स

सर्चिंग और सर्टिंग

एरेज एवं स्ट्रिंग 05 अंक

फंक्सन्स एवं सबरूटीन्स 05 अंक

लाइब्रेरी फंक्सन्स

स्ट्रिंग मैन्यूपुलेशन 05 अंक

स्ट्रिंग फंक्सन्स (अंक और स्ट्रिंग को परस्पर बदलने के लिए निर्देश)

कॉनकैटिनेशन (किसी भी शब्द में वांछित अक्षरों को जोडना)

फाइल आपरेशन्स 10 अंक

सीक्वेन्शियल फाइल्स का प्रयोग करना

रेन्डम फाइल्स का प्रयोग करना

प्रयोगात्मक कार्य

उक्त प्रस्तर 2 एवं 4 के विभिन्न माड्यूल्स में प्रयोगात्मक कार्य कराये जायेंगे। इस कार्य हेतु 15 अंक निर्धारित है। प्रयोगात्मक परीक्षा का मूल्यांकन विद्यालय स्तरपर आन्तरिक होगा।

पाठ्य पुस्तके––

कोई भी पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यालयों के प्रधान विषय अध्यापक के परामर्श से उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

प्रोजेक्ट कार्य

प्रोजेक्ट कार्य 15 अंक का होगा। दिये गये प्रोजेक्ट की सूची में से तीन प्रोजेक्ट अवश्य तैयार कराये जाये। शिक्षक इसके अतिरिक्त विषय से सम्बन्धित प्रोजेक्ट तैयार करा सकते है। प्रोजेक्ट का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा।

1– कम्यूनिकेशन मीडिया (तार,बेतार)

2– नेटवर्क (लैन एवं वैन) Network

3– इंटरनेट (e-mail-id,web site…….ect.)

4– लाइनक्स (सी0एल0आई0) (mure,cat.ls,mkdir,ect.)

5– लाइनक्स आफिस

– स्टार कैल

– स्टार इम्प्रैस

– स्टार राइटर

6– लाइनक्स (जी0यू0आई0) इंटरफेस

7– लाजिक गेट्स

8– सी प्रोग्रामिंग (ऐरे)

9– स्ट्रिंग मैन्युपुलेशन

10– फंक्शन

विषय–गणित

कक्षा–10

एक प्रश्नपत्र 70 अंकों का तथा समय 3 घण्टे होगा।

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र–	70 अंक
प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यॉकन–	30 अंक

योग– **100 अंक**

प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यॉकन में 15 अंक प्रोजेक्ट कार्य हेतु तथा 15 अंक मासिक परीक्षा हेतु निर्धारित किया गया है।

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र हेतु इकाईवार अंक विभाजन

इकाई–1– बीजगणित–	12 अंक
इकाई–2– वाणिज्यिक गणित कराधान–	06 अंक
इकाई–3– सांख्यिकी–	06 अंक
इकाई–4– त्रिकोणमिति–	14 अंक
इकाई–5– ज्यामिति–	16 अंक
इकाई–6– निर्देशांक ज्यामिति	08 अंक
इकाई–7– मेन्सुरेसन–	08 अंक

कुल– **70 अंक**

इकाई–1– बीजगणित 12 अंक

(क) परिमेय व्यंजक का सरलीकरण

(ख) गुणनखंड विधि से बहुपदों के लघुत्तम समापवर्त्य एवं महत्तम समापवर्त्य

(ग) द्विघात समीकरण

(1) मानक द्विघात समीकरण $ax^2+bx+c=0$ का गुणनखण्ड विधि द्वारा तथा सूत्र द्वारा हल।

(2) द्विघात समीकरण का विवक्तकर एवं उनके मूलों की प्रकृति।

(3) दिये गये मूलों से द्विघात समीकरण बनाना।

(4) द्विघात समीकरणों का अनुप्रयोग तथा इन पर आधारित इबारती प्रश्न।

इकाई–2– वाणिज्यिक गणित कराधान– 06 अंक

(क) प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष कर

(ख) आयकर तथा बिक्रीकर का ऑकलन (विगत दो वर्षों के नियमावली के अनुसार)

इकाई–3– सांख्यिकी– 06 अंक

(क) समान्तर माध्य– अवर्गीकृत तथा वर्गीकृत ऑकड़ों के लिए

(ख) माध्यिका– अवर्गीकृत तथा वर्गीकृत ऑकड़ों के लिए

(ग) बहुलक– केवल अवर्गीकृत ऑकड़ों के लिए

इकाई–4– त्रिकोणमिति– 14 अंक

(क) $n(360^0 \pm \theta)$ के त्रिकोणमितीय अनुपात (जहॉ n एक पूर्णांक है)

(ख) त्रिकोणमितीय सर्वसमिकायें

$Sin^2A+Cos^2A=1$, $Sec^2A=1+tan^2A$, $Cosec^2A=1+Cot^2A$

(ग) दो कोणों के योग और अन्तर तथा किसी कोण के अपवर्त्य एवं अपवर्तक कोणों के त्रिकाणमितीय अनुपात

(घ) Sine और Cosine के योग और अन्तर को उनके गुणनफल के रूप में व्यक्त करना।

(ड) ऊॅचाई एवं दूरी,

त्रिकोणमितीय सारणियों का पढ़ना, त्रिकोणमितीय सारणियों एवं लघुगुणक सारणियों के प्रयोग से ऊॅचाई एवं दूरी के साधारण प्रश्न का हल।

इकाई–5– ज्यामिति– 16 अंक

(क) वृत्त सम्बन्धी प्रमेय

(1) यदि किसी वृत्त के दो चाप सर्वांगसम हो तो संगत जीवायें परस्पर बराबर होती हैं। (केवल कथन)

(2) यदि किसी वृत्त की दो जीवायें समान हो तो उसके संगत चाप सर्वांगसम होते हैं। (केवल कथन)

(3) वृत्त के केन्द्र से जीवा पर डाला गया लम्ब जीवा को समद्विभाजित करता है। (उपपत्ति)

(4) वृत्त के केन्द्र एवं जीवा के मध्य बिन्दु को मिलाने वाली रेखा जीवा पर लम्ब होती है। (उपपत्ति)

(5) वृत्त की समान जीवायें केन्द्र से समदूरस्थ होती है। (उपपत्ति)

(6) वृत्त के किसी चाप से केन्द्र पर बना कोण शेष परिधि पर बने कोण का दुगुना होता है। (उपपत्ति)

(7) अर्धवृत्त में स्थित कोण समकोंण होता है।

(8) एक ही वृत्तखंड के कोंण परस्पर बराबर होते हैं (उपपत्ति)

(9) यदि दो बिन्दुओं को मिलाने वाली रेखाखण्ड दो अन्य बिन्दुओं पर जो इस रेखाखण्ड को आविष्ट करने वाली रेखा के एक ही ओर स्थित है, समान कोण अंतरित करता है तो चारों बिन्दु एक वृत्तीय होते हैं। (उपपत्ति)

(10) चक्रीय चतुर्भुज के सम्मुख कोंण सम्पूरक होते हैं। (उपपत्ति)

(11) यदि चतुर्भुज के सम्मुख कोणों का योग 180^0 होता है तो चतुर्भुज चक्रीय होता है। (उपपत्ति)

(12) वृत्त की स्पर्श रेखा, स्पर्श बिन्दु से होकर जाने वाली त्रिज्या पर लम्ब होती है। (केवल कथन)

(13) किसी वाह्य बिन्दु से वृत्त पर खींची गयी स्पर्श रेखाएं परस्पर बराबर होती हैं। (केवल कथन)

(14) यदि वृत्त की जीवा के एक छोर बिन्दु से खींची गयी रेखा तथा जीवा के बीच का कोण एकान्तर खण्ड में जीवा द्वारा अन्तरित कोण के बराबर हो तो यह वृत्त की स्पर्श रेखा होती है। (केवल कथन)

(ख) रचना

(1) वृत्त के किसी दिये हुए बिन्दु पर स्पर्श रेखा की रचना करना जबकि वृत्त का केन्द्र (1) ज्ञात हो (2) अज्ञात हो।

(2) त्रिभुज के अन्तर्गत तथा परिगत वृत्त खींचना।

(3) किसी वाह्य बिन्दु से वृत्त की स्पर्श रेखा खींचना।

(4) दो वृत्तों की उभयनिष्ठ (अनु एवं तिर्यक) स्पर्श रेखायें खींचना।

इकाई–6– निर्देशांक ज्यामिति 08 अंक

(क) सरल रेखा के समीकरण

(ख) सरल रेखा के समान्तर तथा लम्बवत् रेखाओं के समीकरण

(ग) दो सरल रेखाओं का प्रतिच्छेद बिन्दु

(घ) दो सरल रेखाओं के बीच का कोण

(ड) सरल रेखा पर किसी बिन्दु से डाले गये लम्ब की लम्बाई

इकाई–7– मेन्सुरेसन– 08 अंक

बेलन, शंकु तथा गोले का वक्रपृष्ठ, सम्पूर्णपृष्ठ तथा आयतन

प्रोजेक्ट कार्य

नोट– निम्नलिखित में से कोई तीन प्रोजेक्ट प्रत्येक छात्र से तैयार करायें। अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट अपने स्तर से भी दे सकते हैं।

- जनसंख्या अध्ययन में सांख्यिकी की उपयोगिता।
- पाइथागोरस प्रमेय का सत्यापन गत्ता या चार्ट पर त्रिभुज एवं वर्ग को बनाकर करना।
- विभिन्न ज्यामितीय आकृतियों की वास्तुकला एवं निर्माण में भूमिका का अध्ययन करना।
- उत्तर मध्यकाल के किसी एक भारतीय गणितज्ञ (रामानुजम, नारायण पण्डित आदि) का व्यक्तित्व एवं गणित में योगदान।
- त्रिकोणमिति अनुपातों के चिन्हों का ज्ञान चार्ट के माध्यम से कराना। कोण के पूरक (Complementary angle), संपूरक कोण (Supplementary angle) आदि कोणों के त्रिकोणमितीय अनुपात कोणों के संगत अनुपात में चित्र के माध्यम से व्यक्त करना।
- 28 X 42 सेमी माप के दो कागज लेकर लम्बाई एवं चौड़ाई की दिशा से मोड़कर दो अलग–अलग बेलन बनाइए। दोनों में से किसका वक्रपृष्ठ एवं आयतन अधिक होगा।
- सरकार द्वारा लगाये जाने वाले विभिन्न प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर का अध्ययन करना।
- वृत्त के केन्द्र पर बना कोण शेष परिधि पर बने कोण का दूना होता है का क्रियात्मक निरूपण करना।
- दूरी मापने का यन्त्र (Sextant) बनाना और प्रयोग करना।
- गणित के सिद्धान्तों की चित्रकला में उपयोगिता।
- एक कार/घर खरीदनें के लिए बैंक से लोन लेने के विभिन्न चरणों का ब्योरा प्रस्तुत कीजिए।

विषय–प्रारम्भिक गणित

कक्षा–10

एक प्रश्नपत्र 70 अंकों का तथा समय 3 घण्टे होगा।

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र–	70 अंक
प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यॉकन–	30 अंक

योग– **100 अंक**

प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यॉकन में 15 अंक प्रोजेक्ट कार्य हेतु तथा 15 अंक मासिक परीक्षा हेतु निर्धारित किया गया है।

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र हेतु इकाईवार अंक विभाजन

इकाई–1– अंकगणित–	14 अंक
इकाई–2– बीजगणित–	12 अंक
इकाई–3– सांख्यिकी–	12 अंक
इकाई–4– ज्यामिति–	20 अंक
इकाई–5– मेन्सुरेशन–	12 अंक
कुल–	**70 अंक**

इकाई–1– **अंकगणित** 14 अंक

(क) चक्रवृद्धि ब्याज–ब्याज तथा मिश्रधन ज्ञात करना (समय भिन्न में न हों)

(ख) बैंक जमा पूँजी (बचत खाता, आवर्ती खाता, सावधि खाता) तथा चेकों का पूरा ज्ञान तथा किस्तों में भुगतान

(ग) कर बिक्रीकर तथा आयकर की गणना (विगत दो वर्षों की नियमावली के अनुसार)

इकाई–2– **बीजगणित** 12 अंक

(क) लघुत्तम समापवर्त्य तथा महत्तम समापवर्त्य सर्वनिष्ठ तथा समूह विधि द्वारा दो वर्गों के अन्तर का व्यंजक, त्रिपद व्यंजक।

(ख) युगपत समीकरण–दो अज्ञात राशियों के युगपत समीकरणों का हल

(ग) द्विघात समीकरण का हल एवं इन पर सरल इबारती प्रश्न

इकाई–3– **सांख्यिकी** 12 अंक

(क) समान्तर माध्य–अवर्गीकृत तथा वर्गीकृत ऑकड़ों के लिए

(ख) माध्यिका–केवल अवर्गीकृत ऑकड़ों के लिए

(ग) बहुलक–केवल अवर्गीकृत ऑकड़ों के लिए

इकाई–4– **ज्यामिति** 20 अंक

(क) वृत्त सम्बन्धी परिभाषायें तथा प्रमेयों के कथन पर आधारित प्रश्न

प्रमेय (उपपत्ति सहित)

(1) वृत्त के केन्द्र से जीवा पर डाला गया लम्ब जीवा को समद्विभाजित करता है

(2) वृत्त के केन्द्र एवं जीवा के मध्य बिन्दु को मिलाने वाली रेखा जीवा पर लम्ब होती है।

(3) किसी वृत्त में एक चाप द्वारा केन्द्र पर अन्तरित कोण, उसके द्वारा शेष परिधि के किसी भी बिन्दु पर अन्तरित कोण का दूना होता है।

(4) एक ही वृत्तखंड के कोण बराबर होते हैं।

(5) अर्धवृत्त में स्थित कोण समकोण होता है।

(6) चक्रीय चतुर्भुज के सम्मुख कोण सम्पूरक होते हैं।

(ख) **रचना–**

(1) किसी वाह्य बिन्दु से वृत्त की स्पर्श रेखायें खींचना।

(2) त्रिभुज के परिगत तथा अन्तः वृत्त की रचना करना।

इकाई–5– **मेन्सुरेसन** 12 अंक

(क) लम्ब वृत्तीय बेलन का वक्रपृष्ठ तथा आयतन

(ख) लम्ब वृत्तीय शंकु का वक्रपृष्ठ तथा आयतन

(ग) गोले का वक्रपृष्ठ तथा आयतन

प्रोजेक्ट कार्य

नोट– निम्नलिखित में से कोई तीन प्रोजेक्ट प्रत्येक छात्र से तैयार करायें। अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट अपने स्तर से भी दे सकते हैं।

- जनसंख्या अध्ययन में सांख्यिकी की उपयोगिता।
- सरकार द्वारा लगाये जाने वाले विभिन्न प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों का अध्ययन करना।
- पाइथागोरस प्रमेय का सत्यापन क्रियात्मक विधि द्वारा करना।
- बैंक में खोले जाने वाले विभिन्न प्रकार के खातों एवं उनकी व्याज दरों का अध्ययन करना।
- उत्तर मध्यकाल के किसी एक भारतीय गणितज्ञ (रामानुजम, नारायण पण्डित आदि) का व्यक्तित्व एवं गणित में योगदान।
- एक कैन्टीन चलाने के लिए आवश्यक वस्तुओं का विवरण दीजिए एवं दिनभर के क्रय–विक्रय, लाभ, हानि का ब्योरा प्रस्तुत कीजिए।
- वृत्त के किसी चाप द्वारा केन्द्र पर बना कोण शेष परिधि पर बने कोण का दूना होता है का क्रियात्मक निरूपण चार्ट पेपर एवं गत्ते द्वारा कीजिए।
- गणित के अध्ययन में कम्प्यूटर का महत्व।
- आम बजट पर विभिन्न समाचार पत्रों में छपी रिपोर्ट का तुलनात्मक अध्ययन करना।

सामाजिक विज्ञान

कक्षा – (X)

एक प्रश्नपत्र 70 अंको का व समय तीन घण्टे होगा।

अनुभाग– एक– ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत– 20 अंक

इकाई – एक– 08 अंक

(क)– आधुनिक विश्व में वैचारिक क्रान्ति

(ख)– राजनीतिक क्रान्तियॉ

(ग)– राष्ट्रवाद का विकास एवं विश्व युद्ध

इकाई– दो– 07 अंक

(क)– आधुनिक भारत

(ख)– भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन

इकाई –तीन– 05 अंक

(1) मानचित्र कार्य

अनुभाग–दो– नागरिक जीवन– 15 अंक

इकाई– एक– 08 अंक

(क) केन्द्र एवं राज्य सरकार

(ख) भारतीय न्याय व्यवस्था

इकाई–दो– 07 अंक

(क) भारतीय विदेश नीति

(ख) देश की वाह्य एवं आन्तरिक सुरक्षा

अनुभाग–तीन– पर्यावरणीय अध्ययन– 20 अंक

इकाई– एक– 08 अंक

(क) भारत का भौतिक पर्यावरण

(ख) भौतिक संसाधन एवं उनका दोहन

इकाई– दो– 07 अंक

(क) मानवीय संसाधन

(ख) विकसित देश की ओर अग्रसर भारत

इकाई–3 – 05 अंक

मानचित्र कार्य

अनुभाग– चार– आर्थिक विकास – 15 अंक

इकाई – एक– 09 अंक

(क) अर्थव्यवस्था की समस्यायें

(ख) भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान

(ग) भारतीय अर्थव्यवस्था में उद्योगों का योगदान

इकाई– दो – 06 अंक

(क) आर्थिक विकास की दिशा

(ख) विदेशी व्यापार

प्रोजेक्ट कार्य – 15 अंक

आन्तरिक मासिक परीक्षण – 15 अंक

योग – 100 अंक

नोट :– प्रोजेक्ट कार्य का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा।

अनुभाग – एक – ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत – 20 अंक

इकाई – एक– 08 अंक

(क) आधुनिक विश्व में वैचारिक क्रान्ति

(I) पुनर्जागरण

(II) धर्म सुधार आन्दोलन – खोजें एवं आविष्कार

(III) औद्योगिक क्रान्ति एवं उसका प्रभाव

(ख) राजनीतिक क्रान्तियॉ

(I) क्रान्तियों का सामान्य परिचय

(II) फ्रांसीसी क्रान्ति – कारण तथा परिणाम

(III) रूसी क्रान्ति– कारण तथा परिणाम

(ग) राष्ट्रवाद का विकास एवं विश्वयुद्ध

(I) यूरोप में राष्ट्रवाद का विकास

(II) प्रथम विश्व युद्ध– कारण तथा परिणाम

(III) द्वितीय विश्व युद्ध– कारण तथा परिणाम

इकाई – दो– 07 अंक

(क) आधुनिक भारत

(I) भारत में यूरोपीय शक्तियों का आगमन एवं प्रसार

(II) प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम– कारण एवं परिणाम

(III) नवजागरण तथा राष्ट्रीयता का विकास (उदारवादी, अनुदारवादी)

(ख) भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन

(I) गांधी विचारधारा, असहयोग आन्दोलन

(II) सविनय अवज्ञा आन्दोलन तथा भारत छोड़ो आन्दोलन

(III) क्रान्तिकारियों का योगदान

(IV) भारत विभाजन एवं स्वतन्त्रता प्राप्ति

इकाई – तीन– 05 अंक

(1) मानचित्र कार्य

अनुभाग– दो – नागरिक जीवन– 15 अंक

इकाई – 1– 08 अंक

(क) केन्द्र एवं राज्य सरकार

(I) केन्द्र सरकार –

विधायिका (संसद) एवं कार्यपालिका (राष्ट्रपति एवं केन्द्रीय मंत्रि परिषद)

(II) केन्द्रीय मंत्रि परिषद का गठन एवं कार्य

(III) राज्य सरकार

विधायिका (विधान मण्डल) एवं कार्यपालिका (राज्यपाल एवं मंत्रि परिषद)

(ख) भारतीय न्याय व्यवस्था

(I) सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय

(II) जनपदीय न्यायालय एवं लोक अदालत

(III) न्यायिक सक्रियता (जनहितवाद एवं लोकायुक्त)

इकाई – 2 – 07 अंक

(क) भारतीय विदेश नीति

(I) भारतीय विदेशनीति–गुट निरपेक्षता एवं पंचशील, निःशस्त्रीकरण, रंगभेद नीति का विरोध आदि

(II) पड़ोसी देशों से सम्बन्ध तथा दक्षेस

(III) संयुक्त राष्ट्र संघ एवं विश्व शान्ति

(ख) देश की वाह्य एवं आन्तरिक सुरक्षा

(I) देश की सीमाएँ एवं सुरक्षा व्यवस्था

(II) देश की आन्तरिक सुरक्षा व्यवस्था

अनुभाग –तीन–पर्यावरणीय अध्ययन– 20 अंक

इकाई–1 08 अंक

(क) भारत का भौतिक पर्यावरण

(I) भौतिक स्वरूप–स्थिति विस्तार, उच्चावच्च जल प्रवाह

(II) जलवायु–प्रभावित करने वाले कारक, भारतीय जलवायु की विशेषतायें एवं प्रभाव

(III) आपदायें–प्राकृतिक–बाढ़, सूखा, भूस्खलन, भूकम्प, समुद्रीय तूफान एवं लहरें आदि।

(IV) मानवकृत आपदायें–विस्फोट वैश्विक तपन, ओजोन क्षरण, ग्रीन हाउस प्रभाव, रेडियों धर्मिता कारण एवं प्रबन्धन

(ख) भौतिक संसाधन एवं उनका दोहन

(I) भूमि संसाधन–महत्व, विभिन्न उपयोग, मानव जीवन पर प्रभाव मृदा के सन्दर्भ में।

(II) जल संसाधन–जल के विभिन्न स्त्रोत एवं उनकी उपयोगिता–

प्रमुख बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनायें–रिहन्द, दामोदर भाखड़ा नांगल बॉध, हीराकुण्ड, नागार्जुन सागर।

(III) वन एवं जीव संसाधन– उपयोगिता, सुरक्षा एवं संरक्षण सम्बन्धित राष्ट्रीय नीति तथा विभिन्न कार्यक्रम

(IV) ऊर्जा संसाधन– कोयला, खनिज तेल, प्राकृतिक गैस, परमाणु खनिज जल, वैकल्पिक साधन उपयोग एवं संरक्षण।

(V) खनिज संसाधन– धात्विक, अधात्विक खनिज उपयोग एवं संरक्षण लौह, मैगनीज, अभ्रक, बाक्साइट, तांबा आदि।

इकाई–दो– 07 अंक

(क) मानवीय संसाधन

(I) जनसंख्या– घनत्व वितरण, लिंग अनुपात, बढ़ती जनसंख्या की समस्यायें (संक्षेप में) जनसंख्या नियंत्रण के उपाय।

(II) व्यवसाय – पशुपालन, मत्स्य, कृषि, खनन, विनिर्माण उद्योग, सूती वस्त्र, चीनी, कागज, लोहा, इस्पात, सीमेंट, पेट्रोरसायन, इंजीनियरी।

सेवाएं– परिवहन दूरसंचार, व्यापार

(ख) विकसित देश की ओर अग्रसर भारत

(I) विकसित एवं विकासशील देश एवं उनकी विशेषताएं

(II) विकसित देश के रूप में उभरता भारत–तुलनात्मक अध्ययन–कृषि, उद्योग, परिवहन, दूरसंचार, शिक्षा, स्वास्थ्य, बौद्धिक सम्पदा–वैश्वीकरण के सन्दर्भ में।

इकाई–3– 05 अंक

(1) मानचित्र कार्य

अनुभाग–चार–आर्थिक विकास– 15 अंक

इकाई–1– 09 अंक

(क) अर्थव्यवस्था की समस्यायें

(I) उत्पादन एवं उपभोक्ता में सम्बन्ध–वस्तुविनिमय, क्रय–विक्रय, विनिमय बाजार

(II) उत्पादन का उसके साधनों में वितरण–भूमि, श्रम, पूंजी, संगठन एवं लगान, मजदूरी, ब्याज एवं लाभ का सामान्य परिचय

(III) आर्थिक विकास, राजस्व की आवश्यकता–केन्द्र, राज्य, स्थानीय निकायों के आय के स्त्रोत प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर व्यय की मदें

(ख) भारतीय अर्थ व्यवस्था में कृषि का योगदान

(I) अर्थव्यवस्था में कृषि का स्थान–सामान्य परिचय–भूमि सुधार, जमींदारी उन्मूलन, चकबन्दी, हदबन्दी, कृषि, श्रमिक, कृषि में निविष्टियॉ **(Input)**

(II) कृषि उत्पादकता–पिछड़ेपन का कारण, सुधार के उपाय, कृषि विकास के कार्यक्रम, कृषि में विकास की सम्भावनायें, कृषि में आधुनिकता

(ग) भारतीय अर्थव्यवस्था में उद्योगों का योगदान

भारतीय अर्थव्यवस्था का औद्योगिकीकरण

(**I**) कृषि एवं उद्योगों की पारस्परिक अनुपूरकता

(**II**) तीव्र एवं संतुलित औद्योगिक ढांचे की आवश्यकता– वर्तमान औद्योगिक ढांचा–कुटीर तथा लघु उद्योग, बड़े पैमाने के उद्योग

(**III**) औद्योगिक उत्पादकता एवं कार्य कुशलता, अकुशलता, निम्न उत्पादन का कारण

(**IV**) औद्योगिक विकास के लिए उठाये गये कदम, उपलब्धियॉ व विकास की सम्भावनायें

इकाई–2– 06 अंक

(क) आर्थिक विकास की दिशा

(**I**) आर्थिक नियोजन– अर्थव्यवस्था एवं उद्देश्य भारतीय पंचवर्षीय योजनायें एवं उपलब्धियॉ

(**II**) आर्थिक विकास में राज्य की भूमिका राज्य का हस्तक्षेप उत्पादन एवं वितरण पर राज्य का नियंत्रण, औद्योगिक लाइसेंसिंग, सार्वजनिक वितरण प्रणाली एवं राशनिंग

(ख) विदेशी व्यापार

तात्पर्य, महत्व, विदेशी व्यापार की नीति, आयात–निर्यात की मुख्य मदें, आयात–निर्यात की दिशा

प्रोजेक्ट–सूची

पूर्णांक–15

आवश्यक निर्देशः–

4. प्रोजेक्ट बनाने में चित्रों, मानचित्रों, रेखाचित्रों, तालिकाओं, आंकड़ों का प्रयोग अवश्य करें।
5. कुल तीन प्रोजेक्ट बनाने हैं प्रोजेक्ट अलग–अलग विषय से सम्बन्धित होना चाहियें। प्रत्येक प्रोजेक्ट के 05 अंक निर्धारित हैं।
6. दिये गये प्रोजेक्ट के अतिरिक्त शिक्षक/शिक्षिका स्वयं अपने स्तर से अन्य प्रोजेक्ट भी बनवा सकते हैं।

1. भारतीय इतिहास में स्त्रियों का योगदान (प्राचीन मध्य व आधुनिक काल में)
2. पुनर्जागरण काल के प्रमुख वैज्ञानिकों के नाम व आविष्कारों की सूची।
3. भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन में महात्मा गांधी द्वारा चलाये गये आन्दोलन व सामाजिक कार्य।
4. औद्योगिक क्रान्ति के प्रमुख आविष्कार एवं आविष्कारों की सूची तथा किन्हीं दो आविष्कारों का प्रभाव।
5. भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन में सुभाषचन्द्र बोस की भूमिका।
6. केन्द्र और राज्य सरकार के पॉच कैबिनेट मंत्रियों और उनके मंत्रालयों के नाम लिखकर उनकी क्रमबद्ध सूची तैयार करें।
7. स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद भारत के सभी राष्ट्रपति के नामों एवं कार्यकाल को सूचीबद्ध करते हुए विभिन्न राष्ट्रपतियों के चित्रों को दर्शाइये।
8. आन्तरिक सुरक्षा व्यवस्था में लगे संगठनों के नाम तथा स्थापना वर्ष एवं मुख्यालय को सूचीबद्ध कीजिये।
9. जनपदीय न्यायालय व्यवस्था की क्रमिक तालिका।
10. विश्व शान्ति स्थापित करने में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका।
11. मॉडल के माध्यम से पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार–प्रभाव, वर्तमान में पर्यावरण परिवर्तन के प्रमुख कारण।
12. आपदायें–प्रमुख भौतिक तथा मानवीय आपदायें, मानवीय आपदाओं के कारण तथा परिणाम। इसके प्रबन्धन में आपकी भूमिका।
13. आपके विद्यालय में विगत पॉच वर्षों में जनसंख्या की स्थिति परिवर्तन के कारण तथा उनकी विशेषतायें।
14. अपने राज्य में बहने वाली प्रमुख नदियॉ तथा उनकी सहायक नदियॉ, उनके किनारे बसने वाले प्रमुख नगर तथा उनका औद्योगिक महत्व।
15. भारत में खाद्यान्न फसलों के बीजों का एकत्रीकरण। प्रोजेक्ट फाइल में भारत के मानचित्र पर उत्पादक क्षेत्रों पर चिपकाकर उनके उत्पादन की भौगोलिक दशाओं तथा क्षेत्रों का विवरण।
16. भारत में व्याप्त गरीबी के कारण एवं निस्तारण के सुझाव।
17. अब तक अपने देश में कुल पंचवर्षीय योजनाओं की संख्या कार्यकाल एवं लाभ।
18. अपने देश के विभिन्न राशन कार्ड एवं उपयोगिता।
19. भारत में निर्यात एवं आयात की जाने वाली वस्तुओं की सूची स्थान सहित।
20. कुटीर तथा लघु उद्योग धन्धों की सूची एवं उनका महत्व।

वाणिज्य
कक्षा– 10 के लिए
पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम–

इस विषय में 70 अंको का केवल एक प्रश्न पत्र तीन घण्टे का होगा।

इस विषय में 70 अंक की लिखित परीक्षा तथा 30 अंक का प्रायोगिक व आन्तरिक मूल्यांकन होगा। प्रायोगिक आन्तरिक मूल्यांकन में 15 अंक का प्रोजेक्ट कार्य तथा 15 अंक को मासिक परीक्षण हेतु निर्धारित किया गया है। प्रोजेक्ट कार्य का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा। लिखित परीक्षा हेतु अंक विभाजन निम्नवत् हैः–

(अ) अन्तिम खाते–व्यापार तथा लाभ–हानि खाता एवं आर्थिक चिट्ठा सामान्य समायोजन सहित। बुक, पास बुक एवं रोकड़ बही का बैंक समाधान विवरण–पत्र। चेक, बिल,हुण्डी व प्रतिज्ञा–पत्र सम्बन्धित साधारण लेखे। **20–अंक**

(ब) नस्तीकरण, अनुक्रमणिका संदेश वाहक प्रणालियॉ। व्यापारिक कार्यालय में श्रम व समय बचाने वाले यंत्र जैसे पंच मशीन, समय रिकार्ड मशीन, फोटोस्टेट मशीन, टाइप–राइटर, कैलकुलेटर की साधारण प्रयोग सम्बन्धी जानकारी। देशी व्यापार–थोक व फुटकर व्यापार, बीजक व विक्रय विवरण। **20–अंक**

(स) बैंक–जन्म, परिभाषा, कार्य एवं महत्व। भारतीय रिजर्व बैंक, स्टेट बैंक, व्यापारिक बैंक, सहकारी बैंक, देशी बैंकर का सामान्य अध्ययन। **15–अंक**

(द) उपयोगिता ह्रास नियम, व्यय व बचत आशय पारस्परिक सम्बन्ध, बचत का सामाजिक महत्व। उत्पत्ति के साधन, आशय, विशेषतायें एवं महत्व। **15–अंक**

निर्धारित पाठ्य–पुस्तक–

कोई भी पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नही की गयी है। विद्यालयों के प्रधान विषय, अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

प्रोजेक्ट कार्य एवं आंतरिक मूल्यांकन **15+15=30**

नोट– दिये गये प्रोजेक्ट सूची में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार करायें प्रत्येक खण्ड में से एक प्रोजेक्ट कराना अनिवार्य है। शिक्षक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट कार्य अपने स्तर से भी दे सकते है। प्रत्येक प्रोजेक्ट 05 अंक का होगा। 15 अंक का आंतरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर मासिक परीक्षण द्वारा होगा।

1– काल्पनिक आंकड़ों के आधार पर व्यापार खाते का नमूना।
2– अन्तिम खाते बनाते समय विभिन्न समायोजनाओं का विवेचन।
3– बैंक समाधान विवरण कब एवं क्यों बनाया जाता है।
4– रोकड़ बही एवं पासबुक बही में अन्तर के कारण।
5– चेक एवं चेक का रेखांकन।
6– नस्तीकरण की प्रणालियॉ।
7– कार्ड अनुक्रमणिका का वर्णन।
8– चेक एवं चेक का अनादरण।
9– शीघ्र संदेश भेजने का साधन।
10– समय एवं श्रम बचाने वाले यन्त्र।
11– फुटकर व्यापार का वर्गीकरण ।
12– बैंक का उदय या विकास।
13– रिजर्व बैंक के कार्य।
14– स्टेट बैंक आफ इण्डिया के कार्य।
15– उपयोगिता ह्रास नियम की व्याख्या।
16– उत्पत्ति के साधन।

चित्रकला

कक्षा–10

पूर्णांक–70 अंक

प्रश्नपत्र तीन खण्डो में विभक्त होगा। जिसमें खण्ड–क अनिवार्य है। शेष खण्डों में से एक करना है।

खण्ड–(क) अनिवार्य **45 अंक**

प्राकृतिक दृश्य चित्रण– जैसे ऊषाकाल,संध्याकाल,ग्रामीण व पहाड़ी दृश्य का चित्रण, जलरंग अथवा पेस्टल रंगो से रगे।

माप 20सेमी0X15 सेमी0 हो।

अथवा

आलेखन–चतुर्भुज अथवा वृत्त में केवल पूर्ण इकाई द्वारा मौलिक आलेखन बनाये और उसमें कम से कम तीन रंगो का प्रयोग करें। माप 15 सेमी0 से कम न हो।

अथवा

प्राविधिक–अन्तः स्पर्शी तथा बाहयस्पर्शी अन्तर्गत एवं परिगत आकृतियां,रेखाओं तथा वृत्तो को स्पर्श करते हुए स्पर्श रेखाएँ। क्षेत्रफल सम्बन्धी साधारण निर्मेय,ज्यामितीय आलेखन,साधारण एवं कर्णवत् पैमाने।

खण्ड–(ख) स्मृति चित्रण **25 अंक**

साधारण जीवन में दैनिक उपयोग की वस्तुए,घरेलू बर्तन जैसे–सुराही,बाल्टी, लोटा अमृतवान,केतली,बोतल,गिलास तथा तरकारी,फल आदि। पेंसिल द्वारा रेखांकन होगा।

खण्ड–(ग) भारतीय चित्रकला **25 अंक**

इस खण्ड में चार प्रश्न होंगे जिसमे से दो प्रश्न करना होगा। एक प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जो अनिवार्य होगा।

1–चित्रकला का प्राचीन उल्लेख।

2–चित्रकला की विशेषताएँ।

3–प्रागैतिहासिक काल।

प्रोजेक्ट कार्य

कक्षा–10

नोट– परियोजना कार्य तीन खण्डों में विभक्त होगा,जिसमें से किन्हीं दो खण्डों से तीन परियोजना कार्य पूर्ण करना अनिवार्य है। प्रत्येक परियोजना कार्य पॉच अंक का है। इसके अतिरिक्त 15 अंक मासिक परीक्षा के लिए निर्धारित है

परियोजना कार्य सैद्धान्तिक,तकनीकी कौशल तथा माध्यम (जलरंग, पोस्टर रंग, पेंसल, चारकोल, क्रेयान, इंक आदि) के उपयुक्त प्रयोग पर आधारित होगा।

परियोजना कार्य में संयोजन,सौन्दर्य (आकर्षण) अनुपात, लय के सिद्धान्तों का ध्यान रखते हुए पूर्ण किया जाय।

खण्ड–क (प्राकृतिक दृश्य चित्रण)

1– प्राकृतिक दृश्य चित्रण (ऊषाकाल) का 20X15 सेमी0 माप में सृजन करें। जलरंग माध्यम से ऊषाकाल का प्रभाव चित्रित किया जाय। चित्र में परिप्रेक्ष्य स्पष्ट से दिखे।

2– संध्याबेला का दृश्य चित्रण पोस्टर अथवा पेस्टल रंग द्वारा पूर्ण करें जिसकी माप 20X15 सेमी0 हो। चित्र में सन्तुलन एवं परिप्रेक्ष्य स्पष्ट हो।

3– ग्रामीण दृश्य चित्रण को पोस्टर रंग/जलरंग/पेस्टल रंग द्वारा पूर्ण किया जाय। जिसमें मानव/पशु आकृतियों के अलावा ग्रामीण झोपड़ियाँ एवं कुआँ आदि का भी समावेश हो।

4– पहाड़ी दृश्य चित्र का चित्रण 20X15 सेमी0 माप में सृजित करें। रंग/रेखा का सन्तुलन आवश्यक है।

5– पेंसिल अथवा चार कोल के माध्यम से दृश्य चित्रण कीजिए। चित्र में सन्तुलन एवं लय का विशेष महत्व होगा। परिप्रेक्ष्य दर्शाना आवश्यक है।

6– चतुर्भुज में केवल एक पूर्ण इकाई द्वारा मौलिक आलेखन बनाएं और उसमें कम से कम तीन रंगो का प्रयोग करें। माप 15 सेमी0 से कम न हो।

7– वृत्त में केवल एक पूर्ण इकाई द्वारा मौलिक आलेखन बनाएं और उसमें कम से कम तीन मौलिक रंगो का प्रयोग करें। माप 15 सेमी0 से कम न हो।

8– किसी मार्ग के भव्य प्रवेश द्वार की परिकल्पना करें। उसके ज्यामितीय महत्व को सिद्ध करने वाली दो समानान्तर वृत्ताकार मीनारों की रचना करें जिसका ऊपरी भाग त्रिभुजाकार बीम से बँधा हो।

9– किसी नहर अथवा मार्ग की परिकल्पना करें,उसकी मापनी बनाएँ और निरूपक भिन्न ज्ञात करें। (अंकीय आंकडे स्वयं निर्धारित करेगे) नहर अथवा सड़क का लघु दृश्य भी दर्शाने का प्रयास करें।

खण्ड–ख (स्मृति चित्रण)

10– साधारण जीवन में दैनिक उपयोग की वस्तुएं घरेलू बर्तन जैसे सुराही,बाल्टी, लोटा,अमृतबान,केतली,बोतल,गिलास आदि को स्मृति के आधार पर पेंसिल अथवा चारकोल से रेखांकन किया जाय।

11– विभिन्न प्रकार के फल एवं सब्जियों को स्मृति के आधार पर रेखांकन करें पेंसिल अथवा चारकोल से किया जाय।

12– विभिन्न प्रकार के बर्तनो एवं सब्जियों तथा फलो को पेस्टल एवं वाटर कलर से चित्रित करे।

खण्ड–ग (भारतीय चित्रकला)

13– भारतीय चित्रकला के विभिन्न काल खण्डों का विभाजन करते हुए प्रत्येक काल खण्ड पर मौलिक लेख लिखें।

14– चित्रकला की विशेषताओं का उल्लेख करें। जिससे यह सिद्ध हो सके कि कला ही जीवन है।

15– प्रागैतिहासिक काल की विभिन्न शिलाश्रयों का उल्लेख करते हुए उनके रंग एवं चित्रण विधान पर प्रकाश डालें।

रंजन कला

कक्षा–10

इस विषय में 70 अंको का केवल एक प्रश्नपत्र तीन घन्टे का होगा। प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभक्त होगा जिसमें से दो खण्ड के प्रश्न हल करने होगें। खण्ड–क अनिवार्य होगा।

खण्ड–क (चित्र संयोजन) 42 अंक

अनिवार्य

परम्परागत अथवा स्वतंत्र शैली में दिये गये विषयों में से किसी एक विषय पर संयोजन कर चित्र बनाना।

(क) सामाजिक जीवन

(ख) देशभक्ति पर आधारित चित्र जल रंग अथवा पेस्टल रंग से चित्रित किया जाय। माप 20 सेमीX15 सेमी के आयत से कम न हो।

खण्ड–ख (मानव अंग चित्रण) **28 अंक**

मानव शरीर के अंगो का चित्रण (सामने रखे प्लास्टर आफ पेरिस, मिट्टी के माडल, ऑख, कान, होठ, हाथ, पैर, नाक केवल पेसिल द्वारा चित्रण करना)

खण्ड–ग **28 अंक**

इस खण्ड में कुल तीन प्रश्न होंगे, जिसमें से दो प्रश्न करना होगा। एक वस्तुनिष्ठ प्रश्न करना होगा –

1– चित्रकला के छः अंग

2– अनुपात

3– संतुलन

4– प्रभावित

5– सामंजस्य

निर्धारित पाठ्यपुस्तक कोई भी पुस्तक निर्धारित नहीं है। विद्यालयों के प्रधान विषय अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यांकन– **30 अंक**

प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत 15 अंक प्रोजेक्ट कार्य के लिये तथा 15 अंक मासिक परीक्षा के लिए निर्धारित है। जिसका मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

प्रोजेक्ट कार्य की सूची

नोट– निम्नलिखित में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार करायें अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट भी दे सकते है। प्रत्येक प्रोजेक्ट 5 अंक का है।

निम्नलिखित कथनों के रंगीन पोस्टर बनाकर घर में एवं विद्यालय में लगायें।

1– बायें चलो।

2– जीवों पर दया करो।

3– सभी धर्म समान है।

4– जय जवान,जय किसान।

5– सब पढ़े,सब बढ़े।

6– किसी चित्रकार का चित्रकला में योगदान।

कक्षा–10

मानव विज्ञान

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्नपत्र तीन घंटे का होगा।

(इथनोग्रेफी एवं सामाजिक सांस्कृतिक मानव विज्ञान)

पूर्णांकः 70 अंक

कालांशः 220

इकाई–1

(क) मानव विज्ञान की परिभाषा तथा प्रमुख शाखाएं। **5–अंक**

(ख) सामाजिक–सांस्कृतिक मानव विज्ञान की परिभाषा तथा शाखाएं **5–अंक**

इकाई–2

पृथ्वी पर हिमयुग

(क) इथनोग्रेफी एवं इथनालोजी : परिभाषा एवं विषय क्षेत्र **10–अंक**

(ख) भारत की जनजातियों का भौगोलिक आर्थिक एवं भाषाई वर्गीकरण **10–अंक**

(ग) जनजाति की परिभाषा, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ी जनजाति (प्रिमिटिव) **10–अंक**

इकाई–3

खासा तथा खासी जनजाति का सामाजिक–आर्थिक परिवेश **10–अंक**

इकाई–4

(क) जनजातीय समस्या का स्वरूप एवं समस्या निराकरण के उपाय **10–अंक**

(ख) जनजातियों में एड्स तथा आपदा प्रबन्धन **10–अंक**

पाठ्य पुस्तकें

कोई भी पुस्तक निर्धारित एवं संस्तुत नही की गयी है। विद्यालय के प्रधान/विषय अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

प्रोजेक्ट कार्य

इस विषय में 30 अंक का प्रायोगिक एवं आंतरिक मूल्यांकन होगा। जिसमें 15 अंक मासिक परीक्षा एवं 15 अंक प्रोजेक्ट कार्य हेतु निर्धारित है। विषय अध्यापक दिये गये प्रोजेक्ट में से तीन प्रोजेक्ट अवश्य तैयार करायें। विषय अध्यापक छात्रहित में अपने स्तर पर कोई अन्य प्रोजेक्ट भी करा सकते हैं।

1– भारत की जनजातियों का भौगोलिक वर्गीकरण।

2– जनजातियों का भाषाई वर्गीकरण।

3– खासा जनजाति का सामाजिक परिवेश।

4– जनजातियों में आपदा प्रबन्धन।

5– खासी जाति का आर्थिक परिवेश।

6– अनुसूचित जनजाति का वर्गीकरण।

7– पिछड़ी जनजाति का वर्गीकरण।

प्रभा त्रिपाठी,
सचिव।

पी0एस0यू0पी0–17 हिन्दी गजट–भाग 4–2011 ई0।

मुद्रक एवं प्रकाशक–निदेशक, मुद्रण एवं लेखन-सामग्री, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।

पी0एस0यू0पी0–101 मा0शि0प0–23-07-2011–30,000 प्रतियां (डी0टी0पी0/आफसेट)।